ಶುಭ ಲಾಭ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अन्याय की समीक्षा के लिए करेंगे विशेष बैठक : मुख्यमंत्री @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 29 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |*| मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-28

उत्कर्ष ओड़ीशा-मेक इन ओड़ीशा कॉन्क्लेव में पीएम मोदी ने कहा

भारत करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं से प्रेरित विकास पथ की ओर अग्रसर

भुवनेश्वर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं से प्रेरित विकास के पथ पर अग्रसर है।

श्री मोदी ने मंगलवार को जनता मैदान में उत्कर्ष ओड़ीशा-मेक इन ओड़ीशा कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन करते हुए इस बात पर जोर दिया कि एआई का मतलब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऐस्परेशन ऑफ इंडिया (भारत की आकांक्षा) दोनों है, जो देश की ताकत है। उन्होंने कहा कि जब लोगों की जरूरतें पूरी होती हैं, तो आकांक्षाएं बढ़ती हैं और पिछले दशक में करोड़ों नागरिकों को सशक्त बनाया गया है, जिससे देश को फायदा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ओड़ीशा इस आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने राज्य को उत्कृष्ट और नए भारत के आशावाद और मौलिकता का प्रतीक बताया। श्री मोदी ने कहा कि ओडिशा खाद्य प्रसंस्करण, पेट्रोकेमिकल्स, बंदरगाह आधारित विकास, मत्स्य पालन, आईटी, एडुटेक, कपड़ा, पर्यटन, खनन और हरित ऊर्जा सहित विभिन्न उद्योगों में देश के अग्रणी राज्यों में से एक बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि उनसे ओड़ीशा की विकास यात्रा में निवेश करने के अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया और उन्हें आश्वासन दिया कि उनके निवेश से अभूतपूर्व सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा, यह मोदी की गारंटी है। यह ओड़ीशा में

अब तक का सबसे बड़ा व्यापार शिखर सम्मेलन था। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेक इन ओड़ीशा कॉन्क्लेव 2025 ने पिछले संस्करणों की तुलना में पांच से छह गुना अधिक निवेशकों को आकर्षित किया है।

श्री मोदी ने इस तरह के भव्य आयोजन के लिए ओड़ीशा के लोगों और सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा, पूर्वी भारत देश की प्रगति में एक विकास इंजन है और ओड़ीशा इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक डेटा पूर्वी भारत के उल्लेखनीय योगदान को दर्शाता है, जब भारत ने वैश्विक विकास में प्रमुख भूमिका निभाई थी।

प्रधानमंत्री ने क्षेत्र की अतीत की प्रमुखता का उल्लेख किया, जिसमें महत्व-पूर्ण औद्योगिक केंद्र, बंदरगाह और व्यापार केंद्र शामिल हैं, और इस विकास में ओड़ीशा की ऐतिहासिक भागीदारी की प्रशंसा की। श्री मोदी ने कहा, ओड़ीशा दक्षिण-पूर्व एशियाई व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र हुआ करता था, जिसके बंदरगाह भारत के प्रवेश द्वार के रूप में काम करते थे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की हाल की यात्रा को याद करते हुए श्री मोदी ने उल्लेख किया कि राष्ट्रपति ने कहा कि ओड़ीशा उनके डीएनए में हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ओड़ीशा अब 21वीं सदी में अपनी शानदार विरासत को पुनर्जीवित कर रहा है। उन्होंने राज्य के साथ व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में आसियान देशों की रुचि पर भी प्रकाश डाला।

▶10पर

भारत को अमेरिका बेचना चाहता है हथियार

संबंधों को मजबूत करने पर जोर

वाशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की ओर से अमेरिका निर्मित सुरक्षा उपकरणों की खरीद बढ़ाने और निष्पक्ष द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों की दिशा में आगे बढ़ने के महत्व पर जोर दिया है।श्री ट्रंप ने सोमवार रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान यह बात कही। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय

'व्हाइट हाउस' की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने श्री मोदी की व्हाइट हाउस यात्रा की योजना पर भी चर्चा की।बयान में कहा गया, आज, राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सार्थक बातचीत की। दोनों नेताओं ने सहयोग बढ़ाने और गहरा करने पर चर्चा की। उन्होंने हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया और यूरोप में सुरक्षा सहित कई क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति ने भारत द्वारा अमेरिकी निर्मित सुरक्षा उपकरणों की खरीद बढ़ाने और निष्पक्ष द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों की ओर ▶10पर

बांग्लादेश : तालिबानी राज बनाने पर तुले यूनुस ने स्कूली किताबों में की फेरबदल

महिलाओं को दिखाया पुरुषों से नीचे

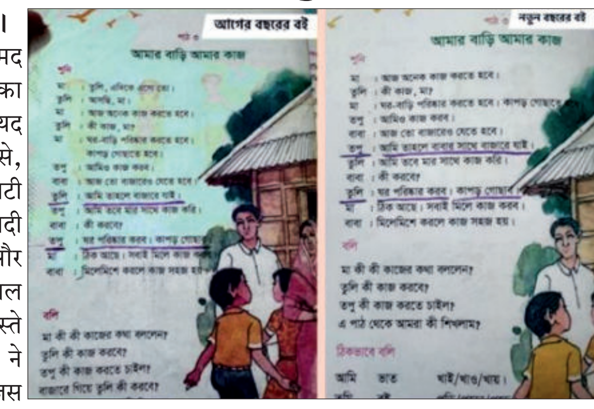

ढाका, 28 जनवरी (एजेंसियां)। नोबुल पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश का इतना पतन हो जाएगा, यह शायद किसी ने सोचा भी न होगा। वैसे, असल में तो यूनुस सिर्फ सजावटी नेता ही रखे गए हैं, असली उन्मादी हुकूमत तो उन जतामियों और खालिदा जिया के लोगों की चल रही है जो 'छात्र आंदोलन' के रास्ते कुर्सी पर जमे हैं। यूनुस सरकार ने इस साल की स्कूली किताबों जिस तरह के बदलाव किए हैं उससे लगता है, भारत का यह पड़ोसी इस्लामी देश तालिबान की शरियाई राह पर चलने को उतावला है। इस्लामी राज में महिलाओं को दोयम दर्जे की नागरिक मानते हुए उन पर अनेक प्रकार की पाबंदियां थोप दी जाती हैं। अफगानिस्तान में गद्दी पर जमे बैठे तालिबान के ज्यादातर फरमान भी महिलाओं पर तमाम तरह की पाबंदियां लगाने वाले होते हैं। ठीक वैसे ही संकेत बांग्लादेश में स्कूली किताबों में किए गए बदलाव दे रहे हैं।

पिछले वर्ष तक पढ़ाई जाती रहीं पाठ्यपुस्तकों में जो चीजें बच्चे पढ़ रहे थे उनमें भारी बदलाव दिखता है। उदाहरण के लिए अब तक बच्चों को पढ़ाया जाता था महिला और पुरुष समान हैं, लिंगभेद जैसा कुछ नहीं होता, दोनों में समानता होनी चाहिए। परन्तु ताजा प्रकाशित पुस्तकों में महिलाओं को सिर्फ घर गृहस्थी के काम करने वाली दिखाया गया है। जाहिर है लैंगिक समानता की वकालत करने वाले उदारवादी वर्ग को इससे परे-शानी होगी। इसके विरोध में कुछ आवाजें भी उठी हैं। महिलाओं के अधिकारों को लेकर चिंता पैदा हुई है।

बांग्लादेश में इससे पहले जिन शेख हसीना की सरकार थी, वह कुछ हद तक बीच के रास्ते पर चलती दिखती थी। लेकिन आज की मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की लगाम स्पष्ट रूप से मजहबी उन्मादियों के हाथ में दिखती है। जाहिर है कि अब फैसले और नीतियां उनके हिसाब से तय होती हैं। सरकार के कामकाज पर उनकी सीधी नजर रहती है। इस वजह से सरकार के ही विभिन्न 'सलाहकारों' में खींचतान भी देखने में आई है। अब यह महिला-पुरुष में भेद करने का सबक देने की बात भी बहस को जन्म दे चुकी है। महिला अधिकारों के पैरोकार खासे नाराज हैं।

बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन तो कह भी चुकी हैं कि आज बांग्लादेश अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत की नकल करते हुए उसी रास्ते पर बढ़ रहा है। मोहम्मद यूनुस ने तस्लीमा नसरीन की इस टिप्पणी पर एतराज जताते हुए उसे बेबुनियाद बताया था। लेकिन स्कूली किताबों में आया बदलाव तस्लीमा के कहे को पुष्ट करता है। उदारवादी सोच के बांग्लादेशी मानते हैं कि सच में उनका देश तालिबानी राह पकड़ रहा है। बांग्लादेशी अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट बताती है कि 2024 में 'आमार बांग्ला बोई' पुस्तक में 'आमार बाडीज काज' (हमारे घर के काम) शीर्षक से छपी कहानी में पुरुष और महिला, दोनों को घर के काम करने वाला बताया गया था। आज की सोच भी यही है कि पुरुष और महिला दोनों मिलकर घर के काम करते हैं। लेकिन अब जो नया संस्करण छपकर आया है उसमें दिखाया गया है कि घर के ज्यादातर काम महिला करती हैं।

▶10पर

न्यायालय ने ताहिर हुसैन को 6 दिन की हिरासती पैरोल दी

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद और फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को राहत देते हुए चुनाव प्रचार के लिये मंगलवार को उसे छह दिन की हिरासती पैरोल दे दी।

ताहिर हुसैन मुस्तफाबाद सीट से एआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। हिरासत पैरोल के तहत कैदी को सशस्त्र पुलिस कर्मियों द्वारा सभा स्थल तक ले जाया जाता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की तीन सदस्यीय पीठ ने 29 जनवरी से तीन फरवरी तक पुलिस हिरासत में चुनाव प्रचार करने की हुसैन की याचिका मंगलवार को स्वीकार कर ली।

अदालत ने कहा कि जेल नियमावली के अनुसार, उन्हें सुरक्षा के साथ केवल 12 घंटे के लिए ही जेल से बाहर जाने की अनुमति होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि पूर्व पार्षद सुबह छह बजे जेल से बाहर जा सकते हैं और शाम छह बजे तक वापस आ सकते हैं। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा सवाल

क्या देश के मुसलमान धर्मनिरपेक्ष कानून का पालन कर सकते हैं?

याचिकाकर्ता सफिया ने सम्पत्ति बंटवारे के मुस्लिम पर्सनल लॉ को चुनौती दी

सफिया की दलील.. मैं प्रैक्टिसिंग मुस्लिम नहीं, इसलिए शरिया लागू नहीं होता है

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। समूचे देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर बहस चल रही है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से एक अहम सवाल पूछा है। सवाल यह है कि क्या मुस्लिम परिवार में जन्मा व्यक्ति संपत्ति के मामलों में धर्मनिरपेक्ष कानूनों का पालन कर सकता है? या उसे शरिया, यानी मुस्लिम पर्सनल लॉ का पालन करना ही होगा? मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

इस मामले में याचिकाकर्ता केरल की सफिया पीएम हैं। उन्होंने कहा है कि वह अपनी पूरी संपत्ति अपनी बेटी को देना चाहती हैं। उनका बेटा ऑटिस्टिक है और उनकी बेटी ही उसकी देखभाल करती है। शरिया कानून के अनुसार, अगर माता-पिता की संपत्ति का बंटवारा होता है, तो बेटे को बेटी के हिस्से से दोगुना मिलता है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि अगर उनके बेटे की डाउन सिंड्रोम के कारण मृत्यु हो जाती है, तो उनकी बेटी को संपत्ति का केवल एक तिहाई हिस्सा मिलेगा। बाकी संपत्ति किसी रिश्तेदार को चली जाएगी।

सफिया ने अपनी याचिका में कहा है कि वह और उनके पति प्रैक्टिसिंग मुस्लिम नहीं हैं। इसलिए उन्हें भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के दिशानिर्देशों के अनुसार अपनी संपत्ति बांटने की अनुमति दी जानी चाहिए। फिलहाल, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम मुसलमानों पर लागू नहीं होता है। सफिया की याचिका इसी बात को चुनौती देती है। जब केस कोर्ट में आया, तो सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह एक बहुत ही दिलचस्प मामला है। यह मामला बीजेपी की तरफ से समान नागरिक संहिता को लागू करने के प्रयासों के बीच सामने आया है। बीजेपी चाहती है कि सभी नागरिकों के लिए चाहे वो किसी भी धर्म के हों, एक समान नागरिक कानून हो। जहां आपराधिक कानून सभी के लिए एक जैसे हैं, वहीं विरासत, गोद लेने और उत्तराधिकार से जुड़े कानून अलग-अलग समुदायों के लिए अलग-अलग हैं। समान नागरिक संहिता का विरोध करने वालों का तर्क है कि ऐसा कदम ▶10पर

श्रीलंका की नौसेना ने भारतीय मछुआरों पर बरसाईं गोलियां

भारत की कार्रवाई से हिला कोलंबो

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मंगलवार सुबह डेल्फ़्ट द्वीप के निकट श्रीलंकाई नौसेना द्वारा की गई गोलीबारी में दो भारतीय मछुआरे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। भारत में श्रीलंका के कार्यवाहक उच्चायुक्त को विदेश मंत्रालय में तलब

गोलीबारी में दो मछुआरे घायल

किया गया और कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार गोलीबारी में तीन अन्य भारतीय मछुआरे भी मामूली रूप से घायल हो गए। भारत ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में बल का प्रयोग स्वीकार्य नहीं है। मंत्रालय ने कहा मंगलवार को सुबह डेल्फ़्ट द्वीप के निकट 13 भारतीय मछुआरों को पकड़ने के दौरान श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गोलीबारी की घटना की सूचना मिली। इसमें कहा गया है, ▶10पर

एनआईए छापेमारी : आईएस मॉड्यूल पर तगड़ा वार

केरल-तमिलनाडु में 16 ठिकानों पर छापेमारी, चौंकाने वाला खुलासा

चेन्नई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। देश में इस्लामिक स्टेट के आतंकी मॉड्यूल को तोड़ने के लिए सुरक्षा एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं। इसी क्रम में एक बार फिर से एनआईए की टीम देश के अलग-अलग राज्यों में 16 स्थानों पर छापेमारी कर रही है। ये छापेमारी युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और विदेश आतंकी संगठनों से लिंक की छानबीन के लिए की जा रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय जांच एजेंसी की टीम चेन्नई और मायिलादुथुरई समेत कई अन्य इलाकों में छापेमारी की जा रही है। एजेंसी की ओर से कहा गया है कि केरल और तमिलनाडु में आईएसआईएस अपने पांव तेजी से पसार रहा है। इन दोनों ही राज्यों में आतंकी संगठन युवाओं का ब्रेनवाश करके उन्हें भर्ती कर रहा है। इस मामले में बीते 25 जनवरी को भी एजेंसी ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया था, जिससे पूछताछ के दौरान एजेंसी को पता चला कि ये सभी प्रतिबंधित इस्लामिक कट्टरपंथी संगठन पीएफआई से जुड़े हुए थे।इसके अलावा वर्ष 2019 में वी रामलिंगम, जो कि पीएमके पार्टी के नेता थे, उनकी हत्या में भी इन्हीं का हाथ था। जांच एजेंसी ने इस मामले की सांप्रदायिक एंगल से जांच की थी, जिसमें पीएफआई की संलिप्तता सामने आई है। इतना ही नहीं कुछ सालों के अंदर इन राज्यों से 20 युवा सीरिया और ईराक में इस्लामिक स्टेट के लिए लड़ाके बनने के लिए भी गए थे। इससे पता चलता है कि इस्लामिक स्टेट का सिंडिकेट इन राज्यों में कुछ ज्यादा ही घर कर चुका है। हालांकि, इसको लेकर एनआईए की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। पिछले वर्ष एनआईए ने एक बयान जारी किया था, जिसमें केंद्रीय एजेंसी ने चेताया था कि सोशल मीडिया के जरिए इस्लामिक स्टेट समेत तमाम कट्टरपंथी संगठन युवाओं का ब्रेनवाश करके उन्हें कट्टरता की ओर धकेल रहे हैं।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 83,030/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,331/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 21^0

डेमोग्राफिक चेंज : बौद्ध बहुल अरुणाचल आज ईसाई बहुल, ये प्रजनन दर से संभव नहीं : शमिका रवि

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. शमिका रवि ने जनसांख्यकी परिवर्तन के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रजनन दर में गिरावट होने का अर्थ ये कतई नहीं है कि जनसांख्यकीय परिवर्तन नहीं हो रहा है। 2001 तक बुद्धिस्ट बहुल राज्य रहा अरुणाचल प्रदेश 2011 में ईसाई बहुल हो गया। प्रजनन क्षमता से आगे धर्मान्तरण की समस्या है।

समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में अर्थशास्त्री शमिका ने प्रजनन दर और जनसाख्यकी के मुद्दे पर बात की। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि जिस प्रकार से डेमोग्राफी बदल रही है, उसके पीछे केवल प्रजनन दर जिम्मेदार नहीं हो सकती। इसका एक बड़ा कारण धर्मान्तरण है। अर्थशास्त्री ने कहा कि विभिन्न धर्मों की प्रजनन दर अलग-अलग है। लेकिन बात केवल मुस्लिमों की जाती है कि उनके

डॉ शमिका रवि, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य

प्रजनन दर में गिरावट देखी जा रही है।

ये अंकगणितीय रूप में सच है, लेकिन, इससे जमीनी स्तर पर चीजों में कोई अंतर नहीं पड़ता है। क्योंकि असली चिंता तो एक जिले के अंदर बैठी आबादी के हिस्से की है। उदाहरण के तौर पर पश्चिमी यूरोप के कई देशों में तेजी से अल्पसंख्यकों की संख्या बढ़ी है। लेकिन, ये केवल और केवल प्रजनन दर के कारण संभव नहीं है। धर्मान्तरण इसका एक बड़ा कारण है। ▶10पर

स्पेस में आज होगी भारत की 100वीं स्ट्राइक, इसरो करेगा बड़ा धमाका

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान (इसरो) अंतरिक्ष अन्वेशष की अपनी यात्रा में एक और उपलब्धि दर्ज करने वाला है। इसरो का 100वां मिशन जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट के साथ सैटेलाइट एनवीएस-02 को लॉन्च करने का काउंटडाउन शुरु हो चुका है। यह स्वदेशी क्रायोजेनिक रॉकेट 29 जनवरी सुबह 6 बजकर 23 मिनट पर सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया जाएगा। बता दें कि रॉकेट 27 घंटे का अपना काउंटडाउन पूरा करके सैटेलाइट को लेकर रवाना होगा। यह इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन के नेतृत्व में पहला मिशन होगा। उन्होंने 13 जनवरी 2025 को ही अपना पदभार संभाला था। इसरो ने कहा कि जीएसएलवी-एफ15, एनवीएस-02 को जियोस्टेशनरी ट्रांसफर ऑरबिट पर स्थापित करेगा। इसका काउंटडाउन मंगलवार सुबह 2

बजकर 53 मिनट पर शुरु हुआ था।

इसरो के मुताबिक नेविगेशन विद इंडियन कंस्टीलेशन) देश का स्वतंत्र क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम है। इसका मकसद भारत और भारत की धरती से 1,500घच् तक फैले इलाके में यूजर्स को सटीक पोजीशन, टाइमिंग और वेलोसिटी की जानकारी प्रदान करना है।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी द्वारा बेंगलूरु संगठन यात्रा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अपनी संगठन यात्रा के तहत अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा, राष्ट्रीय दक्षिण संगठन मंत्री राजेश चावत, दक्षिण पर्यावरण प्रभारी संपत चावत गांधीनगर स्थित तेरापंथ सभा भवन पहुंचे। अणुव्रत समिति, बेंगलूरु के अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए समिति की अब तक की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने समिति द्वारा निर्धारित कार्यों के अलावा और नये आयामों को कैसे आगे बढ़ाएं और सद्भावना नैतिकता एवं नशा मुक्ति विषयों पर ज्यादा से ज्यादा जागरूकता बढ़ाने हेतु अपने विचार रखें। वर्तमान कार्यकाल में बेंगलूरु

समिति द्वारा अणुव्रत वाटिका का गठन और शीघ्र कार्यकारिणी बैठक बुलाकर ज्यादा कार्य संपादन करने हेतु निवेदन किया। राष्ट्रीय दक्षिण संगठन मंत्री ने संगठन को मजबूत करने हेतु ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को समिति से जोड़ने का आह्वान किया । जीवन विज्ञान कर्नाटक प्रभारी ललित अच्छा ने कर्नाटक स्तरीय जीवन विज्ञान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए निवेदन किया कि अणुविभा जीवन विज्ञान के विषय एवं प्रसंग स्थाई रखें एवं समय-समय पर ज्यादा बदलाव न करें। अणुविभा टीम से पधारे हुए पदाधिकारी का सम्मान एवं अभिनंदन समिति द्वारा किया गया। समिति से निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती, शांति सकलेचा, सहमंत्री प्रवीण बोहरा, बबीता चोपड़ा, संगठन मंत्री निर्मल पोखरणा ने नए आयामो हेतू अपने विचार रखें। अध्यक्ष ने निवेदन किया कि अणुविभा टीम हर कार्य में स्पष्टीकरण रखते हुए संपूर्ण सहयोग प्रदान करें एवं कृष्णराजपुरम में शीघ्र ही अणुव्रत वाटिका का उद्घाटन करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने किया एवं सभी के प्रति आभार उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती ने व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश सेवा मंडल के रामोत्सव में बही सुमधुर भजनों की बयार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश सेवा मंडल द्वारा अयोध्या में श्री रामलला मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रविवार को गांधीनगर स्थित वैष्णव समाज भवन में श्रद्धा व भक्तिभाव के साथ धूमधाम से रामोत्सव मनाया गया। मंडल के अध्यक्ष के.के. दूबे एवं सचिव वी.के. पटेल ने बताया कि इस अवसर पर सेवा मंडल की ओर से प्रात:काल 11 बजे से लेकर सायं 4 बजे तक अन्नदान सेवा भी की गयी।

इसके पश्चात रामोत्सव की पूजा के मुख्य यजमान आशा स्वीट्स के नरेन्द्र गर्ग की ओर से राम दरबार सजाया गया। प्रभु श्रीरामलला की पूजा-अर्चना के बाद भजन संध्या की शुरुआत गजानन महाराज की वंदना से हुई।

उत्तर प्रदेश सेवा मंडल के उपाध्यक्ष एवं भजन गायक प्रवीण मिश्रा, दिलीप वर्मा एवं नरेश द्वारा एक से बढकर एक सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तिरस की मंदाकिनी प्रवाहित की गयी, जिसमें भक्तों ने जमकर गोते लगाए। मंडल के अध्यक्ष ने अपने स्वागत भाषण में सभी सदस्यों एवं आगन्तुकों का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष एन.के.गुप्ता, नरेन्द्र गर्ग, गोपाल चौरसिया, सूरज गोयल, छोटेलाल चौरसिया, सभाजीत जायसवाल, सुरेन्द्र भाटी, प्रमोद जैन, जयंत चौधरी, अजय जैन, विवेक गोयल सहित समस्त कार्यकारिणी तथा समाज के अनेक अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अंत में सचिव वी.के.पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में महाप्रसादी के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में रक्तदान शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशनुसार तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। श्री राजेंद्र सूरिश्वर मंदिर श्रीरामपुरम एवं श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन चैरिटेबल ट्रस्ट महालक्ष्मी लेआऊट के मन्दिर परिसर कैंप में इसका आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से की गई। मंदिर के पदाधिकारियों ने तेयुप सदस्यों से आगे भी ऐसे कैंप लगाते रहने की बात कही और परिषद परिवार की खूब खूब सराहना की। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने भी मंदिर पदाधिकारीगण का सम्मान किया। ब्लड बैंक के सहयोग से कुल 25 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। ब्लड बैंक ने परिषद परिवार को सम्मानित करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। शिविर को सुव्यवस्थित आयोजित करने में तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, मंत्री जयंतीलाल गाँधी, सचिन हिंगड़, भावेश बोथरा, हरीश पोरवाड़, साहिल सहलोत एवं दर्शन पोरवाड़ का अथक श्रम नियोजित हुआ।

केरल में चिंतन शिविर और गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जोधपुर एसोसिएशन का बहु-प्रतीक्षित 3 दिवसीय चिंतन शिविर और गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन केरल के क्रिस्टल कुरुवा रिसॉर्ट में आयोजित किया गया। उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि जोधपुर एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्यों ने सपरिवारों की गरिमामय उपस्थिति में अत्यंत ही हर्षातिरेक माहौल में संस्था के और विकास पर चिंतन किया। अंजु दुगड़ और ज्योति भंसाली के निर्देशन में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम, रंगारंग कार्यक्रम, केरल के प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा वहां की वेशभूषा में पेश किए गए। सांस्कृतिक और लोक नृत्यों का भरपूर लुत्फ उठाया। केरल में वायनाड टापू पर नौका विहार का आनंद लेते हुए जंगल सैर का भी

लुत्फ उठाया। जोधपुर एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश भन्साली ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया और नूतन वर्ष की शुभकामनाएं साझा की। मंत्री राजेश भण्डारी ने कार्यकारिणी सभा के प्रस्तावों से अवगत कराया। सरोज लोढा, शशि पारख, बबिता मेहता, आशा भण्डारी, दीपा मेहता, इन्दु भंसाली, अनिल भण्डारी की प्रस्तुतियां भी शानदार रही। संरक्षक धीरेन्द्र कुमार सिंघी, लक्ष्मीचन्द भण्डारी (टाइसा), राजेन्द्र लोढा, अध्यक्ष कैलाश भंसाली, मंत्री राजेश भण्डारी, उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता, सहमंत्री नरेन्द्र भण्डारी ने विजेताओं का मोमेन्टो एवं माला द्वारा बहुमान किया। आयोजन की व्यवस्था में अध्यक्ष कैलाश भंसाली, मंत्री राजेश भण्डारी, उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता, सहमंत्री नरेंद्र भण्डारी, पूर्व मंत्री जितेन्द्र दुगड़, अंजु दुगड़, सुनील पारेख, ज्योति भन्साली, राजेन्द्र भंसाली, लखपत भंडारी, राजेन्द्र कर्नावट आदि कार्यकारिणी सदस्यों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही और सभी कार्यक्रमों का शानदार संचालन अंजु दुगड़ ने किया ।

प्रेक्षा प्रवाह शांति एवं शक्ति की ओर कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष के उपलक्ष में आर.आर नगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रेक्षा प्रवाह शांति एवं शक्ति की ओर का आयोजन स्थानीय भवन में किया गया। जिसका विषय कायोत्सर्ग, द बेस्ट वे टू रिलीव स्ट्रेस था। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यशाला प्रारंभ किया एवं सभी का स्वागत किया। मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण के रूप में सुमधुर प्रेक्षा गीत का संगान किया गया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका पूनम दूगड़ ने सभी को कायोत्सर्ग के वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक प्रतिपक्ष की जानकारी दी। संपूर्ण कायोत्सर्ग का प्रयोग करवाया गया एवं प्रेक्षा ऐप की जानकारी दी गई। अनीता बैद ने उनका सहयोग किया। अंत में सभी ने अपने-अपने अनुभव बताएं एवं जिज्ञासा समाधान भी किए गए। सह मंत्री वंदना भंसाली ने संचालन किया एवं मंत्री पदमा महेर ने आभार व्यक्त किया। अमिता छाजेड़ एवं सपना छाजेड़ का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

स्कूल में लगाया गया स्मार्ट स्क्रीन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत स्कूल को संरक्षण में लेने के सफलतम एक वर्ष की पूर्णता एवं गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर मालगला गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल को स्मार्टस्क्रीन और म्यूजिकलबैंड प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। अध्यक्ष मंजु गादिया ने कहा स्कूल के विकास एवं उन्नति के लिए महिला मंडल समय-समय पर सहयोग एवं वस्तुएं प्रदान करती रही है, स्कूल प्रबंधन उन वस्तुओं के रख रखाव का ध्यान रखें। आगे स्कूल के विकास हेतु बहुत से कार्य करने है एवं भविष्य में होने वाले कार्यों में भी सहयोगी रहेंगे। कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल, टीचर्स ने मण्डल द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की तथा विगत चार महीनों तक संस्कारबोध के अंतर्गत बच्चों में सद् संस्कारों के सिंचन हेतु विभिन्न विषयों पर स्कूल में आयोजित कार्यशालाओं के लिए महिला मंडल को सम्मानित किया। तेरापंथ महिला मंडल से मंत्री दीपिका गोखरू, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया, सहमंत्री ललिता डागा, समृद्ध राष्ट्र योजना की संयोजिका महिमा पटावरी, मोनिका बाँठिया सहित कार्यकारिणी सदस्य सुनीता पींचा एवं अर्चना मांडोत उपस्थित रहे।

क्रिकेट टूर्नामेट सीजन-7 का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिगनी ग्रेनाइट एंड मार्बल एसोसिएशन द्वारा क्रिकेट टूर्नामेट सीजन -7 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कर्नाटक सरकार के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने समारोह का उद्घाटन किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित गुप्ता ने मंत्री का स्वागत किया। सभी 6 टीमों ने बड़े उत्साह से खेल की भावना का प्रदर्शन किया। स्टोन पार्क विजेता रही एवं वर्षा स्टोस उप विजेता रही। मिरेकलरॉक्स, गणपति ग्रुप, जी के इलेवन, मुरली वॉरियर्स ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट में सभी जेजीएमटीए के सदस्यों ने बड़ी उत्साह से भाग लिया। टूर्नामेंट के आयोजकों में ज्ञान ग्रेनाइट, जे बी मार्मो, कोहिनूर ग्रुप, 4एम मार्बल, ओम मार्बल, कोठारी रॉक्स, स्टोन स्टाइल, रॉक एंड स्टोन, आरसीके रामा, वेदांत ग्रेनाइट, आकृति स्टोंस, ओमेगा स्टोन, नेचुरल स्टोन, गोपाल मार्बल का रामलिंगारेड्डी ने शाल एवं ट्रॉफी से सम्मान किया। टूर्नामेंट में एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित गुप्ता, उपाध्यक्ष आनंद मुंद्रा, सचिव दिलीप सोलंकी, कोषाध्यक्ष साहिल सिंगला, चेयरमैन रवींद्र नायडू, राजेश पेरीवाल, प्रभाकरण, अनिल सिंहल, जितेश सलेचा, विजय कोठारी, नरेश जैन, रमेश सोलंकी, अमित रंदर, अनिल डूंगरवाल, राकेश कोटेचा, रवि कोठारी, गौरव गुप्ता, धीरज कोटेचा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री नारायणी दादी परिवार संस्था का हुआ पंजीकरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री नारायणी दादी परिवार संस्था, जिसका हाल ही में गठन हुआ था, के प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति में सोमवार को पंजीकरण कराया गया। संस्था का उद्देश्य संस्था में दादी परिवार व भक्तों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ना है। एक वर्ष में चार से पांच कार्यक्रम कम से कम खर्च में किए जाएंगे, किंन्तु कार्यक्रम की शोभा को ध्यान में रखते हुए। हर कार्यक्रम के पश्चात उसका पूरा हिसाब किताब भक्तों के साथ साझा किया जाएगा। संस्था की कार्यकारिणी समिति का चुनाव हर दो वर्ष में होगा। कार्यक्रम हेतु भक्तों से चंदा नहीं मांगा जाएगा ना ही चंदा देने के लिए किसी भक्त को बाध्य किया जाएगा। भक्त अपनी स्वेच्छा से सहयोग राशि देना चाहे तो दे सकते हैं। किसी भी कार्यक्रम में जिन्होंने भी सहयोग किया है, का सम्मान किया जाएगा। इसी प्रकार से कई अन्य निर्णय लिए गए। संस्था से जुड़ने के लिए सदस्यता शुल्क मात्र 1100 रुपए रखा गया है।

हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76वीं बैठक आयोजित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की 76वीं बैठक सोमवार को क्षेत्रीय प्रधान कार्यालय में के. एस. जैन अपर महाप्रबंधक, दपरे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में हुब्बल्ली नगर में स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यालय प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक के आरंभ में शोभना गुप्ता, उपाध्यक्ष, हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं प्रधान मुख्य सिगनल व

दूरसंचार इंजीनियर सह मुख्य राजभाषा अधिकारी, दपरे ने समिति के अध्यक्ष एवं अपर महाप्रबंधक/दपरे तथा नराकास के सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत सरकार की राजभाषा नीति, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन पर आधारित है, वहीं राजभाषा नियमों का अनुपालन करना भी जरूरी है। उन्होंने कार्यालयों में राजभाषा का अनुकूल वातावरण बनाने के लिए अपने-अपने स्तर पर राजभाषा की गतिविधियां जैसे टेबुल ट्रेनिंग, कार्यशालाएं और हिंदी में भी तकनीकी सेमिनार जैसे कार्यक्रम करते रहने की बात कही। हुब्बल्ली नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष ने नगर राजभाषा पत्रिका के 11वें अंक का विमोचन किया। सचिन जैन, सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय, दपरे ने नराकास के सदस्य कार्यालयों से प्राप्त राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित रिपोर्टों के आधार पर एक समेकित समीक्षा रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की, जिस पर समिति द्वारा विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। अध्यक्ष ने नगर राजभाषा समिति के तत्वावधान में आयोजित हिंदी माह-2024 के दौरान सदस्य कार्यालयों द्वारा प्रायोजित हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार से सम्मानित किया।

भावी गांव का प्रथम स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीरवी समाज भावी बेंगलूरु व कर्नाटक का प्रथम स्नेह मिलन सीरवी सेवा संघ कनकपुरा ट्रस्ट नेटगेरे गेट में सोमवार को धूम धाम से मनाया गया। सर्व प्रथम माताजी और ठाकुर जी की पूजा आरती की गई। सभी ने राजस्थानी वेषभूषा का पालन किया और अपनी संस्कृति की जलक बिखेरी। महिलाओं ने भजन कीर्तन की प्रस्तुतियां दी। उसके बाद ढोल थाली पर नृत्य किया। राजस्थान से आए हुए बुजुर्गो का माला पहनाकर स्वागत किया गया। माधुराम मुलेवा ने बताया कि जमाना जरूर मशीनी युग और सोशल मीडिया का चल रहा है। हमें वहाँ अपना कदम सोच समझकर रखना चाहिए, हम पिछले कई वर्षो से बड़े सघठन से जुड़े हुए है। हमे वहाँ अपनी नीव मजबूत करनी है। गांव में बन रहे सीरवी समाज भवन निर्माण को जल्दी पूरा करने की अपील की गई। बच्चों को जरूरत के हिसाब से मोबाइल उपयोग करने की सलाह दी और विशेष माताओं बहनों को सोशल मीडिया पर इंस्टग्राम से दूर रहने की अपील की गई। गांव से पधारे शिक्षक किशनलाल पीडियारिया ने सभी को देह दान के बारे में जागरूक कर संघठन से समय समय पर रक्तदान शिविर और आँखों की जाँच का शिविर लगाने पर जोर दिया। बच्चों को शिक्षा के बारे में जोर दिया। मंच का संचालन शंकरलाल बर्फा ने किया। इस मौके पर मैसूरु, हासन, सेलम और दूर दराज से पधारे हुए सदस्यों का हार्दिक आभार प्रकट किया गया। इस मौके पर हनुमानराम आगलेचा, भंवरलाल मुलेवा, ढगलाराम बर्फा, चुन्नीलाल बर्फा, पुजारी बाबूलाल बर्फा, अब्बाराम बर्फा, ओमप्रकाश लालावत, रतनलाल राठौड़, मोहनलाल राठौड़, रतनलाल सेंणचा, धर्मीचंद सोलंकी, रूपाराम सोलंकी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पदोन्नति में एससी, एसटी के अधिकारियों के साथ हो रहे

अन्याय की समीक्षा के लिए करेंगे विशेष बैठक : मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विभिन्न विभागों में पदोन्नति में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ हो रहे अन्याय की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई जाएगी।

यह कहते हुए कि वे अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों को अवसर न देने की कोशिश करने वाले अधिकारियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने जोर देकर कहा कि सभी विभागों में आरक्षण अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए।

यह निर्णय मंगलवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण पर राज्य स्तरीय बैठक के दौरान लिया गया। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को विशेष बैठक बुलाने का निर्देश दिया।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अधिकारियों की पदोन्नति एवं सेवा संबंधी अन्याय से संबंधित मामले उठाते हुए बल्लारी के सांसद ई. तुकाराम एवं विधायक नरेंद्र स्वामी ने आरोप लगाया कि पुलिस विभाग में वरिष्ठता सूची तैयार करने में नियमों का उल्लंघन किया गया है तथा वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाए जाने के बाद भी इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने एडीजीपी (प्रशासन) पर क्रियान्वयन में गंभीरता न बरतने का आरोप लगाया। एमएलसी सुधाम दास ने कहा कि मंत्रिमंडलीय उपसमिति द्वारा उठाए गए बैकलॉग और पदोन्नति के मुद्दों में अन्याय की अनदेखी की जा रही है। क्या उपसमिति की रिपोर्ट का कोई महत्व नहीं है? इसके परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री ने विशेष बैठक बुलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर सरकार के संज्ञान में यह बात आई कि प्रतिबंधित देवदासी प्रथा कहीं भी जारी है तो उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अगर दलितों पर अत्याचार के आरोपियों को जमानत मिल जाती है तो इसे प्रशासन की विफलता माना जाएगा।

उन्होंने पूछा कि कितने मामलों में अधिकारियों ने अत्याचार के गंभीर मामलों में जमानत रद्द करने की अपील की है।

सिद्धरामैया ने कहा कि अगर पुलिस अधिकारी अत्याचार के मामलों को जानबूझकर कमजोर करने के लिए जवाबी शिकायतें स्वीकार करते हैं तो वे इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर छह महीने में समीक्षा बैठक बुलाई जाएगी और सरकार अत्याचार के मामलों में गैर जिम्मेदार पाए जाने वालों पर कार्रवाई करेगी।

बेलगावी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में प्रसव के बाद महिला की मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के बेलगावी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में नील-ाजी गांव की 31 वर्षीय अंजलि पाटिल की मंगलवार को प्रसव के बाद मौत हो गई। उसे 27 जनवरी की रात को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने सिजेरियन सेक्शन के जरिए बच्ची को जन्म देने में उसकी मदद की। महिला को 22 जनवरी को प्रसव होना था, लेकिन उसके परिवार के सदस्यों ने बताया कि उसे दर्द नहीं हुआ, इसलिए प्रसव नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने बताया कि महिला के रक्तचाप में अचानक बदलाव आया और उसकी मौत हो गई। एपीएमसी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने अस्पताल का दौरा किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बस से गिर कर महिला घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी के पुत्तुर के पास एक महिला बस से उतरते समय अपना संतुलन खोकर गलती से गिर गई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। उसे तुरंत लोगों ने उसी बस में अस्पताल पहुंचाया।

उडुपी के हनुमंत नगर की रहने वाली शांता (55) के रूप में पहचानी गई घायल महिला को बचाने के समय वह बेहोश थी और उसके दाहिने हाथ में गंभीर फ्रैक्चर था। उडुपी के अस्पताल ले जाने में मदद करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता विशु शेट्टी ने पुष्टि की कि डॉक्टरों ने उसे आवश्यक चिकित्सा उपचार दिया है और वह अब खतरे से बाहर है। यातायात पुलिस और महिला के रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दी गई।

लोन कंपनी द्वारा कथित उत्पीड़न के बाद शिक्षिका ने नदी में कूदकर जान दी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के होन्नाली में स्थित एक स्कूल शिक्षिका का शव मंगलवार सुबह बरामद किया गया, जो एक फाइनेंस कंपनी द्वारा कथित उत्पीड़न को सहन करने में असमर्थ होकर तुंगभद्रा नदी में कूद गई थी।

होन्नाली के दुर्गीगुड़ी इलाके में रहने वाली सरकारी स्कूल की शिक्षिका पुष्पलता (46) रविवार दोपहर से लापता थी। सोमवार सुबह से ही अग्निशमन विभाग के कर्मचारी और गोताखोर खोज अभियान चला रहे थे। परिवार का आरोप है कि एक फाइनेंस कंपनी द्वारा उत्पीड़न के कारण पुष्पलता ने तुंगभद्रा नदी में कूदकर अपनी जान दे दी।

पुष्पलता हावेरी जिले के रत्तीहल्ली तालुक के तुम्मिनकट्टी गांव में सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत थी।

सीसीटीवी फुटेज में नदी में कूदने से पहले वह राघवेंद्र मठ के पास बैठी हुई दिखाई दे रही थी। पुष्पलता के पति हलेश ने संवाददाताओं को बताया हमने घर बनाने के लिए एक फाइनेंस कंपनी से 40 लाख रुपये और निजी ऋणदाताओं से 20 लाख रुपये का ऋण लिया था। फाइनेंस कंपनी बार-बार घर और स्कूल जाकर ऋण चुकाने के लिए दबाव बना रही थी, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि फाइनेंस कंपनी ने 20 दिन पहले होन्नाली पुलिस स्टेशन में दंपत्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि जब वे ऋण वसूली के लिए घर गए थे, तो उनके साथ मारपीट की गई थी। दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद फाइनेंस कंपनी ने शिकायत वापस ले ली। दंपत्ति ऋण के बोझ से बचने के लिए अपना घर बेचने पर भी विचार कर रहे थे। हलेश की शिकायत के आधार पर होन्नाली पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था।

माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न को रोकने के लिए दिशानिर्देश: बी. दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने मंगलवार को कहा कि शहर में माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न के संबंध में अब तक कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है, और यदि कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न के संबंध में सरकारी स्तर पर दो दौर की बैठकें पहले ही हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस संबंध में कुछ दिशा-निर्देश लागू करने के निर्देश जारी किए हैं और सरकार के निर्देशानुसार ही इन्हें लागू किया जाएगा। राज्य के विभिन्न जिलों से माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर में अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि हमने अधिकारियों की बैठक कर ली है और उन्हें निर्देश दिया है कि यदि कोई शिकायत मिलती है तो तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई माइक्रोफाइनेंस संस्था आपको परेशान करती है तो आप तुरंत 112 पर कॉल करें या नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं, कार्रवाई की जाएगी।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा अगर शिकायत दर्ज की जाती है तो मीटर ब्याज अधिक वसूलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त ने बताया कि हमें इस संबंध में पहले ही कुछ शिकायतें मिल चुकी हैं और हमने उनके खिलाफ कार्रवाई की है। राममूर्ति नगर थाना क्षेत्र में बांग्लादेशी महिला के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले की जांच जारी है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन विशेष टीमें गठित की गई हैं और ये सभी टीमें अलग-अलग दृष्टिकोण से जांच कर रही हैं। आयुक्त ने कहा कि वैज्ञानिक और तकनीकी साधनों का उपयोग करके आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी ली जा रही है।

रिश्वत के आरोप में ट्रैफिक इंस्पेक्टर और कांस्टेबल गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकायुक्त पुलिस ने एक व्यक्ति के वाहन को अदालत के आदेश के अनुसार छोड़ने के लिए 3,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में मेंगलूरु उत्तर ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर मोहम्मद शरीफ और पुलिस कांस्टेबल प्रवीण नायका को गिरफ्तार किया है। अदालत ने पुलिस हिरासत में रखे गए स्कूटर को छोड़ने का आदेश दिया था। शिकायतकर्ता ने स्कूटर को छोड़ने के लिए इंस्पेक्टर मोहम्मद शरीफ से संपर्क किया था। शरीफ ने स्कूटर को छोड़ने के लिए 5,000 रुपये की रिश्वत मांगी। जब राशि कम करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने शिकायतकर्ता को स्टेशन पर हैड कांस्टेबल नागरत्ना से मिलने के लिए कहा। जब वह उससे मिला, तो उसने मौखिक रूप से शिकायतकर्ता को गाली दी और 3,000 रुपये की रिश्वत मांगी। रिश्वत देने के लिए तैयार नहीं होने पर उसने लोकायुक्त पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस उपाधीक्षक गण कुमार के नेतृत्व में लोकायुक्त पुलिस टीम ने प्रवीण नायका को मोहम्मद शरीफ के निर्देश पर 3,000 रुपये की रिश्वत लेते समय पकड़ा। नाइका और मोहम्मद शरीफ को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई जिला लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक (प्रभारी) नंदिनी बीएन, डीएसपी गण पी कुमार, इंस्पेक्टर अमानुल्ला ए, चंद्रशेखर केएन और उडुपी स्टेशन इंस्पेक्टर मंजूनाथ व अन्य द्वारा की गई।

दिनदहाड़े कार पर चली गोलियां, युवक की मौत

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के टिकोटा तालुक के अराकेरी गांव में मनावरा डोड्डी के पास मंगलवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने एक कार पर फायरिंग कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। मृतक की पहचान सतीश राठौड़ के रूप में हुई है और आरोप है कि रमेश चव्हाण और अन्य ने सतीश की कार पर फायरिंग की। जिला पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबर्गी ने घटनास्थल का दौरा कर निरीक्षण किया और विजयपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मारे गए सतीश के पिता प्रेम सिंह ने आरोप लगाया है कि युवती की शादी के सिलसिले में यह कृत्य किया गया। सतीश राठौड़ ने गुरु हिरिया की मौजूदगी में रमेश चव्हाण की बेटी से शादी करने के लिए कहा था। डेढ़ साल पहले सतीश ने रमेश की बेटी को प्रपोज किया था।

लेकिन रमेश ने साफ कह दिया था कि वह अपनी बेटी को सतीश को नहीं देगा। इसके बाद एक साल पहले रमेश की बेटी ने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। रमेश और उसके साथी इस बात से नाराज थे कि सतीश उनकी बेटी की मौत के लिए जिम्मेदार है।

सतीश के पिता प्रेम सिंह ने आरोप लगाया है कि उन्होंने गुस्से में आकर सतीश की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीएम सिद्धरामैया का आदेश

कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं के खिलाफ सभी मामले लिए जाएंगे वापस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने घोषणा की कि भाषा के लिए संघर्ष के दौरान कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस ले लिए जाएंगे। सिद्धरामैया ने राज्य की पिछली भाजपा सरकार पर कर्नाटक के गठन के स्वर्ण जयंती समारोह को जानबूझकर नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक राज्य को पहले मैसूरु राज्य के नाम से जाना जाता था, लेकिन 1973 में इसका नाम बदल दिया गया। जब देवराज उर्स मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने मैसूरु राज्य का नाम बदलकर कर्नाटक कर दिया था। भले ही 2023 में नाम की 50वीं वर्षगांठ थी, लेकिन तत्कालीन भाजपा सरकार ने जानबूझकर स्वर्ण जयंती को छोड़ दिया था। भले ही हम एक साल देरी से सत्ता में आए, लेकिन हमने कर्नाटक की स्वर्ण जयंती शुरू करने और इसे पूरे साल मनाने का फैसला किया। यह कन्नड़ भाषा और संस्कृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। राज्य में हर किसी को कन्नड़ भाषा, संस्कृति और कला पर गर्व की भावना विकसित करनी चाहिए। तभी कन्नड़ एक संप्रभु भाषा बन पाएगी। उन्होंने आगे राज्य के लोगों से कन्नड़ का उपयोग करने, उसे विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने कहा हमें सभी भाषाओं से प्यार करना चाहिए। हमें कन्नड़ का उपयोग, संवर्धन और प्रचार करना चाहिए। हमें अपने भाइयों और अन्य वक्ताओं के साथ कन्नड़ में बोलने और बातचीत करने की संस्कृति का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा हमें किसी अन्य भाषा में गलत तरीके से बोलने के बजाय अपनी भाषा बोलनी चाहिए। सभी पड़ोसी राज्यों में, उस राज्य के लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा संप्रभु है। हमें अपने देश में भी ऐसा ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कन्नड़ एकीकरण आंदोलन की इच्छा थी कि एक भाषा बोलने वाले लोग एक प्रशासन के अधीन हों। इस इच्छा को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री विधान सौधा के परिसर में आयोजित माता भुवनेश्वरी देवी की कांस्य प्रतिमा के अनावरण समारोह में बोल रहे थे।

पुलिस ने पैरों में गोली मार कर हत्या के तीन आरोपी को किया गिरफ्तार

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। लिंगराज नगर में गोल्डन हाइट्स बार एंड रेस्टोरेंट के बेसमेंट में 24 वर्षीय आकाश वाल्मीकि की हत्या करने के बाद भागने की कोशिश कर रहे तीन लोगों को मंगलवार को हुब्बल्ली में विद्यानगर पुलिस ने पैर में गोली मार दी। आरोपियों आनंदनगर के येलप्पा, विनोदा और अभिषेक, के पैरों में पांच गोलियां लगीं और उन्हें इलाज के लिए केएमसी-आरआई ले जाया गया। मुठभेड़ के दौरान चार पुलिसकर्मी घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, सोमवार की रात को आकाश वाल्मीकि की तीन लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते बेरहमी से हत्या कर दी थी। इसके बाद विद्यानगर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और वाल्मीकि के शव को केएमसी-आरआई ले जाकर मामला दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश में जाल बिछा दिया। हुब्बल्ली-धारवाड़ के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने कहा कि आरोपियों के ठिकाने के बारे में सुराग मिलने के बाद पुलिस उन्हें एमटीएस कॉलोनी से पकड़ने गई थी। हालांकि, आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। विद्यानगर पीएसआई श्रीमंथा हुनासिकट्टी और कामारीपेट पीएसआई सुनील एम ने हवा में गोली चलाई और फिर तीनों आरोपियों के पैरों पर गोली चलाई।

यूसीसी माताओं-बहनों के गरिमापूर्ण जीवन का बनेगा आधार : पीएम मोदी

देहरादून, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में मंगलवार को 38वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए राज्य की धामी सरकार की तारीफ की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया कह रही है कि 21वीं सदी भारत की सदी है। बाबा केदारनाथ के दर्शन करने के बाद मेरे मुंह से और दिल से अचानक ही निकला था कि यह दशक उत्तराखंड का दशक है।

मुझे खुशी हो रही है कि उत्तराखंड तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य बना है जिसने यूसीसी लागू की है। मैं कभी-कभी इसे सेकुलर सिविल कोड भी कहता हूं।

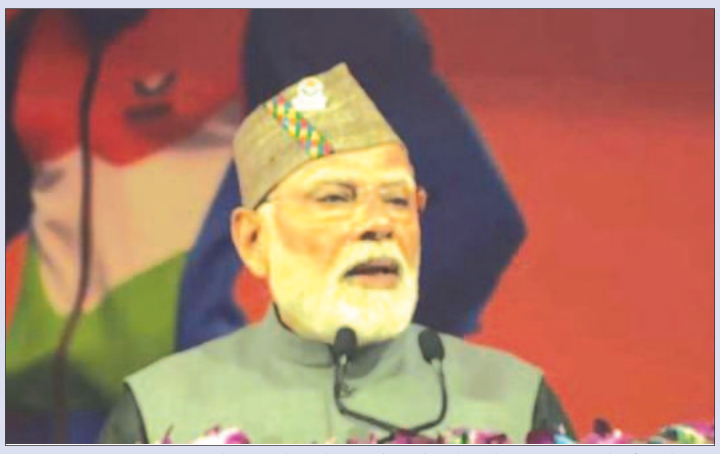

यूसीसी हमारी माताओं-बहनों के गरिमापूर्ण जीवन का आधार बनेगी। साथ ही लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना को मजबूती मिलेगी।

पीएम मोदी ने कहा, आज जब मैं यहां खेल के क्षेत्र में खड़ा हूं, तो मैं इसे भी इसी से जोड़ता हूं। खेल एक तरह से सभी तरह की विभाजन की भावनाओं को खत्म करता है। हर जीत और हर पदक के पीछे सामूहिक प्रयास का मंत्र होता है। स्पोर्ट्स से हमें टीम भावना के साथ खेलने की प्रेरणा मिलती है। यही भावना यूसीसी की है - किसी से कोई भेदभाव नहीं, सब बराबर हैं। मैं धामी सरकार को इस ऐतिहासिक कदम के लिए बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री ने 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय खेलों में कई स्वदेशी पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया है। इस बार के राष्ट्रीय खेल भी ग्रीन गेम्स हैं। सभी गेंदें और ट्रॉफी ई-कचरे से बनाई गई हैं। जीतने वाले खिलाड़ियों के नाम पर एक पेड़ लगाया जाएगा। मैं सभी खिलाड़ियों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने उत्तराखंड में इस शानदार आयोजन के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में समग्रता और तालमेल पर जोर: नड्डा

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में विभिन्न स्तरों पर तालमेल और समग्रता पर जोर दिया जा रहा है।

श्री नड्डा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि स्वास्थ्य पर केंद्र सरकार का व्यय निरंतर बढ़ता जा रहा है। पिछले 10 वर्षों में इसमें 184 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के कई लक्ष्य समय से पहले हासिल किये जा चुके हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के प्रमुख डा राजीव बहल मौजूद रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि सरकार समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने लिए सभी स्तर पर तालमेल पर जोर दे रही है। पिछले 10 वर्ष में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में समग्र स्वास्थ्य पर बल दिया गया है। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन, टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, इंद्रधनुष मिशन इसका उदाहरण हैं। शिशु मृत्यु दर, मातृ-शिशु मृत्यु दर और प्रजनन दर में गिरावट हुई है।

उन्होंने कहा कि मिशन के अंतर्गत समूह विशेष और क्षेत्र विशेष को लक्षित कर काम किया जा रहा है तथा इसके बेहतर परिणाम सामने आए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार किया गया है तथा इसके लिए धन की कमी नहीं है। इसके अंतर्गत कुशल मानव संसाधन को आवश्यक उपकरणों और प्रशिक्षण से सुसज्जित किया जा रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा को देश के देर दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है। इन सेवाओं की निरंतरता और गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जा रही है। आरोग्य मंदिरों को जीवन शैली से जोड़ा गया है। केंद्र सरकार आरोग्य मंदिरों को मानकों के अनुरूप बनाने के लिए राज्य सरकारों को प्रोत्साहित कर रही है। इनके माध्यम से 113 करोड़ लोगों तक पहुंच गयी है। स्वास्थ्य क्षेत्र में टेली परामर्श ने व्यापक बदलाव किया है। इससे रोगी को उचित उपचार मिल रहा है और चिकित्सकों का समय बचा है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम 748 जिलों में चल रहा है। इससे आम जनता का 16 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई है।

आतिशी और भगवंत ने चुनाव आयोग से मिलकर उठाया यमुना के जहरीले पानी का मुद्दा

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरियाणा द्वारा दिल्ली को मिल रहे जहरीले पानी के मुद्दे पर मंगलवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की। सुश्री आतिशी ने बताया कि चुनाव आयोग ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए समाधान का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग ने भरोसा दिलाया है कि पानी एक संवेदनशील मुद्दा है। वह हरियाणा सरकार का पक्ष सुनने के बाद दिल्लीवासियों के हित में निर्णय लेंगे। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग एक संयुक्त टीम बनाए, जिसमें हरियाणा और दिल्ली सरकार के इंजीनियरों के साथ-साथ चुनाव आयोग के प्रतिनिधि भी शामिल हों। यह टीम हरियाणा में पानी छोड़े जाने की जगह और दिल्ली में इसके प्रवेश बिंदु पर अमोनिया स्तर की जांच करे।

श्री मान ने कहा, चुनाव के समय यह कहना कि पानी तभी मिलेगा, जब भाजपा की सरकार आएगी या भाजपा को वोट दोगे, यह बिल्कुल गलत है। पानी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इस पानी का संबंध पंजाब से भी है। हिमाचल प्रदेश से पंजाब में पानी आता है और हम हरियाणा में पानी भेजते हैं। हमने कभी भी पंजाब से पानी कम नहीं किया। हरियाणा का जितना पानी बनता है हम उन्हें उतना पानी देते हैं। अगर प्रदूषित पानी वजीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पर आता है तो चुनाव आयोग ने कहा है कि उस पानी का टेस्ट करवाएंगे कि हरियाणा जहां से पानी छोड़ रहा है वहां पर अमोनिया का लेवल कितना है और वजीराबाद में अमोनिया का लेवल क्या है। हमने चुनाव आयोग से कहा कि बिल्कुल इसकी जांच करवाइए और पिछले साल का डेटा भी जाँच कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, हमने मांग की है कि हरियाणा सरकार प्रदूषित पानी यमुना में डालना बंद कर दे या फिर दिल्ली को मुनक नहर से अतिरिक्त पानी दें ताकि दिल्ली में भाजपा इसको एक मुद्दे की तरह ना बनाए।

पत्रकारिता को निष्पक्ष-प्रासंगिक और समाजोपयोगी बनाए रखना चुनौती : केंद्रीय मंत्री

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जयपुर में आयोजित माणक अलंकरण समारोह में पत्रकारिता के बदलते संदर्भों और उसकी चुनौतियों पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि एक मिशन है। इस दौरान उन्होंने कर्पूरचंद कुलिश की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि ऐसे पत्रकारों को सम्मानित करना आवश्यक है, जिन्होंने पत्रकारिता को समाजोपयोगी बनाए रखने का प्रयास किया।

प्रतिष्ठित माणक अलंकरण पुरस्कार समारोह जयपुर में झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस समारोह में वर्ष 2022, 2023 व 2024 के माणक अलंकरण से पत्रकारों व जनसंपर्ककर्मियों को सम्मानित किया गया।

बतौर मुख्य अतिथि शेखावत ने कहा कि राजस्थानी भाषा का जिक्र यदि इस समारोह में नहीं होगा, तो इसे पूर्ण नहीं कहा जा सकता। उन्होंने उन पत्रकारों का आभार प्रकट किया, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज के आधुनिक भारत तक अपनी लेखनी के जरिए समाज को दिशा दी। इमरजेंसी के दौरान पत्रकारों

द्वारा निभाई गई साहसी भूमिका को याद करते हुए उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी पत्रकारिता ने सत्य के मार्ग को नहीं छोड़ा।

मंत्री ने मीडिया के बदलते स्वरूप पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि 24 घंटे वाले चैनलों के आने से समाचार और मनोरंजन के बीच की रेखा धुंधली हो गई है। उन्होंने मुंबई हमले जैसे उदाहरणों का हवाला देते हुए कहा कि खबरों को सनसनीखेज बनाने की प्रवृत्ति ने समाज में गलत प्रभाव डाला है। सोशल मीडिया के जमाने में घटनाओं का चीर-हरण करने की आजादी ने पत्रकारों के कर्तव्य को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

शेखावत ने कहा कि आज भी लोगों का भरोसा प्रिंट मीडिया पर है, लेकिन इसमें भी दरबारी और सरकारी पत्रकारिता के बढ़ते चलन ने इसे चुनौतीपूर्ण बना दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पत्रकारों को स्वतंत्रता और सत्य का पालन करना होगा, ताकि पत्रकारिता समाज के लिए प्रासंगिक और उपयोगी बनी रहे।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने भारत की प्राचीन धरोहर, योग और आयुर्वेद का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भारत का हर क्षेत्र वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त कर रहा है। ऐसे समय में पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे कलम की स्वतंत्रता को बनाए रखें और समाज को सही दिशा दें।उन्होंने समारोह में उपस्थित पत्रकारों और बुद्धिजीवियों को यह संदेश दिया कि देश में बदलाव की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में जिम्मेदार नागरिकों के रूप में पत्रकारों को अपनी भूमिका पूरी निष्ठा से निभानी होगी।

शेखावत ने कहा कि इस अवसर पर हमें यह विचार करना चाहिए कि पत्रकारिता कैसे समाजोपयोगी बनी रहे और इसका दायरा समय के साथ और व्यापक हो। उन्होंने कहा, कलम की ताकत ही समाज को सही दिशा दिखा सकती है, लेकिन इसे जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ निभाना ही सच्चे पत्रकार की पहचान है।

इस अवसर पर संपादक एवं विधायक गोपाल शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि चार दशक पहले माणक अलंकरण का महत्व बहुत बड़ा था। उन्होंने 1989 में माणक अलंकरण प्राप्त करने के समय के प्रसंगों को याद किया, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत ने जयपुर प्रेस क्लब की घोषणा की थी। यह घटना माणक अलंकरण की प्रतिष्ठा को रेखांकित करती है।

पद्मश्री सीपी देवल ने समारोह में राजस्थानी भाषा में अपनी बात रखते हुए भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की पुरजोर वकालात की। उन्होंने कहा कि भाषा हमारी संस्कृति और धरोहरों को संरक्षित रखने का माध्यम है। उन्होंने भरतपुर और बूंदी के गीतों की प्रासंगिकता का उल्लेख करते हुए धरोहरों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने वर्तमान समय में प्रेस की स्वतंत्रता में गिरावट पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिना विज्ञापन के समाचार पत्रों का संचालन मुश्किल हो गया है, और प्रेस और विपक्ष का रिश्ता समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने पत्रकारिता की नैतिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि पत्रकारों को सामाजिक और राजनीतिक पतन रोकने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. सुधि राजीव ने माणक अलंकरण की परंपरा और संघर्ष को सलाम किया। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने का संघर्ष अब भी जारी है। कुलपति ने पत्रकारिता विश्वविद्यालय में राजस्थानी भाषा पत्रकारिता पाठ्यक्रम शुरू करने की बात कही। 44 वर्षों से माणक अलंकरण को जारी रखना अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

स्वागत उद्बोधन में जलतेदीप के प्रबंध संपादक पदम मेहता ने राजस्थानी भाषा और संस्कृति के प्रति अपनी निष्ठा को साझा किया। राजस्थानी में मेहमानों का स्वागत करते हुए उन्होंने 44 सालों की माणक अलंकरण यात्रा के बारे में बताया, जो इस भाषा और इसके संघर्षों के लिए समर्पित रही। इस अवसर पर उन्होंने राजस्थानी भाषा के उत्थान के लिए किए गए संघर्षों की जानकारी दी, जिसमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के स्टूडेंट लिडरशिप के दौरान किए गए धरने की भी याद ताजा की।

यह समारोह पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, भाषायी संरक्षण और प्रेस की स्वतंत्रता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा का सजीव उदाहरण रहा। माणक अलंकरण न केवल पत्रकारिता में उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारियों की ओर भी एक कदम है।

पॉल ने राष्ट्रपति ट्रम्प से की अवैध भारतीय नागरिकों के निर्वासन पर रोक लगाने की अपील

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वैश्विक शांति दूत एवं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थक डॉ. के. ए. पॉल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से उनके देश में रह रहे अवैध भारतीय प्रवासी नागरिकों की निर्वासन प्रक्रिया को रोकने और उन्हें समर्थन देने की अपील की है।

डॉ. पॉल ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उन्होंने श्री ट्रम्प को इस बाबत एक पत्र लिखा है, जिसमें उनसे अवैध प्रवासी भारतीयों के निर्वासन प्रक्रिया को रोकने और इन भारतीयों को मदद करने की अपील की है।

उन्होंने अमेरिका में भारतीय प्रवासियों, वीज़ा धारकों (एच1, बी1, बी2) और अवैध कामकाजी श्रमिकों को आश्वस्त किया कि ट्रम्प प्रशासन से उन्हें किसी प्रकार की नीति परिवर्तन से चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने श्री ट्रम्प से लगभग 8,00,000 अवैध भारतीय श्रमिकों के योगदान को

जानने और उनकी सुरक्षा के लिये ठोस कदम उठाने का अनुरोध किया, जो कि अमेरिकी समाज और अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा हैं।

उन्होंने वैश्विक दृष्टिकोण पर भारत के रणनीतिक महत्व को स्पष्ट किया, विशेष रूप से उन्होंने चीन, उत्तर कोरिया और ईरान से उत्पन्न होने वाले खतरों का मुकाबला करने में भारत की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय मतदाता पेनसिलवेनिया, मिशिगन, विस्कॉन्सिन और उत्तर कैरोलिना जैसे राज्यों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं, जिससे भारत का महत्व अमेरिकी चुनावों और विदेश नीति में और बढ़ जाता है। इसके साथ ही उन्होंने किसी भी प्रकार के जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करने के प्रयासों का विरोध करते हुये श्री ट्रम्प को याद दिलाया कि अमेरिकी संविधान में कानूनी प्रवासी और उनके परिवारों के अधिकारों की रक्षा की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, श्री ट्रम्प को भारत की जरूरत है और भारत को श्री ट्रम्प की। अब समय है कि आप उन भारतीयों के विश्वास को कायम रखें, जो हमेशा आपके पक्ष में खड़े रहे हैं।

डॉ. पॉल ने सात महत्वपूर्ण राज्यों में भारतीय मतदाताओं के प्रभाव और रिपब्लिकन पार्टी को उनके द्वारा दिये गये समर्थन को रेखांकित किया, जो 2016 और 2024 के राष्ट्रपति चुनावों में श्री ट्रम्प के लिये सक्रिय रूप से प्रचार कर चुके हैं।

इसके साथ ही डॉ. पॉल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कूटनीतिक कदम उठाने और विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने की मांग की।

डॉ. पॉल ने अमेरिका में भारतीय प्रवासी समुदाय से अपील की कि वे निराश न हों, वे श्री ट्रम्प से समर्थन की मांग करें और प्रवासी अधिकारों के लिये उनकी मुहिम में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने अमेरिकी शहर लॉस एंजिल्स और वॉशिंगटन डीसी में एक बड़ा आयोजन करने की भी घोषणा की, ताकि भारतीय समुदाय एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिये आवाज उठा सके।

उन्होंने कहा, हम इस प्रक्रिया में विफल नहीं होंगे। उम्मीद ने खोयें। प्रार्थना करें और एक साथ खड़े रहें और अंततः हम सफल होंगे।

आप-दा के कुशासन-भ्रष्टाचार के अंधकार से निकलने का एकमात्र विकल्प भाजपा है: शाह

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा प्रहार किया और कहा कि दिल्ली को आप-दा के कुशासन और भ्रष्टाचार के अंधकार से निकलने का एकमात्र विकल्प भाजपा है।

श्री शाह ने राष्ट्रीय राजधानी के कस्तूरबा नगर क्षेत्र और कालकाजी विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली को आप-दा के कुशासन तथा भ्रष्टाचार के अंधकार से निकलने का एकमात्र विकल्प भाजपा है। उन्होंने कहा कि पांच फरवरी को दिल्ली वालों के लिये श्री केजरीवाल की आप-दा से मुक्त होने का बहुत बड़ा मौका है। उन्होंने कहा, पांच फरवरी को कमल का बटन दबाइये और श्री केजरीवाल की आप-दा से हमेशा के लिये मुक्ति पाइये। श्री केजरीवाल की सरकार झूठ, फरेब, वादाखिलाफी और भ्रष्टाचार की सरकार है।

उन्होंने कहा कि कल श्री केजरीवाल ने जल बोर्ड की रिपोर्ट का हवाला देकर एक बयान दिया था कि दिल्ली में जो यमुना का पानी आता है, उसमें हरियाणा सरकार ने जहर मिलाया है, जबकि जल बोर्ड वालों ने कहा कि श्री केजरीवाल झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा, केजरीवाल जी, आपके पास जल बोर्ड की जो

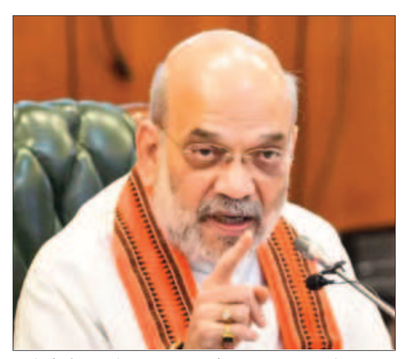

रिपोर्ट है, उसे कल सार्वजनिक कीजिये, हम जिम्मेदारी लेंगे।

इस दौरान उन्होंने श्री केजरीवाल से सवाल किया, आपने कहा कि जहर मिलाया है, तो किस तरह का जहर मिला है। उस जहर का नाम तो बताइये। दिल्ली की जनता जानना चाहती है और आपने कहा कि पानी रोक दिया, इस वजह से दिल्ली वालों की जान बच गयी। केजरीवाल जी पानी रोकने वाला वह ऑर्डर तो बताइये जरा।

उन्होंने कहा कि अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान इन्होंने (केजरीवाल) कहा था कि हम राजनीतिक लोग नहीं हैं, हम राजनीतिक पार्टी नहीं बनायेंगे, लेकिन इन्होंने पार्टी बनायी। इन्होंने कहा था कि हम कांग्रेस पार्टी का समर्थन नहीं लेंगे, कांग्रेस का समर्थन लिया। इन्होंने कहा था कि हम सिक्योरिटी, गाड़ी और बंगला नहीं लेंगे, इन्होंने सिक्योरिटी ली, गाड़ी ली और करोड़ों रुपये का शीश महल बनवाया।

उन्होंने कहा, श्री केजरीवाल ने कहा था कि हम भ्रष्टाचार नहीं करेंगे, इन्होंने हजारों करोड़ रुपये का शराब घोटाला किया। मंदिर, गुरुद्वारा, स्कूल सबके सामने शराब की दुकानें खोलीं, जेल गये। जलबोर्ड घोटाला, राशन घोटाला, डीटीसी बस घोटाला, क्लास रूम घोटाला किया और खुद के लिये करोड़ों रुपये का शीश महल बनवाया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने श्री खरगे पर हमला बोलते हुये कहा, अभी कल मैंने महाकुंभ में गंगा की डुबकी लगाई, लेकिन डुबकी मैंने लगाई और ठंड खरगे जी को लग गयी। वह कह रहे हैं कि गंगा में डुबकी लगाने से गरीबों का भला नहीं होगा। खड़गे साहब, आपने पूरा जीवन डुबकी नहीं लगाई, लेकिन आपने गरीबों का क्या भला किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा इस देश की परंपरा और आस्था में विश्वास करती है, इसलिये भव्य करतारपुर साहिब कॉरिडोर भी बनता है और महाकुंभ का मेला भी लगता है।

उन्होंने कहा कि साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गंगा में डुबकी लगाई और देश के करोड़ों गरीबों को गैस कनेक्शन, शौचालय, बिजली, मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज समेत सारी सुविधायें दीं, लेकिन कांग्रेस पार्टी हमेशा सनातन धर्म का अपमान करती है। उन्होंने कहा, खरगे साहब, आपको सनातन धर्म में श्रद्धा नहीं है, तो कोई बात नहीं, लेकिन करोड़ों सनातनियों का मजाक मत उड़ाइये।

गौरतलब है कि भाजपा ने कस्तूरबा नगर विधानसभा सीट पर नीरज बसोया और कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के पार्टी के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को चुनावी समर में उतारा है।

10 करोड़ श्रद्धालुओं पर 25 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों से होगी पुष्प वर्षा

मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर्व पर होगी पुष्प वर्षा

महाकुंभ नगर, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 में मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर योगी सरकार ने श्रद्धालुओं के अनुभव को यादगार बनाने के लिए विशेष तैयारी की है। इस अमृत स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं पर आसमान से गुलाब की पंखुड़ियों से पुष्प वर्षा की जाएगी।

अनुमान जताया जा रहा है कि मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ श्रद्धालु अमृत स्नान करेंगे। पुष्प वर्षा का यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए अद्वितीय अनुभव और उत्साह का संचार करेगा और श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और उत्साह को नई ऊंचाई देगा। श्रद्धालु इस अनोखे अनुभव को देखने और महसूस करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मौनी अमावस्या के इस पावन पर्व पर 10 करोड़ श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की जाएगी। इसके लिए लगभग 25 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की व्यवस्था की गई है। उपनिदेशक उद्यान, प्रयागराज मंडल कृष्ण मोहन चौधरी ने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए 5 क्विंटल अतिरिक्त गुलाब की पंखुड़ियां भी तैयार रखी गई हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर पुष्प वर्षा की संख्या को बढ़ाया जा सके।

महाकुंभ में पुष्प वर्षा के प्रभारी उद्यान वीके सिंह ने बताया कि पूरे आयोजन के दौरान सभी घाटों पर दिनभर 5 से 6 राउंड पुष्प वर्षा की जाएगी। पहले राउंड का आयोजन सुबह 6:30 बजे से 7 बजे के बीच शुरू होगा।

इसके तहत, श्रद्धालुओं पर आकाश से पुष्प वर्षा की जाएगी। यह नजारा न केवल श्रद्धालुओं के लिए अद्वितीय होगा, बल्कि महाकुंभ की दिव्यता को और बढ़ाएगा। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ को देखते हुए पुष्प वर्षा की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। हर राउंड के लिए गुलाब की पंखुड़ियों को अलग-अलग व्यवस्थित रूप से रखा गया है।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने इस विशेष आयोजन के जरिए मौनी अमावस्या पर आने वाले श्रद्धालुओं को एक नया अनुभव देने की कोशिश है। पुष्प वर्षा के जरिए श्रद्धालुओं को सम्मानित और स्वागत करते हुए उन्हें धार्मिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर माहौल प्रदान किया जाएगा।

मौनी अमावस्या में श्रद्धालुओं की देखभाल करेगी मेडिकल फोर्स

300 स्पेशलिस्ट डॉक्टर सुपर स्पेशल हॉस्पिटल में तैनात

महाकुंभनगर, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर महाकुंभनगर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यूपी सरकार ने 1000 से अधिक मेडिकल फोर्स की तैनाती की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेले के हर सेक्टर में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसमें माइनर ऑपरेशन से लेकर मेजर सर्जरी तक की व्यवस्था की गई है। महाकुंभनगर में 300 स्पेशलिस्ट डॉक्टर सुपर स्पेशल हॉस्पिटल में तैनात किए गए हैं। ये डॉक्टर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। अब तक 2 लाख से अधिक मरीज यहां के केंद्रीय समेत अन्य अस्पतालों में ओपीडी सेवाओं का लाभ उठा चुके हैं। साथ ही ढाई लाख से अधिक पैथोलॉजी टेस्ट अब तक किए जा चुके हैं।

महाकुंभ मेला के नोडल चिकित्सा स्थापना डॉक्टर गौरव दुबे ने बताया कि देश-विदेश से आ रहे श्रद्धालु महाकुंभनगर में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ सरकार ने मेले को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने के लिए हर संभव कदम उठाया है। यूपी सरकार के सहयोग से मठ, मंदिरों और अखाड़ों के संत भी श्रद्धालुओं की दवा और जांच में मदद कर रहे हैं। ये संत विभिन्न प्रकार के शिविरों का आयोजन कर रहे हैं। जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं को आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक समेत कई प्रकार की चिकित्सा जांच और दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

मौनी अमावस्या पर कलर कोडेड आश्रय स्थलों पर रुकेंगे श्रद्धालु

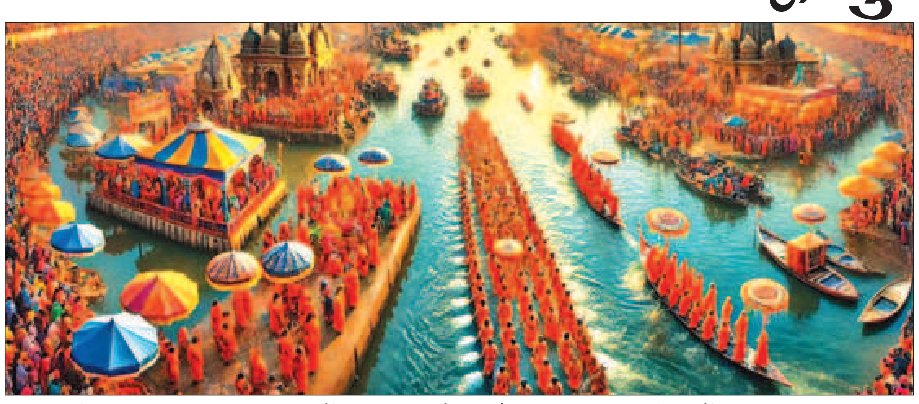

महाकुंभ नगर, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 में मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के लिए देश भर से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज आ रहे हैं। मेला प्राधिकरण का अनुमान है कि मौनी अमावस्या पर्व पर लगभग 10 करोड़ श्रद्धालु पवित्र संगम में स्नान करेंगे।

इस अवसर पर प्रयागराज रेल मंडल ने श्रद्धालुओं की सुगम, सुरक्षित यात्रा और स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष क्राउड मैनेजमेंट प्लान तैयार किया है। तीर्थयात्रियों को उनके गंतव्य स्टेशन के अनुसार दिशावार कलर कोडेड आश्रय स्थलों के माध्यम से प्लेटफार्म पर पहुंचाया जाएगा। सभी आश्रय स्थलों में खानपान के स्टॉल, उद्घोषणा और पूछताछ काउंटर, प्राथमिक चिकित्सा, पेयजल एवं सार्वजनिक शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर्व के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का प्रयागराज में आवागमन हो रहा है। प्रयागराज क्षेत्र में श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए कलर कोडिंग व्यवस्था को लागू किया गया है। प्रयागराज जंक्शन, छिवकी, नैनी जंक्शन एवं सूबेदारगंज स्टेशनों से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य स्टेशन पर भेजने के लिए लाल, नीले, पीली एवं हरे रंग के यात्री आश्रय बनाए गए हैं । कलर कोडिंग व्यवस्था से यात्रियों को आसानी से दिशावार उचित प्लेटफ़ॉर्म से सही ट्रेनों में सरलता-पूर्वक भेजा जाएगा।

प्रयागराज जंक्शन से लखनऊ और वाराणसी की ओर जाने वाले यात्री लाल रंग के आश्रय स्थलों में रोके जाएंगे। जबकि मानिकपुर, सतना और झांसी के लिए पीले रंग और कानपुर जाने वाले यात्री हरे व पं. दीनदयाल उपाध्याय की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं को नीले रंग के आश्रय स्थलों में उद्घोषणा कर उनकी ट्रेन के हिसाब से प्लेटफार्म पर भेजा जाएगा। ताकि स्टेशन परिसर में बिना अफरा-तफरी यात्री सुगमता से सही ट्रेन में पहुंच सकें।

नैनी जंक्शन, छिवकी और सूबेदारगंज स्टेशनों पर भी इसी तरह कलर कोडेडे आश्रय स्थलों का निर्माण किया गया है। इस महाकुंभ में पहली बार प्रयागराज रेल मंडल ने दिशावार कलर टिकट भी जारी किये हैं। ताकि रेलवे और जीआरपी के कर्मी आसानी से तीर्थयात्रियों को सही प्लेटफार्म और ट्रेन तक पहुंचा सकें। इसके अलावा रेलवे प्रशासन ने भीड़ के अतिरिक्त दबाव के प्रबंधन के लिये खुसरोबाग में एक लाख लोगों की क्षमता का होल्डिंग एरिया भी बनाया है। साथ ही सिविल प्रशासन विभिन्न प्रतिबंधों के साथ तय मार्गों से ही तीर्थयात्रियों का आवागमन करा रहा है, ताकि भगदड़ की स्थिति न बनने पाए। श्रद्धालुओं को रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने में अनुमानित समय से अधिक समय लग सकता है, अतः प्रयागराज रेल मंडल ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि प्रयागराज क्षेत्र के स्टेशनों से यात्रा के लिए यात्री अतिरिक्त समय लेकर यात्रा करें।

किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगी यूपी एग्रीज

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

देश में लगभग 45 फीसदी भूमि कृषि योग्य है। इसमें से 75 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि उत्तर प्रदेश में मौजूद है, जो सबसे उपयोगी और उर्वरा भूमि मानी जाती है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश गेहूं, आलू, आम, अमरूद, मटर, मशरूम, तरबूज और शहद आदि के उत्पादन में देश में नंबर एक स्थान पर है। देश में जो सब्जी उत्पादन होता है, उसमें से सब्जी के उत्पादन की 15 प्रतिशत हिस्सेदारी और फल उत्पादन में 11 प्रतिशत की हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश के पास है। उत्तर प्रदेश में जहां देश की 16 से 17 प्रतिशत जनसंख्या उत्तर प्रदेश में निवास करती है, वहीं खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश का योगदान 23 प्रतिशत से अधिक है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश को देश के फूड बास्केट के रूप में जाना जाता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आईजीपी में आयोजित उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपी एग्रीज) प्रोजेक्ट के शुभारंभ पर कहीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में खाद्यान्न का जो निर्यात होता है, उनमें तीसरे स्थान पर यूपी है। ऐसे में यूपी एग्रीज परियोजना प्रदेश के एक्सपोर्ट की संभावनाओं को आगे ले जाने में मील का पत्थर साबित होगा। यह अन्नदाता किसानों और कृषि सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए अच्छी शुरुआत है।

उन्होंने कहा कि चार हजार करोड़ की यूपी एग्रीज परियोजना में से 2,737 करोड़ का लोन विश्व बैंक और 1,166 करोड़ का अंशदान राज्य सरकार ने देने की व्यवस्था की है।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य कृषि और उससे संबंधित सेक्टर को चिन्हित करना, प्रमुख फसलों की उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि, विशिष्ट कृषि उत्पादों, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट और मार्केट सपोर्ट सिस्टम को विकसित करना है, जिससे अन्नदाताओं की आय में वृद्धि कर सके। यह परियोजना इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के लिए नए अभियान को आगे बढ़ने की शुरुआत है।

इसके पहले चरण में यूपी के आठ कमिश्नरी के 28 जनपद चुने गए हैं। यह प्रोजेक्ट 6 वर्ष का होगा। इसकी शुरुआत 2024-25 से प्रारंभ होकर 2029-30 तक यूपी में लागू होगी। ऐसे में एग्रीकल्चर की अभी जो प्रोडक्टिविटी है, इसमें 30 से 35 फीसदी की अतिरिक्त वृद्धि करना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश समग्र विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। इनमें कृषि और उससे संबंधित सेक्टर की प्रगति स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। यह कार्यक्रम उसी अभियान का एक हिस्सा है। इसमें उन्नाव में यूपीडा की इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक क्लस्टर में केमपैक इंडिया द्वारा ग्रीन फील्ड मैन्युफैक्चरिंग इकाई का शिलान्यास कार्यक्रम भी शामिल है। 1300 करोड़ रुपए की लागत का निवेश एसबीआई के तहत प्रदेश में आएगा। इसके अलावा मत्स्य पालन क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए प्रदेश सरकार एवं यूएई के एक्वा ब्रिज के मध्य करीब 4 हजार करोड़ के निवेश का एमओयू हुआ। वहीं डाटा बैंक की उपयोगिता किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन का एक कारक बनेगी।

सीएम ने कहा कि इससे किसान जो अब तक एक एकड़ में 10 क्विंटल पैदावार कर रहा है। इस परियोजना से जुड़ने के बाद अन्नदाता 14 से 15 क्विंटल तक पैदावार करेगा। सीएम ने कहा कि यूपी को कृषि का हब बनाने के लिए जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट तैयार किया जा रहा है। इसका शुभारंभ अप्रैल में होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, मंत्री संजय निषाद, दिनेश प्रताप सिंह, जसवंत सैनी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका एस गर्ग, प्रमुख सचिव एमएसएमई आलोक कुमार आदि उपस्थित थे।

एकता, समता और समरसता के धागे में बंधा महाकुंभ

महाकुंभ नगर, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

तीर्थराज प्रयागराज में संगम तट पर सनातन आस्था और संस्कृति के महापर्व महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। इस महाकुंभ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एकता का महाकुंभ करार दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी विभिन्न मंचों से इस महाकुंभ को सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा समागम बता चुके हैं और इसे चरितार्थ करते हुए उन्होंने इस बार विभिन्न वर्गों एवं संप्रदायों से आने वाले साधु संतों का सम्मान व अभिनंदन कर एक नई पहल और उदाहरण प्रस्तुत किया है। महाकुंभ में आने वाले दिनों में सीएम योगी कई और वर्गों और संप्रदायों से जुड़े संतों को सम्मानित करने वाले हैं। सीएम योगी का स्पष्ट मत है कि मानवता के इस महापर्व में देश के कोने-कोने से, अलग-अलग भाषा, जाति, पंथ, संप्रदाय के धार्मिक संत, संन्यासी और महानुभाव सम्मिलित हो रहे हैं। इन सभी का यहां सम्मान होना चाहिए और उन्हें बिना भेदभाव हर वो सुविधा और व्यवस्था मिलनी चाहिए जो पहले से स्थापित साधु संतों व अखाड़ों को प्राप्त हो रही है। सीएम योगी के निर्देश पर इस बार कई ऐसी संस्थाओं को भी भूमि आवंटित की गई, जो या तो पहली बार सम्मिलित हो रहे हैं या फिर कई वर्ष पूर्व इसका हिस्सा बनते थे, लेकिन किन्हीं कारणों से बीते कुंभ में वो सम्मिलित नहीं हो सके। सीएम योगी की इस पहल की संत समाज में काफी प्रशंसा हो रही है।

प्रयागराज का महाकुंभ विश्व का सबसे बड़ा मानवीय और आध्यात्मिक सम्मेलन है। यूनेस्को ने महाकुंभ को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घोषित किया है। सीएम योगी का मानना है कि महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक विविधता में समायी हुई एकता और समता के मूल्यों का सबसे बड़ा प्रतीक है। यहां सब एक समान हैं। अपने इसी उद्देश्य को संदेश के रूप में आमजन तक पहुंचाने के लिए सीएम योगी ने इस बार हर वर्ग से जुड़े संतों को मंच पर सम्मानित करने की पहल की है। इसी क्रम में सीएम योगी ने 21, 25 और 27 जनवरी को महाकुंभ मेला क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत कर तमाम वर्गों के संतों और संन्यासियों का सम्मान किया। इन संतों और संन्यासियों में बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति, घुमंतू जातियों, उत्तर पूर्व के साथ ही बौद्ध धर्म के विदेशी धार्मिक संत एवं महानुभाव सम्मिलित रहे। आने वाले दिनों में सीएम नानक पंथी, बौद्ध और अनुसूचित जनजातियों के धार्मिक संतों, संन्यासियों और महानुभावों का भी सम्मान करने के लिए महाकुंभ में आएंगे। सीएम योगी का बार-बार प्रयागराज आना इसी का द्योतक है। महाकुंभ की तैयारियों, विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ सीएम योगी विभिन्न वर्गों, संप्रदायों, जातियों से जुड़े संतों से भी भेंट कर रहे हैं। हाल ही में अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा कार्यक्रम में उन्होंने देश के कई राज्यों से आए विभिन्न वर्गों के संतों का शॉल ओढ़ाकर व भेंट देकर स्वागत और सम्मान किया। नाथ अखाड़ा के कार्यक्रम में भी सीएम योगी ने साधु संतों का सत्कार किया और उन्हें अपने हाथों से प्रसाद परोसा और उनके साथ बैठकर खुद भी प्रसाद ग्रहण किया। विहिप के कार्यक्रम में भी उन्होंने देश भर के साधु संतों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उन्हें आश्वासन दिया कि महाकुंभ में उन्हें कोई समस्या नहीं होगी। सोमवार को ही वह सतपाल महाराज के शिविर में संतों और संन्यासियों के बीच पहुंचे और वो भी तब जब लखनऊ रवाना होने के लिए उनका हेलिकॉप्टर तैयार हो चुका था। आने वाले दिनों में सीएम योगी अपने इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए महाकुंभ में और भी दौरे कर सकते हैं।

पीएम मोदी और सीएम योगी ने महाकुंभ को एकता का महाकुंभ बनाने का जो संकल्प लिया है वो अब तक पूरी तरह सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। करोड़ों लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा रहे हैं। श्रद्धालु, समस्त साधु,संन्यासियों का आशीर्वाद ले रहे हैं, मंदिरों में दर्शन कर अन्नक्षेत्र में एक ही पंगत में बैठ कर भण्डारों में खाना खा रहे हैं। महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक विविधता में समायी हुई एकता और समता के मूल्यों का सबसे बड़ा प्रदर्शन स्थल है, जिसे दुनिया भर से आए पर्यटक देखकर आश्चर्यचकित हैं। कैसे अलग-अलग भाषा, रहन-सहन, रीति-रिवाज को मानने वाले एकता के सूत्र में बंधे संगम में स्नान करने चले आते हैं। साधु-संन्यासियों के अखाड़े हों या तीर्थराज के मंदिर और घाट, बिना रोक टोक श्रद्धालु दर्शन,पूजन करने जा रहे हैं। संगम क्षेत्र में चल रहे अनेक अन्न भण्डार सभी भक्तों, श्रद्धालुओं के लिए दिनरात खुले हैं जहां सभी लोंग एक साथ पंगत में बैठ कर भोजन ग्रहण कर रहे हैं। महाकुंभ मेले में भारत कि विविधता इस तरह समरस हो जाती है कि उनमें किसी तरह का भेद कर पाना संभव नहीं है।

स्टाइल बदलने से लग सकते हैं पतले

एक लंबे अर्से बाद आपको कल किसी डेट पर जाना है। सब कुछ अच्छा जा रहा है लेकिन एक ही मुसीबत है। आपका वजन पिछले कुछ महीनों में काफी ज्यादा बढ़ गया है। अब एक दिन में एक्सरसाइज करके आप अपना वजन तो नहीं घटा सकते। तो अब आप क्या करेंगे? एक तरीका है। आप अपने कपड़े पहनने के स्टाइल पर खास ध्यान देकर स्लिम नजर आ सकते हैं।

फिट कपड़े पहने

बहुत से लोग सोचते हैं कि बड़े और ढीले-ढाले कपड़े पहनने से उनकी इस समस्या का हल हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं है। बड़े कपड़े पहनने से आप और ज्यादा भारी-भरकम नजर आ सकते हैं। इसलिए ऐसे कपड़े पहने जो आपको अच्छी तरह से फिट हो। फिट कपड़े पहनने से आप तुलनात्मक रूप से पतले दिखते हैं।

गहरे रंग के कपड़े

काला पहनने से लोग पतले दिखते हैं। ऐसा ऑप्टिकल इल्यूजन की वजह से होता है। इसके साथ ही, काला हर खास मौके पर अच्छा लगता है। एक टाइट फिटिंग की शर्ट के साथ ऊपर से ब्लैक जैकेट या कोट पहनें, और आपकी मुश्किल हल हो जाएगी।

बेल्ट पहनें

बेल्ट पहनें। इसका मतलब ये नहीं है कि आप अपनी तोंद को बेल्ट के सहारे दबाने की कोशिश करें। इसका मतलब सिर्फ ये है कि बेल्ट का इस्तेमाल एसेसरीज के तौर पर करें, ताकि आपकी पैंट अच्छे से फिट रहे। अगर आपका पैंट अच्छे से फिट होगा तो आपकी अपर बॉडी स्लिम दिखेगी।

शर्ट पैंट में टक न करें

शर्ट के बॉटम को लटकने देने से शर्ट आपके प्रॉब्लम एरिया के साथ नहीं चिपकती, जिससे उसकी तरफ ध्यान नहीं जाता। लेकिन अगर आप शर्ट को पैंट में टक कर लेते हैं तो ध्यान आपके पेट और चेस्ट की तरफ सबसे ज्यादा जाता है।

स्ट्रिप्स और भड़कीले रंगों से बचें

आपके अक्सर सुना होगा कि हॉरिजोंटल स्ट्रिप्स से मोटापा छलकता है और वर्टिकल स्ट्रिप्स से व्यक्ति पतला नजर आता है। लेकिन वर्टिकल स्ट्रिप्स से सबका ध्यान आपके शरीर पर ज्यादा जाता है। इसके अलावा, भड़कीले रंग भी सबका ध्यान आकर्षित करते हैं, इसलिए इस तरह के कपड़े पहनने से बचना चाहिए।

पॉश्चर का रखें ख्याल

पॉश्चर एक ऐसी चीज है जो आपके मोटा होने के बावजूद आपको पतला दिखा सकती है और पतला होने पर मोटा। जितना हो सके स्ट्रेट खड़े हों, इससे आप पतले दिखेंगे और अगर हाल ही में आपने कुछ पौंड वजन कम किया है तो आपका आत्मविश्वास देखने लायक होगा।

भरी हुई न हो पॉकेट

अपने कपड़ों की पॉकेट में भारी सेल फोन, ज्यादा भरे हुए वॉलेट और कार की चाबियां न रखें। इससे आपके मिडसेक्शन पर ज्यादा ध्यान जाएगा और आप नहीं चाहेंगे कि ऐसा हो।

फैशन करने में बरतें सावधानियां...

आजकल लड़के खुद को किसी भी चीज में कम आंकने को तैयार नहीं है। जिसके चलते आलम यह है कि वर्तमान समय में पुरुष महिलाओं के साथ फैशन और मेकअप की भी होड़ कर रहे हैं। लेकिन कई बार पुरुष फैशन के चक्कर में कई ऐसी चीजें कर बैठते हैं जिसका भविष्य में उन्हें भारी खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। एक शोध के अनुसार पुरुषों को मॉडर्न फैशन का इस्तेमाल करने से पहले कुछ सावधानियां बरतने की ज्यादा जरुरत होती है। अन्यथा इसके शरीर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। आज हम आपको पुरुषों के फैशन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बता रहे हैं जो वे अक्सर फोलो करते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा करना नहीं चाहिए।

टाइट जींस का फैशन

पहले के समय में पुरुष बेल बॉटम जीन्स पहनते थे। लेकिन आजकल महिलाओं की होड़ में पुरुष भी टाइट और नैरो जींस पहनने लगे हैं। पुरुषों का मानना है कि टाइट जींस में काफी हॉट और स्मार्ट दिखा जा सकता है। जबकि टाइट जींस पहनने से पुरुषों को हेल्थ संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। टाइट जींस से पैरों में ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं हो पाता। जिसके कारण मसल्स डैमेज होने लगते हैं। इसके अलावा पैरों में सूजन की समस्या भी आती है। पुरुषों को पसीना अधिक आता है, इस कारण इंफेक्शन का भी खतरा बर्करार रहता है।

टाइट अंडरगार्मेंट

पुरुषों को टाइट अंडरगार्मेंट का शौक होता है। लेकिन पुरुषों को टाइट अंडरगार्मेंट से परहेज करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि पुरुषों का फ्रंट पार्ट बहुत सेंसिटिव होता है। ऐसे में अगर आप टाइट अंडरगार्मेंट पहनेंगे तो आपके फ्रंट पार्ट को हीट मिलेगी। जिसके चलते स्पर्म काउंट कम होने लगता है। अगर आप बेबी प्लान कर रहे हैं, तो बेहतर होगा की लूज अंडरगार्मेंट के साथ-साथ लूज पैंट पहने।

जबरदस्त टाइट बेल्ट

टाइट बेल्ट पहनना भी पुरुषों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है। टाइट बेल्ट कमर के नर्व सेल्स को बाधित करते हैं। जो पैरों से जुड़े होते हैं। जो लोग अक्सर टाइट बेल्ट पहनते हैं उन लोगों को पैरों में दर्द होने, पैर सुन्न होने और पैरों में खुजली की समस्या हो सकती है। इसलिए बेल्ट हमेशा थोड़ी ढ़ीली पहनें। खाने के बाद खासकर बेल्ट को ढ़ीला कर लें।

टाई पहनना हो सकता है खतरनाक

टाई पहनना भी कई मायनों में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। जो लोग रोजाना 7-8 घंटे टाई पहनते हैं उन्हें स्वास्थ्य रूपी नुकसान हो सकते हैं। टाइट टाई पहनने से आंखों पर गहरा असर पड़ता है। यानि आंखों की रोशनी कमजोर हो सकती है। इतना ही नहीं टाईट टाई पहनने से ग्लूकोमा जैसी बीमारी होने का भी खतरा बना रहता।

बोरिंग लुक से पाएं निजात

युवाओं को कभी-कभी लगता है कि उनमें कोई कमी है। लेकिन कमी आपमें नहीं बल्कि आपके बोरिंग लुक और एटिट्यूड में है। तो परेशान होने की जरुरत नहीं है क्योंकि आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे आसान टिप्स जिससे आप खुद को आकर्षक बना सकते हैं।

कपड़े

अगर आपको बिना बात किए ही महिलाओं का अटेंशन पाना है तो अपने कपड़ों और ड्रेसिंग सेंस पर ज्यादा ध्यान दें। रात को सोने से पहले ही तय कर लें कि कल बाहर जाने से पहले आपको क्या पहनना है। रात में ही अपनी शर्ट को आयरन कर लें, जूतों को पॉलिश और ब्लेज़र को क्लीन कर लें। ये ही छोटी-छोटी चीजे महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

साफ रहें

पर्सनल हाईजीन संबंधी छोटी-छोटी बातें जैसे, अपने नाखूनों को साफ रखें और समय समय पर उनको काटें, हेयर कट भी समय से कराएं और बालों को ठीक से साफ करें और कंघी करके रखें, रोज कपड़े बदलें और डियो लगाएं आदि का ध्यान रखेंगे तो महिलाएं ज्यादा इंप्रेस होंगी।

लिप बाल्म

लिप बाम केवल महिलाओं के इस्तेमाल करने की चीज़ नहीं, अच्छे होंठ वाले पुरुषों से भी महिलाएं काफी इंप्रेस होती हैं। खासतौर पर सर्दियों में होंठ फटना एक आम बात है, इसलिए उनकी देखभाल करना जरुरी हो जाता है। अगर होंठ रुखे हों तो महिलाओं ही नहीं, बाकी लोगों पर भी ये बुरा प्रभाव डालते हैं।

त्वचा का ध्यान रखें

अगर आप सोंचते हैं कि अपने चेहरे को केवल साबुन से धो लेना ही काफी है तो ज़रा एक बार और सोच लें। महिलाओं का भी इस बात पर पूरा ध्यान होता है कि किसी पुरुष की त्वचा कैसी है। यदि आपकी त्वचा साफ और कांतिमय होगी तो वे ज्यादा आकर्षित होंगी। स्क्रबर से स्क्रब कर चेहरे पर चमक आएगी और मृत कोशिकाएं हट जाएगीं।

आभूषण पहने

हम आपको बप्पी दा की तरह अपने आप को सोने से लाद देने के लिये बिल्कुल नहीं कर रहे हैं। लेकिन अगर आप एक अच्छी और पतली सी चेन या उंगली में एक रिंग डाल लेगें तो यह लुक को और थोड़ा बेहतर बना देते हैं। सिंपल, स्मार्ट और सोबर लगने के लिए जरूरी नहीं कि आप बड़ी घड़ी, लेदर कफ या फिर प्लेटिनम रिंग पहने।

दाढ़ी ट्रिम करें

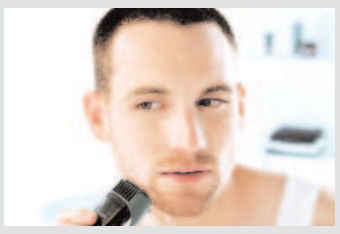

देवदास की तरह दिखने में कोई फायदा नहीं। क्योंकि अगर चेहरे पर असामान्य बड़ी सी दाढ़ी हो तो वो महिलाएं को बिल्कुल नहीं भाती। इसलिए हमेशा ट्रिम करवाते रहें। कभी-कभी साफ चेहरा भी वह सब कर देता है जो पूरी पर्सनैलिटी नहीं कर पाती।

कॉन्फिडेंस रखें

जब भी किसी किसी पार्टी आदि में जाएं और लोगों से मिलें तो पूरे आत्मविश्वास के साथ खड़े हैं और लोगों से बात करते समय भी कॉन्फिडेंट रहें। खुद को रहस्यमयी बनाकर ही आप महिलाओं को आकर्षित कर सकते हैं। किशोरों की तरह टेंशन क्रिएट मत कीजिए, थोड़ा मेच्योंर और रहस्यमयी बनें।

पर्सनेलटी

आपकी चाल, खड़े होने का तरीका, बात करने का ढ़ंग और लोगों के साथ आपका बर्ताव लोगों को बेहद प्रभावित कर सकते हैं। इसलिये अपनी चाल-ढ़ाल और बात करने के तरीके में अंदाज के साथ शालीनता और प्रवाव भी लाएं। ये महिलाओं के बेहद प्रभावित करता है।

बात-बात पर आता है गुस्सा?

इसे भगाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

क्या आप गुस्से में आकर किसी को भी बुरा-भला बोल देते हैं? क्या आपने भी गुस्से में कुछ भी बोलकर अपनों का दिल दुखाया है? या फिर अपने बनते कामों को गुस्से की वजह से खराब किया है? अगर आप इन्हीं में से हैं जिनके गुस्से ने लाइफ की हर चीज़ पर ब्रेक लगा दी है, तो नीचे दिए टिप्स को फॉलो करें. ये टिप्स आपको गुस्सा कंट्रोल करने में मदद करेंगे और बार-बार गुस्सा आने की आदत को रोकेंगे.

1. जब भी आपको गुस्सा आने लगे तो मुंह से कुछ भी बोलने से पहले 10 तक उलटी गिनती गिनना शुरू कर दें.
2. गुस्से में कुछ भी गलत रिएक्ट करने की बजाय एक्सरसाइज़ करने लग जाएं. चलने लगें या फिर सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे दौड़ें. आप इसे कंट्रोल करने के लिए रोज़ाना एक्सरसाइज़ करें. जैसे स्विमिंग या वॉक.
3. तुरंत गुस्सा कंट्रोल करने के लिए लंबी सांसे लें. कुछ अच्छी सीनरी या फोटोज़ देखें. गाना सुनें. योगा करें या फिर कुछ अच्छा पढ़ने लग जाएं.
4. अपने इमोशन को कभी भी कंट्रोल नहीं करना चाहिए. इसीलिए गुस्से में गलत रिएक्ट करने के बजाय किसी ऐसे अपने से बात करें, जो आपको समझे.
5. बोलने से पहले आप क्या बोल रहे हैं उस पर ध्यान देनें की प्रैक्टिस करें. इससे आप धीरे-धीरे गुस्से में जल्दी रिएक्ट करने की आदत को छोड़ देंगे.

जिद्दी दाग हो या अनचाहे बाल, चेहरे की हर समस्या के लिए फायदेमंद है हल्दी

घर की रसोई में मसाले के रूप में प्रयोग की जाने वाली हल्दी काफी फायदेमंद है। हल्दी के प्रयोग से चेहरे पर निखार आता है और स्किन से जुड़ी सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। इतना ही नहीं हल्दी का प्रयोग कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स को बनाने के लिए भी किया जाता है। मार्केट में उपलब्ध होने वाले कई लोशन, क्रीम, मॉइश्चराइज़र, साबुन, फेस पैक में हल्दी का प्रयोग होता है। लेकिन अगर आप हल्दी का प्रयोग इन तरीकों से घर में ही करेंगी तो आपकी सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी। जानिए हल्दी को प्रयोग करने के उपाय...

सनटैन

सनटैन खत्म करने के लिए आधा चम्मच हल्दी पाउडर में एक चम्मच टमाटर का रस और एक चम्मच दही मिलाकर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 30 मिनट बाद धो लें। इन तीनों में विटामिन ष्ट की भरपूर मात्रा होती है, जिससे सनटैन खत्म हो जाएगा।

डार्क सर्कल्स

डार्क सर्कल्स कम के लिए दो चम्मच हल्दी पाउडर में कुछ बूंदे टमाटर का रस और बादाम का तेल मिलाएं। तैयार मिश्रण को आंखों के नीचे लगाकर मसाज करें। ऐसा हफ्ते में दो बार करें।

एक्ने

एक्ने कम करने के लिए हल्दी पाउडर में कुछ बूंदे एलोवेरा जेल की मिलाएं। इसे एक्ने पर 20 से 30 मिनट के लिए लगाएं। इससे फेस का एक्सट्रा ऑयल और गंदगी निकल जाएगी और चेहरा पर रंगत आएगी।

स्किन हाइड्रेशन

स्किन को हाइड्रेट करने के लिए एक चम्मच हल्दी में, एक चम्मच बेसन, चुटकीभर चंदन पाउडर और दूध मिलाकर इसका गाढ़ा पेस्ट बनाएं। इसको लगाने से स्किन मॉइश्चराइज होगी। ऐसा हफ्ते में दो बार करें।

चेहरे के अनचाहे बाल

चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए हल्दी पाउडर, बेसन, नींबू और दही मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर पांच मिनट के लिए लगाएं और अच्छे से मसाज करें। ऐसा हर हफ्ते करें। इससे चेहरे के छोटे-छोट बाल खत्म हो जाएंगे।

रेसिपी

आलू प्याज कचौरी

सामग्री

आटे के लिए: 1 कप: आटा 1 कप: मैदा 1 टीस्पून: अजवाइन 1 टेबलस्पून: तेल स्वादानुसार नमक, पानी स्टफिंग 3 प्याज (बारीक कटे हुए), 4 आलू (उबले हुए) 1 कटी हुई: हरी मिर्च, 2 टीस्पून: सौंफ हरा धनिया (कटा हुआ), आमचूर पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला: 1 टीस्पून, आधा टीस्पून: पुदीना पाउडर 1 कप: मूंग दाल (2 घंटे भिगोकर रखी हुई) जरूरतानुसार: कुकिंग ऑयल

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में आटा,मैदा,अजवाइन,तेल,नमक और पानी मिलाकर गूंथ लें। ध्यान रखें कि यह पतला ना हो और इसे15 मिनट के लिए ढक कर रख दें। अब पैन में तेल डालकर इसमें स्टफिंग की सामग्री हल्की भून लें। एक कड़ाही में कचौरी फ्राई करने के लिए तेल गर्म लें और दूसरी तरफ आटे की लोई बना लें। अब स्टफिंग भरें और लोई को कचौरी का आकार दें और गोल्डन होने तक फ्राई करें। इसे हरी और लाल चटनी के साथ सर्व करें। आप चाहें तो इसे चने या फिर आलू की सब्जी के साथ भी खा सकते हैं।

पालक छोले टिक्की

सामग्री

ब्लैंचहेड पालक: 70 ग्राम हरी मिर्च :2 लहसुन: 4-5 कलियां उबले चने: 200 ग्राम नमक: 1 छोटा चम्मच गर्म मसाला: 2 छोटे चम्मच चाट मसाला: छोटा डेढ़ चम्मच, ब्रेड क्रम्ब्स: 100 ग्राम तेल: फ्राई करने के लिए धनिया: गार्निशिंग के लिए

विधि

एक ब्लेंडर में 70 ग्राम ब्लैंचहेड पालक, 2 हरी मिर्च और 4-5 लहसुन की कलियां डालकर अच्छी तरह से ब्लेंड करें। फिर इसमें 200 ग्राम उबले चने, 1 छोटा चम्मच नमक, 2 छोटे चम्मच डालकर दोबारा ब्लेंड करें। इस मिश्रण को अब एक बाउल में निकालकर इसमें 100 ग्राम ब्रैड क्रम्ब्स मिक्स करें। इसके बाद मिश्रण का कुछ हिस्सा लें और इसे हाथों से गोल करते हुए इसे टिक्की की शेप दे दें। बाकी के मिश्रण को भी ऐसे ही तैयार कर लें। अब एक में पैन में पर्याप्त तेल डालकर गर्म करें और टिक्की को उसमें दोनों तरफ से सुनहरा ब्राउन होने तक फ्राई करें। आपकी पालक छोले टिक्की तैयार है। इसे कैचअप के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

संपादकीय

सुशासन की गश्त

प्रवास के पांव चले मुख्यमंत्री ने जो जमीन तलाशी, उसी के ललाट पर है उम्मीदों की कहानी छिपी। शीतकालीन प्रवास के कई कार्यक्रम थे, लेकिन इससे इतर जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू चले तो यह सुशासन की गश्त बन गई। दरअसल इसी गश्त की जरूरत में पूरा हिमाचल चाहता है कि सरकारें सुशासन के कदमों पर चलें। दूसरी ओर राज्य को अगर अपने पांव पर चलना है तो जनता को भी इसी के साथ चलना होगा। अंततः प्रदेश तभी चलेगा, जब इसके खजाने में अपनी कमाई का प्रसार और फिजूलखर्ची के रिसाव में कमी आएगी। हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली ख्वाहिशें, दिक्कत यह कि परवरदिगार हमारे सपने में भी नहीं आता। इसी असंतुलन की लंबी परछाई को काटने के लिए प्रदेश की मानसिकता बदलनी होगी, वरना मुफ्त की बिजली और कर रहित सुविधाओं की बरसात में हिमाचल का बजट अकालग्रस्त होकर चकनाचूर हो जाएगा। आज विकास का प्रत्येक कदम इतने दलदल लांघ चुका है कि राज्य सरकार केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर के तीस करोड़ भुगतान से पीछा छुड़ा रही है। केंद्रीय संस्थानों की मिट्टी भरते-भरते भी क्या प्रदेश को चूना लग रहा है। तर्क तो यही है कि पहले भूमि अधिग्रहण की कसरतों में पसीना-पसीना होता है, फिर जंगलात महकमे की आबरू में हिमाचल की गैर वन भूमि की रक्षा का कवच उतर जाता है। ऐसे में अपने ही जंगल की जमीन पर पांव रखने की कीमत हिमाचल कब तक भरे, लेकिन प्रदेश को पर्यावरण का ही अभियुक्त बनाने में एक वर्ग खड़ा रहता है। हर तरह की भूमि जंगल नहीं हो सकती, लेकिन हमने मान लिया कि 70 प्रतिशत जमीन पर जंगलात महकमे की बादशाहत रहे और यही बादशाहत हर आर्थिक विकास की आंख की किरकिरी बनी रहती है। हम भले ही पूर्ण राज्यत्व के 55वें वर्ष में प्रवेश कर गए, लेकिन क्या इससे आर्थिक संपूर्णता मिली। यह दीगर है कि पहले पहाड़ पर राज्य का होना विशेषाधिकार प्राप्ति के संसाधन या वित्तीय राहत देता था, लेकिन आज 90 प्रतिशत के बजाय 50:50 की भागीदारी में केंद्र स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाओं में हिमाचल की परीक्षा को कठिन बनाता जा रहा है। कमोबेश यही स्थिति आत्मनिर्भरता के हर कदम पर केंद्र के सख्त पहरे की वजह बनकर हमारी मजबूरियां बढ़ाता रहा। हम केंद्र का सहारा खोजते-खोजते अपने संसाधनों की सही ढंग से पैरवी नहीं कर सके, नतीजतन बीबीएमबी और केंद्रीय विद्युत परियोजनाएं आज तक प्रदेश के संसाधनों की गाढ़ी कमाई खा रही हैं। वाटर सेस के फार्मूले की उधेड़बुन में आर्थिकी सजा पा रही है। हम खुश रहे कि हमने आर्थिक बौनेपन पर कई स्कूल, कालेज, मेडिकल कालेज, विश्वविद्यालय और तकनीकी शिक्षा के संस्थान चढ़ा लिए, लेकिन अब ये संस्थान आर्थिक कब्र साबित हो रहे हैं। अब वक्त आ गया है कि हम अपने पर खुद ही कतर दें। पर कतरने का यथार्थ यह भी कि हमने जरूरत से ज्यादा सरकारी खेत में अनुपयोगी बीज बो दिए और जो अब भयावह कांटों का जंगल बन चुका है। बजट पर बजट और बजट के लिए उधार पर उधार इसलिए चढ़ रहा है क्योंकि सरकारी कर्मचारियों के वेतन भत्ते और पेंशन का भुगतान जी का जंजाल बन चुका है। हमने दो-ढाई हजार डाकबंगले बना लिए तो इनका विनिवेश क्यों न किया जाए। अब दर्जनों के हिसाब से स्कूल और कालेज क्यों न बेकार माने जाएं। अगर किसी जमा दो स्कूल में छात्र सौ या इससे कम संख्या में हों और वहां प्रवक्ताओं और गैर टीचिंग स्टाफ की संख्या बीस के करीब हो, तो लगभग बीस लाख खर्च कर देने से कौन सी उपलब्धि हासिल होगी जबकि परिणाम की सुर्खियों में तो निजी स्कूल ही छाए रहते हैं। इसी तरह अगर निजी निवेश या सार्वजनिक संपत्तियों या संस्थानों के विनिवेश पर तवज्जो दी जाए, तो यह प्रदेश अपने मुफ्त के लंगर समेट सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के कदम धर्मशाला के बाल जमा दो स्कूल तक पहुंचे तो मालूम हो गया कि इस संस्थान की प्रासंगिकता है कितनी कमजोर।

शीतकालीन प्रवास के कई कार्यक्रम थे, लेकिन इससे इतर जब मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू चले तो यह सुशासन की गश्त बन गई। दरअसल इसी गश्त की जरूरत में पूरा हिमाचल चाहता है कि सरकारें सुशासन के कदमों पर चलें। दूसरी ओर राज्य को अगर अपने पांव पर चलना है तो जनता को भी इसी के साथ चलना होगा। अंतत : प्रदेश तभी चलेगा, जब इसके खजाने में अपनी कमाई का प्रसार और फिजूलखर्ची के रिसाव में कमी आएगी। हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली ख्वाहिशें, दिक्कत यह कि परवरदिगार हमारे सपने में भी नहीं आता। इसी असंतुलन की लंबी परछाई को काटने के लिए प्रदेश की मानसिकता बदलनी होगी, वरना मुफ्त की बिजली और कर रहित सुविधाओं की बरसात में हिमाचल का बजट अकालग्रस्त होकर चकनाचूर हो जाएगा। आज विकास का प्रत्येक कदम इतने दलदल लांघ चुका है कि राज्य सरकार केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर के तीस करोड़ भुगतान से पीछा छुड़ा रही है। केंद्रीय संस्थानों की मिट्टी भरते–भरते भी क्या प्रदेश को चूना लग रहा है

सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया

गांवों की खुशहाली मापने के लिए बनाएं नए मानदंड

उमेश चतुर्वेदी

देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे।

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश की पहचान उसके गांव रहे हैं। देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे। लेकिन घरेलू उपयोग और खर्च के ताजा सर्वेक्षण की रिपोर्ट बता रही है कि गांवों की आर्थिक तस्वीर बदलने लगी है।

भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से घरेलू उपयोग और खर्च के लिए कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया है। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी भारत में प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 4,122 रुपये और 6,996 रुपये हो गया है। जबकि पहले यानी 2022 से 2023 के बीच यह खर्च क्रमशः 3,773 रुपये और 6,459 रुपये थाय यानी शहरी और ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति खर्च दर में बड़ा अंतर था। मोटे तौर पर यह आंकड़ा बता रहा है कि हाल के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आर्थिक समृद्धि पहले की तुलना में बढ़ी और उस लिहाज से खर्च भी बढ़ा है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं। शिक्षा के भी बेहतर अवसर गांवों की तुलना में शहरों की ओर बढ़ते गए। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों से सबसे ज्यादा पलायन रोजगार और शिक्षा के लिए हुआ। फिर जिन परिवारों के पास सहूलियतें बढ़ीं, उन परिवारों ने अपनी हैसियत और बजट के लिहाज से मुफीद पाए जाने वाले शहरों की ओर रहने के लिए रूख किया। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण आबादी का जो अनुपात आबादी के

समय था, वह आज बदल चुका है। आजादी के वक्त तकरीबन 80 फीसद से ज्यादा लोग गांवों में रहते थे, अनुमान है कि वह घटते-घटते अब साठ और पैंसठ फीसद के बीच आ गई है। रिकॉर्ड पर ग्रामीण आबादी का इतना बड़ा हिस्सा भले ही गांवों में बसता हो, लेकिन हकीकत यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा शहरों में रोजी-रोटी और शिक्षा के लिए कभी शौकिया तो कभी मजबूरीवश रहने को मजबूर है। इसलिए रिकॉर्ड की तुलना में वास्तविक ग्रामीण आबादी अब और भी कम हो चुकी है।

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार की ओर से तमाम तरह की योजनाएं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चल रहे हैं। मुफ्त खाद्यान्न योजना समेत कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये मुफ्त में मिल रही चीजों की कीमतों को ध्यान में रखें तो घरेलू खर्च के ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हो जाते हैं। मौजूदा कीमतों के संदर्भ में देखें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खर्च पर औसत आठ और नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साल 2011-12 में शहरी और खपत खर्च के बीच 84 प्रतिशत का अंतर था, जो 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया। जो अब 70 फीसद ही रह गया है। इन आंकड़ों से ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खुशहाली की तसवीर सामने आती है। दिलचस्प यह है कि इस आंकड़े में खाने-पीने के अलावा की चीजों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च 60 और 53 प्रतिशत रहा। इसका मतलब साफ है कि अब ग्रामीण इलाकों में भी वाहन, कपड़े, बिस्तर, जूते, मनोरंजन एवं टिकाऊ आदि सामानों पर खर्च बढ़ा है। इससे साफ है कि उपभोक्तावाद ने ग्रामीण इलाकों पर भी जोरदार दस्तक दी है। वैसे ऑनलाइन स्टोर से गांवों में खरीददारी बढ़ी है और उनके डिलीवरी एजेंटों की बाइकें अब ग्रामीण इलाकों का भी खूब चक्कर लगा रही हैं। पिछले साल मई में रिजर्व बैंक ने भी ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत खर्च को लेकर ऐसे ही आंकड़े जारी किए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी और देश की जीडीपी दर मे 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। लेकिन रिजर्व बैंक ने इसी रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते कर्ज को लेकर भी रिपोर्ट जारी की थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में भी कर्ज को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, कर्ज लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कहीं ज्यादा आगे हैं। गांवों में प्रति एक लाख लोगों में 18,714 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोई न कोई कर्ज ले रखा है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा 17,442 प्रति लाख ही है। साफ है कि उपभोक्तावाद ग्रामीण संस्कृति को बदलने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। कर्ज कभी गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द होते थे, इसलिए वहां बचत केंद्रित आर्थिकी पर जोर था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसका मतलब साफ है कि गांवों में खर्च भले ही बढ़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गांवों की तसवीर अभी कम से कम वैसी नहीं हो पाई है, जिस स्तर पर शहरी तसवीर है। गांवों का समृद्ध होना जरूरी है। हाल के दिनों में जनसंख्या को बढ़ाने और न बढ़ाने को लेकर सियासी तौर पर अपने-अपने तर्क दिए जा रहे हैं। इन तर्कों के अपने आधार हो सकते हैं। लेकिन इससे शायद ही कोई इनकार करेगा कि भारत के शहरों की सांस अगर फूल रही है तो इसकी बड़ी वजह उनकी ओर बेतहाशा हो रहा पलायन और उस बड़ी जनसंख्या के लिए इस्तेमाल हो रहे उपभोक्ता वस्तुओं का बड़ा योगदान है। भारत में आबादी बढ़ाने की जगह आबादी के समन्वित और संतुलित वितरण की जरूरत ज्यादा है। ग्रामीण इलाकों में आबादी को रोकने की कोशिश होनी चाहिए।

दृष्टि कोण

गांधी जी का बहुआयामी व्यक्तित्व

गांधी के व्यक्तित्व का सम्यक आकलन करना आसान नहीं है। गांधी एक आम साधारण इनसान, जो घर में छोटी मोटी चोरी भी बाल सहज क्रीड़ा में कर लेता। अपनी मां से प्राप्त धार्मिक संस्कारों को भी लगन से मानने वाला। लेकिन सच का आग्रही। जब विद्यालय में निरीक्षण के लिए आए बड़े अफसर के सामने अपना परीक्षा परिणाम अच्छा दिखने की होड़ में अध्यापक द्वारा कुछ नकल मार कर परीक्षा पत्र में सुधार का इशारा किया तो उसी गांधी ने उसे चुपचाप मानने से इंकार कर दिया। एक छोटी रियासत के वजीर का बेटा जिसे बैरिस्टर बनने के लिए इंग्लैंड भेजा गया। वो बैरिस्टर बना और अफ्रीका में एक कंपनी की वकालत करने के लिए गया। जहां देखा कि वहां की गोरी सरकार रंगभेद से इस तरह पीड़ित है कि ट्रेन में काला आदमी प्रथम दर्जे में सफर भी न कर सके। वकालत तो अपनी जगह थी ही, किन्तु वह चुप नहीं बैठा और रंगभेद के खिलाफ वहां की गोरी सरकार से भिड़ गया। और भिडंत भी ऐसी जो अभूतपूर्व थी। सत्याग्रही भिड़ंत। और उससे सफलताएं हासिल कीं। वकालत शुरू की तो तय किया कि झूठ की वकालत नहीं करूंगा। केस सच्चा होना चाहिए, तो जी-जान लगा कर लड़ा। धीरे धीरे वहां के जजों को भी पता लग गया कि गांधी झूठे केस नहीं लड़ता, तो एक बार अच्छे खासे पैसे देने वाले मुवक्किल का केस, यह पता लगने पर कि केस झूठा है, बीच में ही छोड़ दिया। जज ने वादी के विरुद्ध फैसला दिया। ऐसे मामलों में दुश्मनी तक की नौबत आ जाती है, किन्तु वह उस परदेस में भी डरा नहीं।

भारत में आया तो देश में कांग्रेस की कमान संभाली। इससे पहले कई तरह से आजादी की लड़ाई लडने वाले देशभक्त अपनी जान की परवाह किए बिना भी संघर्षरत थे। किन्तु लड़ाई आम आदमी की नहीं बन पा रही थी। गांधी ने देश की आध्यात्मिक नब्ज को पहचाना। जैसे विवेकानंद ने भी एक जगह कहा था कि भारतीय मन अध्यात्म से संचालित होता है, उसी सूत्र से देश के दूरदराज तक गांधी का संदेश पहुंचा। तब न तो मीडिया गांव गांव तक पहुंचा था और न ही अन्य संचार साधन। किन्तु जो भी टूटी फूटी व्यवस्था थी, उसके सहारे गांधी का संदेश देश के कोने कोने तक पहंचा और आजादी की लड़ाई सारी जनता का संघर्ष बन गया। आजादी प्राप्ति में अन्य विचारधाराओं के लोगों का भी योगदान रहा, किन्तु सबसे बड़ी चोट अंग्रेज सरकार की चूलें हिलाने के लिए गांधी की रही। उसने अहिंसा को अस्त्र बनाया, जिसका मुकाबला शस्त्र से करना आसान नहीं था। इसलिए गांधी को कुछ श्रद्धावान लोगों ने उन्हें राष्ट्रपिता की उपाधि से संबोधित किया। आज उस पर आक्षेप होते हैं। किन्तु गांधी ने खुद को राष्ट्रपिता कहलाने की कोई पहल नहीं की। कुछ ने उन्हें महात्मा कहना शुरू कर दिया और आम जनता ने इन दोनों संबोधनों को अंगीकार कर लिया। बिना किसी प्रचार के। उन्हें कोई राष्ट्रपिता और महात्मा कहे या न कहे, इसका गांधी के व्यक्तित्व पर कोई असर नहीं पड़ सकता। हां, उससे हमारी समझदारी के स्तर का जरूर खुलासा होता है कि हम अपने नायकों को कितना सम्मान देने की समझ रखते हैं। एक बात और, गांधी ने अपने आजादी के संघर्ष को केवल अंग्रेजों के विरुद्ध ही नहीं केन्द्रित रखा, बल्कि समाज में फैली छुआछूत जैसी विद्रूपताओं के खिलाफ इस काल खंड की सशक्त आवाज बना दिया। देश के लिए आत्मनिर्भरता का लक्ष्य तय किया और उसकी पूर्ति के लिए व्यावहारिक कार्यक्रम खादी और ग्रामोद्योग के रूप में लागू करने की पहल की। अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में भी अंग्रेजी शासन व्यवस्था को समाप्त करने के लिए संघर्ष हुआ, किन्तु अंग्रेजों के खिलाफ बिना दुश्मनी का भाव रखे। यानी पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। इस तरह के घोष वाक्य तो कई धर्मों में विद्यमान हैं, किन्तु उनको लागू कौन करता है? गांधी ने उनको सामाजिक जीवन तक विस्तारित किया और लागू करने की पहल की।

आजकल बहुत से लोग गांधी की छोटी छोटी बातों को तोड़मरोड़ कर उन्हें लांछित करने के प्रयासों में लगे रहते हैं, लेकिन वे इस बात पर गौर करने से बचते हुए निकल जाना चाहते हैं कि गांधी तो खुली किताब है। उसने तो अपनी आत्मकथा में सबके सामने अपने जीवन के हर पहलू को रख दिया है। और उसे नाम दिया सत्य के साथ मेरे प्रयोग। वह कहता है कि मैं असली सत्य तक पहंचने का दावा नहीं करता, किंतु दूसरे लोग इस खोज को और आगे बढ़ा सकते हैं, और सत्य के अनछुए पहलुओं को उजागर कर सकते हैं। लेकिन सत्य पर उनकी दृढ़ आस्था सनातन संस्कृति पर उनके विश्वास के कारण फलीभूत हुई थी। उन्होंने सत्य को ही ईश्वर माना था। 'सत्यं ज्ञानं अनंतं ब्रह्म', इस आप्त वाक्य पर ही उनका जीवन टिका लगता है। विवेकानंद ने कहा था कि मनुष्य स्वभाव से स्वार्थी है। किन्तु स्वार्थी होना कोई बुरी बात नहीं, बशर्ते हम स्वार्थ का दायरा व्यापक करते चले जाएं। अपने से, परिवार से, इलाका से, प्रान्त से, देश और विश्व तक, इसका विस्तार हो सकता है।

कुछ अलग

धर्मो रक्षति रक्षितः

नेता जी चौराहे पर माइक के सामने खड़े होकर उंगलियां उठा-उठा कर भाषण दे रहे थे। कभी वह दाएं हाथ की तर्जनी हवा में उठाते तो कभी बाएं हाथ की। वह युवाओं से धर्म की रक्षा का आवाह्न करते हुए कह रहे थे कि अगर धर्म की रक्षा के लिए हमें अपनी जान भी देनी पड़ी तो हमें पीछे नहीं हटना चाहिए। अगर हमने धर्म के लिए जान देना सीखा होता तो कोई माई का लाल हमें एक हज़ार साल तक ग़ुलाम बना कर नहीं रख सकता था। हमारी कायरता ने ही हमें सदियों तक विदेशियों की दासता स्वीकार करने पर मजबूर किया। लेकिन अब जागने का समय आ चुका है। उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक धर्म की पताका भूखंड के उन भागों पर न फहराने लगे, जो कभी भारतवर्ष कहलाता थे। जो धर्म विरोधी हैं, वे धर्म ही नहीं, देश के भी गद्दार हैं। ऐसे गद्दारों को अगर गोली भी मारनी पड़े तो हमें संकोच नहीं करना चाहिए। भले ही इसके लिए हमें जेल क्यों न जाना पड़े। हम एक रहने पर ही सुरक्षित रहेंगे। अगर बंटे तो कोई भी हमें गाजर-मूली की तरह काट कर फैंक सकता है। हमें अपनी बेटी, रोटी और माटी को घुसपैठियों से बचाना ही होगा। इसके बाद उन्होंने पूरे उत्साह के साथ बुलंद आवाज़ में संस्कृत का प्रसिद्ध श्लोक 'धर्मो रक्षति रक्षितः' पढ़ा। उनके इतना कहते ही उन्मादी भीड़ ने ज़ोर-ज़ोर से तालियां पीटना शुरू कर दीं और कई उत्साही युवा जय श्रीराम का उद्घोष करने लगे। भीड़ में वीर रस की धाराएं फूट पड़ीं। नेता जी संदर्भ सहित श्लोक की व्याख्या करते हुए कहने लगे, 'इस श्लोक का उद्धरण महाभारत के वन पर्व और मनुस्मृति के आठवें अध्याय में मिलता है। धर्म उन लोगों की रक्षा करता है जो इसकी रक्षा करते हैं। हमारे लिए यह गौरव का विषय है कि अंग्रेज़ी में धर्म के लिए कोई शब्द नहीं। अंग्रेज़ी में मिलने वाले इसके सबसे क़रीबी पर्यायवाची शब्द धार्मिकता और नैतिकता हैं। जो मनुष्य पुण्य का त्याग करता है, वह स्वयं नष्ट हो जाता है। जो व्यक्ति धर्म को सुरक्षित रखता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। हमारा धर्म विश्व का सबसे प्राचीन धर्म है। अगर हम अपने धर्म की रक्षा करेंगे तो हमारा धर्म हमारी रक्षा करेगा। समय-समय पर भगवान ने स्वयं अवतार लेकर धर्म की रक्षा की है। अब हम भगवान के कल्कि अवतार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।' नेता जी ने युवाओं में जोश भरते हुए उन्हें याद दिलाया कि अगले माह नगर में आयोजित होने वाली पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि घुसपैठियों को अपने धर्म की शक्ति से अवगत करा दिया जाए। उन्होंने शोभा यात्रा और जुलूस का रूट चार्ट साझा करते हुए कहा कि इस दौरान हमें हर मस्ज़िद और मोहल्ले में भगवा झंडा लहराना है। उनके इतना कहते ही उन्मादी भीड़ पूरे जोश-ओ-ख़रोश के साथ अपने इष्ट के नारों से आकाश गुंजायमान करने लगी। नारे कान खाने लगे तो झुन्नू लाल चुपचाप वहां से खिसक लिए। शाम को पार्क में सैर के दौरान झुन्नू जी को नेता जी के दर्शन हो गए। औपचारिक दुआ-सलाम के बाद झुन्नू जी ने नेता जी से पूछा कि क्या वह वास्तव में धर्म की रक्षा के लिए जान दे सकते हैं? नेता जी झुन्नू जी को तिरछी निगाहों से घूरते हुए बोले, 'झुन्नू लाल जी क्यों मज़ाक करते हो? राजनीति अपनी जगह और धर्म अपनी जगह। हम अपनी सहूलियत के हिसाब से राजनीति की टकसाल में धर्म के सिक्के चलाते हैं। इन सिक्कों में चित भी हमारी होती है और पट भी। अगर हम जान दे देंगे तो देश कौन चलाएगा? धर्म तो भूखे लोगों की अफीम है और हम ठहरे अफीम के व्यापारी। आप ऐसा क्यों समझते हैं कि सिर्फ भगवा चोले वाले ही धर्म का दोहन करते हैं।

देश दुनिया से

महाकुंभ की आर्थिकी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हर 12 वर्ष में एक बार लगने वाला महाकुंभ मेला प्रारंभ हो चुका है। 13 जनवरी से शुरू यह महाकुंभ मेला 2025 एक भव्य आध्यात्मिक ही नहीं, अपनी विशालता और श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए, दुनिया भर के लिए एक अद्भुत आयोजन भी है। यह पवित्र समागम सदियों पुरानी परंपराओं और सांस्कृतिक भव्यता को भी दर्शाता है। इस त्योहार की उत्पत्ति हिंदु पौराणिक कथाओं में निहित है। माना जाता है कि यह त्योहार राक्षसों पर देवताओं की जीत का प्रतीक है। इसका उल्लेख पुराणों में तो मिलता ही है, जिनके अनुसार समुद्र मंथन के पश्चात कुंभ मेलों का आयोजन शुरू हुआ। कुंभ का मतलब है, अमृत से भरा पात्र। मान्यता है कि देवताओं और असुरों द्वारा समुद्र मंथन से जो अमृत निकला था, उसके पात्र को लेकर जब देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष हुआ, तो अमृत की चार बूंदें भारत के चार स्थानों पर गिरीः प्रयागराज (इलाहाबाद), हरिद्वार, उज्जैन और नासिक। तभी से ये स्थल कुंभ मेले के पवित्र स्थल बन गए, जहां भक्त नदियों में स्नान करके आध्यात्मिक मुक्ति पाने के लिए इक_1 होते हैं। महाकुंभ के मेले में बारंबार स्नान का भी एक विशेष महत्व है।

माना जाता है कि गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम पर स्नान करने से पाप धुल जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा समागम है, जिसमें लगभग 40 करोड़ लोग हिस्सा लेने वाले हैं। महाकुंभ के पहले ही दिन 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा स्नान के अवसर पर 1.5 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई तो 14 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति के अवसर पर 3.5 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। माना जा रहा है कि मौनी अमावस्या स्नान जनवरी 29 को होगा, जिसमें कम से कम 10 करोड़ लोग भाग लेंगे। फरवरी 03, 2025 को वसंत पंचमी स्नान, फरवरी 12, 2025 को माघी पूर्णिमा स्नान और फरवरी 26, 2025 को महाशिवरात्रि स्नान को मिलाकर कुल छह अमृत स्नान रहेंगे। दुनिया के लिए यह एक अचंभे से कम नहीं है कि एक ही स्थान पर 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, जिसके लिए प्रशासन ने प्रयागराज में मेला स्थान को 3200 हेक्टेयर से बढ़ा कर 4000 हेक्टेयर कर दिया है। घाटों की लंबाई अब 12 किलोमीटर है जो 2009 में मात्र 8 किलोमीटर ही थी। कुंभ मेला एक स्थान पर नहीं, बल्कि ज्योतिषीय गणना के आधार पर चार अलग-अलग स्थानों पर लगता है। कुंभ मेले में 12 साल के अंतराल का कारण यह है कि वृहस्पति को सूर्य के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में 12 साल लगते हैं। कुंभ मेला वेबसाईट के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में होता है और सूर्य और चंद्रमा क्रमशः मेष और धनु राशि में होते हैं तो हरिद्वार में कुंभ आयोजित किया जाता है। जब बृहस्पति वृषभ राशि में होता है और सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में होते हैं तो कुंभ प्रयागराज में आयोजित किया जाता है। जब बृहस्पति सिंह राशि में होता है, सूर्य और चंद्रमा कर्क राशि में होते हैं तो कुंभ नासिक और त्रयंबकेश्वर में आयोजित किया जाता है, यही कारण है कि इन्हें सिंहस्थ कुंभ भी कहा जाता है। यह वृहत और लगातार होने वाला आयोजन, हमारे प्राचीन खगोल विज्ञान को भी प्रमाणित करता है।

आर्थिक गतिविधियों का समागम : जानकारों का मानना है कि 46 दिन चलने वाले महाकुंभ मेला देश की जीडीपी में एक प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकता है। प्रदेश की जीडीपी में तो उससे कहीं ज्यादा वृद्धि हो सकती है। हालांकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की गणना के अनुसार, महाकुंभ में अपेक्षित 40 करोड़ लोग 5 हजार रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से खर्च करे तो इससे 2 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक प्रभाव होगा। लेकिन कुछ अन्य लोगों का मानना है कि प्रति व्यक्ति खर्च 10 हजार रुपए तक हो सकता है, जिसका मतलब है कि 4 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक प्रभाव। यह गणना बिना आधार के नहीं है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2019 के कुंभ ने 1.2 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त जीडीपी का सृजन किया था। इस मेला में 24 करोड़ लोगों ने भाग लिया था, जो 2013 के मेला से दोगुना था। यानी इस बार 40 करोड़ लोगों की अपेक्षित भागीदारी के चलते 4 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक प्रभाव, अस्वाभाविक नहीं है। सरकार द्वारा इस मेला में 7500 करोड़ रुपया खर्च किया जाना है, जिसमें राज्य सरकार का हिस्सा 5400 करोड़ और केंद्र सरकार का हिस्सा 2100 करोड़ रुपए का है। योगी आदित्यनाथ का यह भी कहना है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा अस्थायी शहर है। कुंभ मेला, एक विशाल हिंदू तीर्थयात्रा और त्यौहार है, जिसे 2017 में यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में अंकित किया गया था। यह मान्यता एक अद्वितीय और अमूल्य सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के रूप में त्यौहार के महत्व को उजागर करती है, जो भारत की समृद्ध आध्यात्मिक परंपराओं को प्रदर्शित करती है और विविध समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा देती है। ध्यातव्य है कि बिना किसी बड़ी बाधा के कुंभ का मेला हजारों वर्षों से आयोजित होता आ रहा है। हालांकि, 2019 कुंभ की व्यवस्थाएं भी कमतर नहीं थीं और 2017 के यूनेस्को द्वारा कुंभ को दी गई मान्यता के अनुरूप ही थी, जिससे भारत की अद्वितीय पैमाने पर आयोजन की क्षमता का प्रदर्शन हुआ। महाकुंभ 2025 की व्यवस्थाएं एक अलग स्तर और पैमाने पर एक प्रबंधकीय चमत्कार को दर्शाती हैं। सुरक्षित और व्यवस्थित स्नान के लिए 8 नए घाट जोड़े गए हैं। भीड़भाड़ से बचने के लिए उन्नत भीड़ प्रबंधन तकनीक, बेहतर परिवहन बुनियादी ढांचा और कई अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। हम देखते हैं कि विशाल स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल, सुविधाएं, सौर ऊर्जा संचालित प्रकाश व्यवस्था और आरामदायक आश्रय कुछ उल्लेखनीय व्यवस्थाएं हैं।

महाकुंभ 2025 के प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भी अहम भूमिका होने की उम्मीद है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संचालित और ड्रोन द्वारा समर्थित भीड़ नियंत्रण प्रणाली और समर्पित मोबाइल ऐप-मार्गों, घाटों के समय, मौसम अपडेट और आपातकालीन सेवाओं पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। महाकुंभ 2025 में हरित पहल शून्य अपशिष्ट नीति द्वारा निर्देशित है।

आप का नजरिया

मध्य वर्ग पर चुनावी लड़ाई

दिल्ली में राजनीति और चुनाव 'जातीय' कम होते हैं। इस बार चुनाव 'वर्ग' पर आधारित होता जा रहा है। यह पहली बार हो रहा है कि चुनाव में आर्थिक मुद्दों की गूंज है। पहली बार ही किसी राजनीतिक दल ने 'मध्य-वर्ग' पर विशेष घोषणा-पत्र जारी किया है। यह काम भी केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) ने किया है। अभी तक चुनाव में आर्थिक मुद्दों के संदर्भ में 'मुफ्त की रेवडियों' का शोर था। एक सामाजिक और विशेषज्ञ पक्ष इसे 'रेवड़ी' मानने को तैयार नहीं है। उसका मानना है कि जनता का पैसा जनता के कल्याण पर खर्च किया जा रहा है, वंचित और गरीब तबके की मदद की जा रही है, तो इसमें गलत, अनैतिक और अर्थव्यवस्था-विरोधी क्या है? दूसरा पक्ष इसे सरेआम 'रिश्वतखोरी' करार देता है, क्योंकि मतदाता को कुछ नकदी, मुफ्त का लालच देकर उसका वोट हासिल किया जा रहा है, लेकिन एक वर्ग ऐसा है, जो देश के आर्थिक संसाधनों की 'रीढ़' है, लेकिन चुनावों में अभी तक उपेक्षित रहा है। उस वर्ग में डॉक्टर, इंजीनियर, सरकारी कर्मचारी, सरकारी पेंशनभोगी, बैंकर, एक खास वर्ग के पत्रकार, अध्यापक, प्रोफेसर आदि ऐसे पेशेवर लोग आते हैं, जो आयकर और अन्य करों के रूप में देश को 'खजाना' मुहैया कराते हैं। औसतन 100 रुपए कमाते हैं, तो 30 फीसदी कर चुकाना पड़ता है। आयकर देने वाला यह वर्ग आबादी का मात्र 4-5 फीसदी ही है। कुछ और लोग भी हैं, जो परोक्ष रूप से करदाता हैं और देश की अर्थव्यवस्था के संचालक हैं। वैसे जीएसटी और कुछ उपकर ऐसे हैं, जो देश की करीब 65 फीसदी आबादी को चुकाने ही पड़ते हैं। इनमें आम आदमी भी शामिल है, लेकिन मध्य-वर्ग ऐसा है, जिसे निचोड़ा जाता रहा है, लेकिन बदले में वह 'रेवडियों' की अपेक्षा भी नहीं करता। वह मुफ्तखोरी का पक्षधर नहीं है। अरबपति उद्योगपतियों का एक खास वर्ग है, जिसे किसी भी पार्टी की सत्ता पाल-पोस कर रखती है। इस वर्ग के 14.56 लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज बैंकों को 'बट्टे खाते' (राइट ऑफ) में डालने ही पड़ते हैं। एक अरबपति को 6500 करोड़ रुपए का कर्ज मिला, लेकिन जब यह मामला आपस में सैटल किया गया, तो अरबपति को 1500 करोड़ रुपए का ही भुगतान करना पड़ा। देश में 400-500 'औद्योगिक मित्र' ऐसे हैं, जिनके 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज सरकार ने माफ करा दिया। बेशक यह वर्ग भी मतदाता है, लेकिन यह वर्ग सरकारें संचालित करता है। सरकार से सिर्फ इतनी अपेक्षा रखता है कि वह उसके मोटे कर्जों को 'बट्टे खाते' में डलवाती रहे अथवा हजारों करोड़ रुपए के कर्ज के बदले उसे कुछ सौ करोड़ रुपए ही चुकता करने पड़ें। मध्य-वर्ग में भी अपर, अद्र्ध अपर, मिडिल और लोअर वर्ग हैं। उनका मूल्यांकन उनके वेतन के आधार पर किया जाता है, क्योंकि आयकर भी उसी के अनुसार तय होता है। मध्य-वर्ग ऐसा है, जो गेहूं के साथ घुन की तरह पिसता रहा है। हालांकि यह वर्ग परिभाषित नहीं है, लेकिन माना जाता है कि दिल्ली में करीब 67 फीसदी आबादी मध्य-वर्ग के दायरे में आती है। देश में औसतन 31 फीसदी मध्य-वर्ग माना जाता है।

चीन में फिर लगेगा लॉकडाउन, सरकार ने बंद किए सभी दफ्तर
नए साल का जश्न मनाने एक हफ्ते की सार्वजनिक छुट्टी घोषित

बीजिंग, 28 जनवरी (एजेंसियां) ।

दुनिया कोरोना के संकट से उबर चुकी है और खुली हवा में सांस ले रही हैं। अब फिर चीन में लॉकडाउन लगाया जा रहा है, लेकिन कोरोना काल के लॉकडाउन और मौजूदा लॉकडाउन में जमीन आसमान का अंतर है। आज चीज में जश्न मनाने के लिए करीब एक हफ्ते के लिए सार्वजनिक छुट्टियां दी गई हैं। दरअसल, चीन में नया वर्ष शुरू होने जा रहा है।

चीन के कैलेंडर के मुताबिक 29 जनवरी से इसकी शुरुआत होगी। इस नए साल पर पूरे चीन में जश्न मनाया जाता है।

इसे स्प्रींग फेस्टिवल (वसंत उत्सव) कहा जाता है। इसके लिए सरकार ने पूरे चीन में 28 जनवरी से 4 फरवरी 2025 तक सभी दफ्तर बंद करने का आदेश दिया है। यह उत्सव न केवल चीन बल्कि पूरे पूर्वी एशिया में मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण त्योहार है।

यह 15 दिनों तक चलता है। इसमें लाइव परेड और परिवारों के मिलने जैसी सदियों पुरानी परंपराएं शामिल हैं।

2025 में इस साल की शुरुआत 29 जनवरी, बुधवार से होगी। उत्सव 12 फरवरी को समाप्त होगा। चीन का यह नया साल वहां की राशि (जोडियक) से संबंधित है। चीन ने 2025 को सर्प वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है।

चीन के राशि चक्र में सर्प राशि छठे स्थान पर है। यह समझदारी, सुंदरता और भावना का प्रतीक है। सर्प वर्ष में जन्मे लोग आमतौर पर समझदार, आत्मनिर्भर और चुनौतियों को पार करने वाले होते हैं।

आज भी चीन के नए साल पर लाल रंग की सजावट, पटाखे और शोर-शराबे का चलन है। यह बुरी आत्माओं को भगाने और आने वाले साल में शुभता लाने का प्रतीक हैं। चीन नया साल एक पारिवारिक उत्सव होता है।

तमाम लोग परिवार के साथ समय बिताते हैं। इस त्योहार का प्रमुख आकर्षण पूरे परिवार का एक साथ रात्रिभोज करना है। लोग खूब डांस करते हैं। खुशी मनाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बेंजामिन नेतन्याहू अगले सप्ताह कर सकते हैं व्हाइट हाउस का दौरा

वाशिंगटन। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगले सप्ताह व्हाइट हाउस का दौरा कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद उनसे मिलने वाले पहले विदेशी नेता होंगे। सीएनएन की खबर के अनुसार,

अमेरिका और इजराइल की कूटनीति को करीब से समझने वाले कुछ अधिकारियों ने ऐसे संकेत दिए हैं। हालांकि बेंजामिन नेतन्याहू की यात्रा की योजना को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और ना ही आधिकारिक तौर पर यात्रा के लिए किसी तारीख का चयन किया गया है। अमेरिका और इजराइली अधिकारियों ने यात्रा की योजना को प्रारंभिक चरण बताया है। हालांकि दोनों नेता पिछले सप्ताह टेलीफोनिक चर्चा कर चुके हैं। नेतन्याहू के एक प्रवक्ता ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें यात्रा के लिए कोई आधिकारिक निमंत्रण नहीं मिला है। व्हाइट हाउस ने कहा कि ट्रंप ने सोमवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ सार्थक बातचीत की है। इस बातचीत में मोदी की व्हाइट हाउस यात्रा की योजना पर भी चर्चा की गई।

व्यापार विवाद को लेकर कोलंबिया राष्ट्रपति ने की ट्रंप की आलोचना, कहा गोरे गुलाम

वॉशिंगटन। अमेरिका और कोलंबिया के बीच विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करते हुए उन्हें गोरे गुलाम बताया है। यह विवाद दोनों

देशों के बीच निर्वासित प्रवासियों को लेकर उठे विवाद से पैदा हुआ था, जब कोलंबिया ने अमेरिकी सैन्य विमानों द्वारा निर्वासितों को लाने पर आपत्ति जताई थी। इसके जवाब में ट्रंप ने कोलंबिया पर टैरिफ और प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। मीडिया रिपोर्ट में वाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा था कि कोलंबिया इस मुद्दे पर सहमत हो गया है और अमेरिकी सैन्य विमानों को स्वीकार करेगा। इसके बदले अमेरिका ने अपने टैरिफ और प्रतिबंधों को निलंबित कर दिया है। वाइट हाउस के मुताबिक यदि कोलंबिया समझौते का पालन नहीं करता, तो टैरिफ और प्रतिबंधों के मसौदे पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। कोलंबिया के विदेश मंत्री लुइस गिल्बर्टो मुरिलो ने रविवार को इस गतिरोध के समाधान की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि हमने अमेरिकी सरकार के साथ गतिरोध को दूर कर लिया है। इस सहमति के तहत अमेरिका द्वारा प्रस्तावित टैरिफ और प्रतिबंधों का मसौदा स्थगित कर दिया है। इसमें कोलंबियाई सामानों पर 25 फीसदी टैरिफ और कोलंबियाई अधिकारियों पर यात्रा प्रतिबंध शामिल थे। इससे पहले कोलंबियाई राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट लिखी जिसमें उन्होंने ट्रंप पर तीखा हमला किया।

नेपाल ने अमेरिका से आर्थिक मदद न रोकने का आग्रह किया

काठमांडू। अमेरिका की सभी तरह की आर्थिक मदद रोकने की औपचारिक घोषणा ने नेपाल की चिंता बढ़ा दी है। नेपाल की सबसे बड़ी चिंता मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) के तहत मिल रहे आर्थिक सहयोग को लेकर है। नेपाल सरकार ने आधिकारिक रूप से पत्र लिख कर एमसीसी के तहत जारी 55 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सहयोग नहीं रोकने के लिए आग्रह किया गया है। यह पत्र सोमवार को नेपाल के वित्त मंत्रालय ने अमेरिकी राजदूतावास के माध्यम से एमसीसी मुख्यालय भेजा गया है। नेपाल के उप प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री विष्णु पौडेल का कहना है कि उन्हें पूरा भरोसा है कि अमेरिकी प्रशासन एमसीसी के सहयोग को नहीं रोकेगा। एमसीसी के तहत नेपाल में जो अंतर्देशीय प्रसारण लाइन का काम हो रहा है उस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पौडेल ने बताया कि उनके पास अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए बने यूएसएआईडी के तरफ से प्राप्त पत्र में आर्थिक सहयोग को तीन महीने के लिए रोकने की जानकारी दी गई है। पत्र में कहीं भी एमसीसी के तहत चल रहे परियोजना का जिक्र नहीं है। उन्होंने बताया कि एमसीसी एक अलग निकाय है। अमेरिकी कांग्रेस ने गरीब देशों में आर्थिक सहयोग के लिए इसे स्थापित किया है। नेपाल को आशंका है कि यूएसएआईडी की तरह एमसीसी की तरफ से डी पत्र आ सकता है। इसलिए नेपाल ने पहले ही एमसीसी मुख्यालय को पत्र भेज दिया है।

विनाश के अलावा कुछ नहीं : उत्तरी गाजा में लौटे तीन लाख फिलिस्तीनियों को मिला खंडहरों का शहर

गाजा सिटी, 28 जनवरी (एजेंसियां) । इजरायल की ओर से इजाजत मिलने के बाद लाखों लोग उत्तरी गाजा में लौट चुके हैं। हालांकि लोगों को घर लौटने पर 'विनाश के अलावा कुछ नहीं मिल रहा है।अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक तीन लाख से अधिक जबरन विस्थापित फिलिस्तीनियों ने15 महीने की जंग के बाद, उत्तरी गाजा में प्रवेश कर लिया है। हालांकि उनके घर में खंडहरों तब्दील हो गए हैं।गाजा में इजरायली हमलों ने गाजा के लगभग पूरे 2.3 मिलियन लोगों को विस्थापित कर दिया। कई लोगों को बार-बार, कुछ को तो 10 से भी अधिक बार, विस्थापित होने के लिए मजबूर होना पड़ा है।इससे पहले इजरायल ने हजारों विस्थापित फिलिस्तीनियों को अपने घर लौटने से रोक दिया था। शनिवार रात से बढ़ी संख्या में गाजावासी सड़कों पर उतर आए और गाजा जाने का इंतजार करने लगे। घर जाने की कोशिश में कर रहे एक फिलिस्तीनी युवक इजरायली बलों ने गोली मार कर हत्या कर दी गई जबकि कुछ अन्य लोग घायल हो गए थे।यह पूरा विवाद दरअसल इजरायली नागरिक अर्बेल येहुद की रिहाई को लेकर पैदा हुआ। शनिवार को जब दूसरी बार कैदियों की अदला बदला हुई तो लगा कि घटनाक्रम युद्धविराम समझौते की शर्तों के मुताबिक ही घट रहा है लेकिन अचानक इजरायल की एक घोषणा ने सबकुछ बदल दिया।हमास ने शनिवार को चार इजरायली महिला सैनिकों को रिहा किया, बदले में इजरायल ने 200 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया।इसके बाद इजरायल ने ऐलान किया कि वह गाजावासियों को उत्तरी गाजा पट्टी में तब तक प्रवेश नहीं करने देगा, जब तक कि नागरिक अर्बेल येहुद की रिहाई के लिए व्यवस्था नहीं हो जाती।इजरायल के अनुसार, हमास ने सभी जीवित नागरिक महिला बंदियों से पहले महिला बंधक सैनिकों को रिहा करके समझौते का उल्लंघन किया है।हालांकि रविवार रात को इजरायल ने घोषणा की कि गाजा में हमास के साथ युद्ध विराम और बंधक समझौते पर विवाद सुलझ गया है। हमास इस हफ्ते दो बैचों में छह बंधकों को रिहा करेगा। वहीं यहूदी राष्ट्र ने सोमवार सुबह से नेत्जारिम कॉरिडोर के जरिए सैकड़ों हज़ारों विस्थापित गाजावासियों को अपने घर लौटने की अनुमति दे दी।

व्हाइट हाउस ने संघीय अनुदान और ऋण वितरण पर रोक लगाई

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस बजट कार्यालय ने सभी संघीय अनुदान और ऋणों पर रोक लगाने का आदेश दिया है। व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट के कार्यवाहक निदेशक मैथ्यू वैथ ने कहा, संघीय एजेंसियों को सभी संघीय वित्तीय सहायता के दायित्व या वितरण से संबंधित सभी गतिविधियों को अस्थायी रूप से रोकने का आदेश दिया गया है। सोमवार को भेजे गए एक आंतरिक ज्ञापन में व्हाइट हाउस बजट कार्यालय ने सभी संघीय अनुदान और ऋण पर रोक लगाने का आदेश दिया है। यह आदेश

शाम 5 बजे से प्रभावी होगी। इसका मंगलवार को खरबों डॉलर पर असर पड़ सकता है। यह ट्रंप प्रशासन का संघीय वित्त पोषण पर नियंत्रण स्थापित करने के नवीनतम कदम है। यह आदेश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले सप्ताह के कार्यकारी आदेशों के अनुरूप है।

माइक्रोसॉफ्ट कर सकती है टिकटॉक का अधिग्रहण, ट्रंप ने दिए संकेत

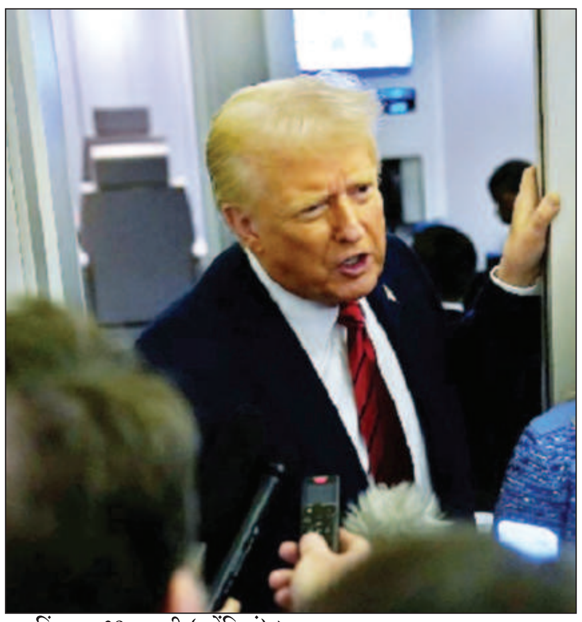

वाशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि माइक्रोसॉफ्ट जल्द ही चीन की सोशल मीडिया कंपनी टिकटॉक का अधिग्रहण कर सकती है। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उनका मानना है कि माइक्रोसॉफ्ट, टिकटॉक का अधिग्रहण करने के लिए चर्चा कर रहा है। उन्होंने एयर फोर्स वन में साथ यात्रा कर रहे संवाददाताओं से कहा कि इसकी बोली दिलचस्प होगी।

कानून के अनुसार टिकटॉक को अमेरिका में प्रतिबंधित किया जाना है। ट्रंप ने सीधेतौर पर पूछे जाने पर कि क्या माइक्रोसॉफ्ट इस ऐप हासिल करने के लिए चर्चा कर रहा है ट्रंप ने इस सवाल के जवाब में कहा, मैं हां कहूंगा।

उन्होंने कहा, टिकटॉक में बहुत रुचि है। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

उल्लेखनीय है कि टिकटॉक के मौजूदा वक्त में 170 मिलियन अमेरिकी यूजर्स हैं। ट्रंप ने पहले ही यह साफ कर चुके कि अमेरिका में धंधा चलाना है तो बाइटडांस को या तो इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर बेचना होगा।

अन्यथा प्रतिबंध का सामना करना होगा। 20 जनवरी को राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालने के बाद ट्रंप ने टिकटॉक को 75 दिन की मोहलत प्रदान करने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 18 जनवरी को टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक के तत्कालीन बाइडेन प्रशासन के प्रतिबंध कानून के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका का निपटारा करते हुए कहा था कि प्रावधान किसी भी तरह के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते।

सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बाद तब नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि वह टिकटॉक पर निर्णय लेने से पहले स्थिति की समीक्षा करेंगे।

संघर्षविराम के बाद घरों की ओर लौटते हुए लोग

गाजा में संघर्षविराम के बाद वाहनों के जरिये अपने घरों की ओर लौटते हुए उत्तरी इलाके के लोग।

भारत और नेपाल ने भूकंप के बाद शुरू पुनर्निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

काठमांडू, 28 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारत की मदद से नेपाल में भूकंप के बाद शुरू पुनर्निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा काठमांडू में सोमवार को एक बैठक में की गई। इसमें भारतीय विदेश मंत्रालय के नेपाल डेस्क के प्रमुख अतिरिक्त सचिव मनु महवार और नेपाल के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

नेपाल में अप्रैल 2015 के भूकंप के बाद भारत ने पुनर्निर्माण के लिए 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान प्रदान किया था । तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने काठमांडू में आयोजित विशेष सम्मेलन में यह अनुदान चार विभिन्न क्षेत्रों के लिए आवंटित किया था। आवास निर्माण के लिए 100 मिलियन डॉलर, विद्यालयों के पुनर्निर्माण के लिए 50 मिलियन डॉलर, अस्पतालों के निर्माण के लिए 50 मिलियन डॉलर और ऐतिहासिक धरोहरों के पुनर्निर्माण के लिए 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान दिया गया था।

इन परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी के लिए अगस्त 2017 में एक संयुक्त परियोजना निगरानी समिति (जेपीएमसी) तंत्र स्थापित किया गया था।

सोमवार को काठमांडू में जेपीएमसी की पांचवीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में नेपाल के प्रतिनिधिमंडल का शहरी विकास मंत्रालय में संयुक्त सचिव पद्म कुमार मैनाली ने किया। दोनों पक्षों ने इस बैठक के बाद काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से बयान जारी किया।

रूस ने बनाया अफगान क्वाड गठबंधन, भारत को करना चाहता है शामिल

प्रस्ताव भारत के लिए चुनौतीपूर्ण, चीन, पाकिस्तान और ईरान भी हैं सदस्य

काठमांडू, 28 जनवरी (एजेंसियां) ।

रूस ने अफगानिस्तान के भविष्य पर क्षेत्रीय शक्तियों के साथ मिलकर काम करने के लिए एक नया गठबंधन बनाया है, जिसे अफगानिस्तान क्वाड नाम दिया है। इस गठबंधन में ईरान, पाकिस्तान और चीन जैसे देश शामिल हैं और रूस अब भारत को भी इसमें शामिल करना चाहता है। हालांकि, भारत के लिए यह प्रस्ताव चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि इसमें भारत के दो प्रतिद्वंद्वियों पाकिस्तान और चीन के साथ एक मंच पर बैठना पड़ेगा, जो भारत के रणनीतिक हितों से टकरा सकते हैं।

रूसी विदेश मंत्री ने हाल ही में कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि भारत इस समूह का हिस्सा बनेगा और इसे अफगानिस्तान में सही कदम बताया। उन्होंने भारत और पाकिस्तान से एक-दूसरे की चिंताओं को दूर करने का भी आग्रह किया। भारत के रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ का मानना है कि पाकिस्तान का हिस्सा होना भारत के लिए खतरे की घंटी हो सकता है, क्योंकि पाकिस्तान के साथ रिश्ते पहले ही तनावपूर्ण हैं। अफगान क्वाड का गठन तब हुआ जब अफगानिस्तान में तालिबान के नियंत्रण के बाद क्षेत्रीय देशों को अफगानिस्तान की स्थिरता और सुरक्षा के बारे में चिंता बढ़ी।

विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और भारत के लिए अफगानिस्तान की स्थिरता साझा क्षेत्रीय हित हो सकती है, लेकिन पाकिस्तान और चीन की मौजूदगी इस गठबंधन में भारत के शामिल होने के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। भारत ने अब तक तालिबान के साथ बहुत कम संवाद किया है, लेकिन रूस का निमंत्रण इस्लामाबाद और काबुल के बिगड़ते रिश्तों के बीच भारत को इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

साइबर-स्कैम केंद्रों में फंसे 67 भारतीय आजाद, लाओस में भारतीय दूतावास ने की मदद

वियनतियाने। भारतीय दूतावास ने लाओस के बोकेओ प्रांत स्थित गोल्डन ट्राइंगल स्पेशल इकोनॉमिक जोन (जीटीएसईएड) से 67 भारतीयों को बचाया। ये सभी युवा साइबर-स्कैम केंद्रों में धोखाधड़ी और तस्करी का शिकार हो गए थे, जहां उन्हें अपराधी समूहों द्वारा काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। भारतीय युवाओं को इस संकट से बाहर निकालने की कार्रवाई भारतीय दूतावास के प्रयासों का नतीजा है। इन भारतीय युवाओं ने मदद के लिए दूतावास से संपर्क किया, तो दूतावास ने उनकी मदद के लिए कदम उठाए। दूतावास अधिकारियों ने जीटीएसईएड का दौरा किया और लाओस के स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर युवाओं को मुक्त कराया। इसके बाद उन्हें विएंतियाने स्थित दूतावास लाने के लिए परिवहन की व्यवस्था की गई, और उनके रहने और खाने की सुविधा भी प्रदान की। भारत के राजदूत ने इन युवाओं से मुलाकात की और उनकी कठिनाइयों के बारे में बातचीत की।

नेमार ने आपसी सहमति से सऊदी क्लब अल-हिलाल को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार ने सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल के साथ अपने अनुबंध को आपसी सहमति से समाप्त कर दिया है। क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की और नेमार के करियर की आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

अल-हिलाल का बयान:

सोशल मीडिया पर जारी किए गए क्लब के बयान में कहा गया, क्लब नेमार को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।

सऊदी क्लब में चोटों से प्रभावित रहा सफर

32 वर्षीय नेमार, जो अगस्त 2023 में अल-हिलाल का हिस्सा बने थे, चोटों के कारण अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके। क्लब में शामिल होने के बाद उन्होंने सिर्फ 7 मैच खेले, जबकि उनका सालाना वेतन लगभग 104 मिलियन डॉलर था।

अक्टूबर 2023 में ब्राजील के लिए विश्व कप क्वालीफायर में खेलते हुए नेमार को क्रूसिएट लिगामेंट की चोट लगी, जिसके चलते उन्हें लगभग एक साल तक मैदान से दूर रहना पड़ा। हालांकि, उन्होंने अक्टूबर-नवंबर 2024 में मैदान पर वापसी की, लेकिन हैमस्ट्रिंग की चोट ने उनकी वापसी को सीमित कर दिया।

नेमार का भविष्य: अमेरिका या ब्राजील

नेमार ने हाल ही में कहा था कि उनका लक्ष्य 2026 फीफा विश्व कप में हिस्सा लेना है, जो अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। उन्होंने सीएनएन से कहा, यह मेरा आखिरी विश्व कप होगा, और मैं इसे खेलने के लिए पूरी कोशिश करूंगा।

नेमार के लिए अमेरिका की एमएलएस लीग और उनके पुराने क्लब सैंटोस से जुड़ने की चर्चा चल रही है। सैंटोस वही क्लब है, जहां उन्होंने अपना नाम बनाया और 177 मैचों में 107 गोल किए थे।

नेमार का करियर: पेले के उत्तराधिकारी से लेकर संघर्ष तक

नेमार ने 2013 में बार्सिलोना से यूरोपीय फुटबॉल में कदम रखा और लियोनेल मेस्सी और लुइस सुआरेज़ के साथ एक ऐतिहासिक तिकड़ी बनाई। उन्होंने 2015 में चैंपियंस लीग जीतने में अहम भूमिका निभाई।

2017 में, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने उन्हें विश्व रिकॉर्ड 220 मिलियन यूरो में साइन किया। पीएसजी में उन्होंने काइलियन एमबाप्पे के साथ मिलकर क्लब को कई सफलताएं दिलाईं, लेकिन चोटों और व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता के चलते वह निरंतरता बनाए रखने में असफल रहे।

क्या नेमार वापसी कर पाएंगे

ब्राजील के लिए 127 मैचों में 79 गोल के साथ देश के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी नेमार का करियर अब एक निर्णायक मोड़ पर है। क्या वह अमेरिका की एमएलएस में जाएंगे, या अपने पुराने क्लब सैंटोस के साथ अपने करियर को नया आयाम देंगे, यह देखना दिलचस्प होगा।

नेमार का बयान:

नेमार ने कहा, मैं मैदान पर वापसी और 2026 विश्व कप में खेलने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। यह मेरा आखिरी मौका होगा, और मैं इसे खास बनाना चाहता हूं।

न्यूज ब्रीफ

चीनी मूल की जेन्स असिंडे युगांडा की महिला बास्केटबॉल टीम में शामिल

कंपाला। चीनी मूल की बास्केटबॉल खिलाड़ी जेन्स असिंडे को 2025 एफआईबीए महिला एफ्रोबास्केट जोन 5 क्वालीफायर के लिए युगांडा की राष्ट्रीय महिला बास्केटबॉल टीम गेज़ेल्स में शामिल किया गया है।

असिंडे, जो पिछले अक्टूबर में चीन के हेनान फीनिक्स टीम का हिस्सा बनी थीं, मिस्र के गीज़ा में 3 से 8 फरवरी के बीच आयोजित होने वाले क्वालीफायर में खेलेंगी। यह टूर्नामेंट महाद्वीपीय शोपीस में एकमात्र बर्थ के लिए मिस्र, केन्या, दक्षिण सूडान, तंजानिया और बुरुंडी के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। युगांडा के नए कोच निकोलस नटुहेरेज़ा ने असिंडे के अनुभव को टीम के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, असिंडे जैसी अनुभवी खिलाड़ी का टीम में होना हमारे लिए बहुत फायदेमंद है। वह टीम की सफलता में अहम भूमिका निभा सकती हैं। 2025 महिला एफ्रोबास्केट का 29वां संस्करण अबिदजान, कोट डी आइवर में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमें 2026 एफआईबीए महिला बास्केटबॉल विश्व कप क्वालीफायर में जगह बनाएंगी। असिंडे के शामिल होने से युगांडा टीम की संभावनाएं मजबूत मानी जा रही हैं, क्योंकि उनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव टीम को अतिरिक्त बढ़त प्रदान कर सकता है।

जिमी बटलर को मियामी हीट ने फिर किया निलंबित

मियामी। मियामी हीट ने स्टार फॉरवर्ड जिमी बटलर को टीम नियमों के उल्लंघन और अनुशासनहीन आचरण के कारण बिना वेतन के अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया है। यह फैसला सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को लिया गया, जब बटलर अभ्यास से बाहर चले गए।

पिछले कुछ हफ्तों में यह तीसरी बार है जब बटलर को निलंबित किया गया है। उनका नवीनतम निलंबन कम से कम पांच खेलों तक जारी रहेगा, जो 6 फरवरी को एनबीए की व्यापार समय सीमा तक पहुंच सकता है। बटलर के इस निलंबन के तहत प्रति गेम 532,737 का आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। टीम ने अपने बयान में कहा, यह निलंबन टीम के नियमों की अवहेलना, हानिकारक आचरण और जानबूझकर सेवाएं रोकने के लगातार पैटर्न का परिणाम है। बटलर पहले ही पिछले 12 में से 9 खेलों में निलंबन के कारण हिस्सा नहीं ले पाए हैं। उनका पहला निलंबन सात खेलों के लिए था, जबकि दूसरा दो खेलों का था, जब वे टीम की उड़ान से चूक गए थे। इस बीच, बटलर ने टीम से व्यापार का अनुरोध किया है, और मियामी हीट ने कहा है कि वे उनके लिए उपयुक्त सौदा खोजने की कोशिश कर रहे हैं। कोच एरिक स्पोएलस्ट्रा ने कहा, हम सिर्फ अपने काम और मैजिक के खिलाफ तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वर्तमान में ही हमारी प्राथमिकता है। बटलर की अनुपस्थिति के बावजूद, मियामी हीट को अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अगले कदम पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

बिहार शुरू करेगा ग्रामीण क्रिकेट लीग, जमीनी प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच

पटना। बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बिहार ग्रामीण लीग (बीआरएल) की शुरुआत करने का ऐलान किया है। बीसीए के अध्यक्ष राकेश तिवारी के नेतृत्व में यह लीग उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान करेगी, जिन्हें अब तक जिला या राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका नहीं मिला है। इस पहल के साथ ही, बिहार ग्रामीण क्रिकेट लीग आयोजित करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं की खोज बीसीए का उद्देश्य गांवों, स्कूलों, कॉलेजों और ब्लॉक स्तर पर छिपी हुई क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें राज्य की मुख्यधारा में लाना है। इस लीग में 13 से 23 वर्ष की आयु के खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। चयनित खिलाड़ियों को भविष्य में बिहार का प्रतिनिधित्व करने के लिए बड़े मंच प्रदान किए जाएंगे। बीसीए अध्यक्ष राकेश तिवारी ने कहा, बिहार ग्रामीण लीग (बीआरएल) हमारी एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके तहत हम उन खिलाड़ियों की खोज करेंगे, जिन्हें अब तक अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर नहीं मिला। हमारा लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें तराशा जाए और क्रिकेट की मुख्यधारा में लाया जाए। लीग का ढांचा और प्रारूप लीग की शुरुआत सभी जिलों में टैलेंट हंट कार्यक्रमों के आयोजन से होगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से खिलाड़ियों का चयन कर 16 टीमें बनाई जाएंगी, जो जिला स्तरीय टूर्नामेंट में भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट का आयोजन नॉकआउट प्रारूप में होगा। प्रत्येक जिले में कुल 15 मैच खेले जाएंगे, जिसमें 8 लीग मैच, 4 क्वार्टर फाइनल, 2 सेमीफाइनल और 1 फाइनल शामिल होगा। सभी जिलों को मिलाकर कुल 570 मैच खेले जाएंगे। जिला फाइनल में सेलिब्रिटी, स्टार क्रिकेटर और ब्रांड एंबेसडर भी शामिल होंगे। सुपर लीग का आयोजन जिला स्तरीय टूर्नामेंट के बाद बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी बिहार ग्रामीण लीग सुपर लीग में भाग लेंगे।

इंग्लैंड ने भारत को 26 रन से हराया, बेन के बाद ओवरटन चमके, सीरीज 2-1 पर पहुंची

राजकोट, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

राजकोट: पांच टी20 मैचों की सीरीज के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 26 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज में खुद को बरकरार रखा है। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टी20 मैच में राजकोट के निरंजन शाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच में टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतने के बाद पहले फील्डिंग करने का फैसला किया था। मुकाबले में इंग्लैंड ने की टीम ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 9 विकेट के नुकसान पर 171 रन का स्कोर खड़ा किया था, जिसके जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 149 रन ही बना पाई।

भारत के लिए तीसरे टी20 मैच में कोई भी बल्लेबाज अपना कमाल नहीं दिखा सके। हार्दिक पांड्या जरूर कुछ देर के लिए क्रीज पर समय बिताया, लेकिन इंग्लैंड की कसी हुई गेंदबाजी के वह बेबस नजर आए। हार्दिक पांड्या 35 गेंद में 40 रनों की पारी खेली, जिसमें उन्होंने 2 छक्के और 1 चौका शामिल रहा। टी20 में टीम इंडिया के लिए हार्दिक की यह सबसे धीमी पारियों में से एक थी। इसके अलावा अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन भी कुछ खास नहीं कर पाए जबकि दूसरे टी20 में जीत के हीरो रहे तिलक वर्मा 18 रन बनाकर बोल्ड हो गए।भारत के लिए इस मुकाबले में मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कमाल की गेंदबाजी की। वरुण ने इस टी20 में अपना पंजा खोला। हालांकि, उनकी यह यह मेहनत टीम इंडिया के लिए काम नहीं आई। वरुण चक्रवर्ती ने टीम इंडिया के लिए चार ओवर के स्पेल में 24 रन देकर 5 विकेट झटके। वरुण के अलावा हार्दिक पांड्या ने भी दो विकेट हासिल किए।वहीं रवि बिश्नोई और अक्षर पटेल ने भी अपनी फिरकी-फिरकी से एक-एक सफलता हासिल की। इसके अलावा 436 दिन बाद टीम इंडिया के लिए मैदान पर वापसी करने वाले मोहम्मद शमी ने तीन ओवर की गेंदबाजी की जिसमें उन्हें एक भी हासिल नहीं हुआ है। इस तरह गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन का फायदा टीम इंडिया के बल्लेबाज नहीं उठा पाए।इंग्लैंड की जीत में स्पिनर आदिल राशिद बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खास तौर से बीच के ओवर में भारतीय बल्लेबाजों को उन्होंने पूरी तरह से बांध दिया। इस दौरान वह बीच में विकेट भी निकाले, जिससे टीम इंडिया पर दबाव बढ़ता चला और इंग्लैंड की टीम ने मैच को अपने नाम कर लिया। आदिल राशिद की गेंदबाजी की बात करें तो उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 15 रन दिए और 1 विकेट भी हासिल किया।आदिल राशिद के अलावा इंग्लैंड की तरफ से मैच में जैम ओवरटर्न ने सबसे ज्यादा तीन विकेट अपने नाम किए। ओवरटर्न के अलावा इंग्लिश की टीम तरफ से जोफ्रा आर्चर और ब्रेडन कार्स के खाते में भी दो-दो विकेट आया जबकि मार्क वुड ने भी अपनी टीम के लिए एक सफलता हासिल की।इंग्लैंड की तरफ से बल्लेबाजी में ओपनर बल्लेबाज बेन डकेट ने आकर्षक पारी खेली। बेन डकेट ने अपनी टीम के लिए पारी की शुरुआत करते हुए 28 गेंद में 51 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 2 छक्के भी लगाए। बेन डकेट के अलावा लियाम लिविंगस्टोन ने भी दमदार खेल दिखाया। लिविंगस्टोन ने अपनी टीम के लिए 43 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया।लिविंगस्टोन ने अपनी इस पारी में 24 गेंद का सामना किया, जिसमें 5 छक्के और 1 चौका शामिल रहा।

आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ़ द ईयर 2024 चुनी गईं अमेलिया केर

दुबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर ने मंगलवार (28 जनवरी) को आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ़ द ईयर 2024 का प्रतिष्ठित खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। केर ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस के चलते पहली बार राचेल हेहो-फ्लिंट ट्रॉफी जीती और ऐसा करने वाली न्यूजीलैंड की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं।

टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक प्रदर्शन

केर ने अक्टूबर 2024 में दुबई में हुए टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड को पहली बार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 43 रन बनाए और 3/24 का स्पेल फेंका। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दोनों पुरस्कारों से नवाजा गया। टी20 विश्व कप में, अमेलिया केर ने 6 मैचों में 15 विकेट लिए और 7.33 की शानदार औसत से गेंदबाजी की। साथ ही, बल्ले से 135 रन भी बनाए। पूरे साल टी20 प्रारूप में, उन्होंने 15.55 की औसत से 387 रन बनाए और 29 विकेट हासिल किए।

वनडे में भी किया कमाल

50 ओवर के प्रारूप में भी केर का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 2024 में 33.00 की औसत से 264 रन बनाए और 14 विकेट अपने नाम किए। इनमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार-चार विकेट लेने के शानदार स्पेल शामिल हैं।

अन्य नामांकित खिलाड़ी

अमेलिया केर ने यह पुरस्कार जीतने के लिए दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट, श्रीलंका की चमारी अथापट्टू, और ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। इसके अलावा, उन्होंने महिला टी20ई क्रिकेटर ऑफ द ईयर का खिताब भी अपने नाम किया। केर की प्रतिक्रिया अमेलिया केर ने इस उपलब्धि पर कहा: आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ़ द ईयर के लिए राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी जीतना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। व्यक्तिगत पुरस्कारों के बारे में ज्यादा नहीं सोचते, लेकिन यह वाकई खास है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में विजेता ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए इटली के जैनिक सिनर।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में पारी की शुरुआत करेंगे ट्रेविस हेड

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया ने गाले में श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए उस्मान ख्वाजा के सलामी जोड़ीदार के रूप में ट्रेविस हेड को चुना है। ख्वाजा के साथ पहले नाथन मैकस्वीनी और बाद में सैम कोंस्टास ने भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में जोड़ी बनाई थी। लेकिन अब उपमहाद्वीप दौरे के लिए, वे उस फॉर्मूले पर वापस जा रहे हैं जो 2023 में भारत दौरे के दौरान कारगर साबित हुआ था और टेस्ट क्रिकेट में अपने बल्लेबाजी क्रम के साथ लचीलापन रखने के बारे में उन्होंने जो विचार रखा था, उसे और आगे बढ़ा रहे हैं।

मैच से एक दिन पहले स्टीव स्मिथ ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, उन्होंने (हेड) भारत में नई गेंद के खिलाफ वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने स्पिनरों पर तुरंत दबाव डाला और हम जानते हैं कि अगर वे ऐसा करते हैं तो वे सीम को कितनी अच्छी तरह हिट करते हैं। उन्हें देखना मजेदार होगा।

स्मिथ ने हालांकि अंतिम एकादश का नाम बताने से मना कर दिया, उन्होंने इंतज़ार करने और परिस्थितियों को देखने को प्राथमिकता दी।

उन्होंने कहा, हम इंतज़ार करेंगे और देखेंगे कि हमें क्या मिलता है, शायद खेल की सुबह, और फिर वहाँ से आगे बढ़ेंगे। लेकिन चीजें बहुत जल्दी बदल सकती हैं, दुनिया के इस हिस्से में, सूरज बहुत ज़्यादा नहीं निकला है। इसलिए हम विकेट पर एक बार फिर नज़र डालेंगे, और फिर वहाँ से, हम टॉस के समय टीम का नाम तय करेंगे।

इसका मतलब यह हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया 19 वर्षीय कोंस्टास को बाहर रखने पर विचार कर सकता है, जिसने अपने करियर की शुरुआत में ही अपनी छाप छोड़ी थी। स्मिथ ने अभी भी उन्हें टीम में रखने के सकारात्मक पहलुओं को देखा।

उन्होंने कहा, अगर वह नहीं खेलता है तो उसे यहाँ बहुत अभ्यास करना होगा, जो अपने आप में विकास के लिए बहुत बढ़िया है। आप जानते हैं, मुझे केवल 2013 के बारे में सोचना है, जब मैंने पहले कुछ टेस्ट नहीं खेले थे, और नेट पर मैंने जितनी गेंदें खेली थीं, और नेट गेंदबाजों का सामना करने से मैंने जो कौशल विकसित किए थे और इस तरह की चीजें। इसलिए चाहे वह खेले या नहीं, मुझे लगता है कि यह उसके लिए एक शानदार अनुभव होने वाला है। वह बहुत कुछ सीखने वाला है। इसके अलावा, स्मिथ ने पुष्टि की कि वह बिग बैश लीग में खेलते समय लगी कोहनी की चोट से अच्छी तरह से उबर चुके हैं, जिसने दौरे से पहले चिंता पैदा कर दी थी। उन्होंने कहा, सौभाग्य से यह मुख्य रूप से मांसपेशियों की चोट थी, यह बहुत जल्दी ठीक हो गई। मैं वास्तव में बिना टेप के बल्लेबाजी कर रहा हूं। इसी तरह, शिविर में दूसरी चोट की चिंता बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन की थी, जो अब फिट हो गए हैं। स्मिथ ने कहा, जाहिर है कि सर्जन ने उनके लिए बहुत बढ़िया काम किया है, ताकि वह फील्डिंग कर सकें और पिछले कुछ दिनों में वह जो कुछ भी कर पाए हैं, वह कर सकें, हम थोड़े हैरान हैं। या तो वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं या फिर उनमें दर्द सहने की अद्भुत क्षमता है।

लक्ष्य सेन, अंकिता ध्यानी एथलीट परेड में करेंगे उत्तराखंड का नेतृत्व

देहरादून, 28 जनवरी (एजेंसियां)।

ओलंपिक खेलों के बैडमिंटन सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी और उत्तराखंड के गर्व, लक्ष्य सेन, और ओलंपिक लंबी दूरी की धावक अंकिता ध्यानी, 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में उत्तराखंड के ध्वजवाहक की भूमिका निभाएंगे। यह समारोह आज देहरादून में आयोजित किया जा रहा है।

अपने-अपने राज्यों का नेतृत्व करने वाले अन्य प्रमुख ध्वजवाहकों में शामिल हैं:

एलावेनिल वलारिवन (गुजरात): 2019 विश्व चैंपियन और ओलंपियन 10 मीटर एयर राइफल शूटर।

अदिति स्वामी (महाराष्ट्र): महिला कंपाउंड तीरंदाजी की 2023 विश्व चैंपियन।

ओमप्रकाश मिथ्रवाल (राजस्थान): 2018 विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर पिस्टल स्वर्ण पदक विजेता।

राजस्थान की ओर से ओमप्रकाश के साथ निशा कंवर भी ध्वजवाहक होंगी। निशा सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित हैं और 2023 विश्व शूटिंग पैरा स्पोर्ट चैंपियनशिप में मिश्रित टीम एयर पिस्टल में पोडियम फ़िनिश हासिल कर चुकी हैं। उनकी उपस्थिति भारतीय ओलंपिक संघ के समावेशिता के उद्देश्य को दर्शाती है।

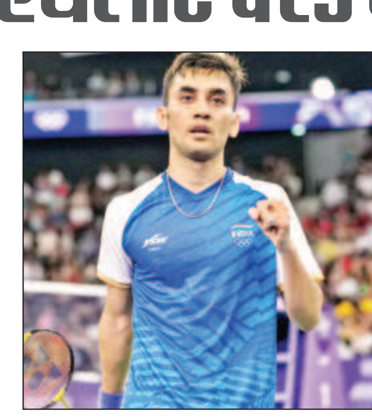

ध्वजवाहकों की सूची में अन्य दिग्गज-

प्रतीक वाकर (महाराष्ट्र): भारतीय पुरुष खो-खो टीम के कप्तान।

तरुणदीप राय (सिक्किम): तीन बार के ओलंपियन तीरंदाज।

आशी चौकसे (मध्य प्रदेश): हांग्जो 2022 एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर राइफल टीम की रजत पदक विजेता।

अंजुल नामदेव (सर्विसेज): वुशु स्टार।

अश्मिता चालिहा (असम): बैडमिंटन खिलाड़ी।

हरिंदरपाल सिंह संधू (तमिलनाडु): अर्जुन पुरस्कार विजेता और हांग्जो 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता।

धर्षिनी थिरुनावक्कारासु (तमिलनाडु): बास्केटबॉल अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय चैंपियनशिप की सबसे मूल्यवान खिलाड़ी।

समारोह की झलकियां - इस समारोह में एथलीटों की परेड, हाइड्रोलिक कड़ाही में खेलों की मशाल का प्रज्वलन और शपथ समारोह मुख्य आकर्षण होंगे।

सांस्कृतिक प्रस्तुति के तहत शिव तांडव से प्रेरित एक उद्घाटन कार्यक्रम और 'धैर्य, शौर्य और निश्चय' थीम पर आधारित प्रस्तुति भी होगी। इसके अलावा, उत्तराखंड बैंड 'पांडवों' का एक घंटे का संगीत प्रदर्शन दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगा। देहरादून में जन्मे लोकप्रिय गायक जुबिन नौटियाल पारंपरिक कार्यक्रम के समापन के बाद अपनी प्रस्तुति देंगे।

खेलों का आयोजन और समापन - उत्तराखंड ने राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में व्यापक तैयारियां की हैं। हल्द्वानी में समापन समारोह से एक दिन पहले, 13 फरवरी को खेल प्रतियोगिताएं समाप्त होंगी। 35 खेल विषयों में लगभग 450 स्वर्ण पदक दांव पर हैं, जिसमें देश भर से आए एथलीट अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

खेल और संस्कृति का अद्वितीय संगम

राष्ट्रीय खेलों का यह आयोजन न केवल खेलों के प्रति उत्साह को बढ़ावा देगा, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाएगा। खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए यह एक यादगार अनुभव साबित होने की उम्मीद है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली,28 जनवरी (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट नजर आ रही है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये से लेकर 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 75,390 रुपये से लेकर 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 96,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सेबी ने 8 यूनिट्स को फ्रंट रनिंग मामले में प्रतिबंधित किया, 4.82 करोड़ रुपये की राशि जब्त

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फिर से फ्रंट रनिंग के मामले में कड़ी कार्रवाई की है। सेबी ने 8 यूनिट्स को सिक्योरिटी मार्केट्स से प्रतिबंधित कर दिया है, जिन्होंने फ्रंट रनिंग के कथित तौर पर 4.82 करोड़ रुपये की राशि कमाई थी। फ्रंट रनिंग एक गैरकानूनी गतिविधि है जो शेयर बाजार में होती है। इसका मतलब होता है कि किसी व्यक्ति गैर सार्वजनिक जानकारी का इस्तेमाल करके लेन-देन कर रहा है। सेबी का कहना है कि ये इकाइयां फ्रंट रनिंग के सौदों में शामिल थीं और वे अधिनियमों का उल्लंघन कर रही थीं। सेबी ने इस मुद्दे पर कार्रवाई करते हुए आठ इकाइयों को प्रतिबंधित कर दिया है। उन्हें सेक्योरिटी मार्केट्स में खरीद-बिक्री या सौदेबाजी करने से अगले आदेश तक रोक दिया है। सेबी ने कहा है कि इन इकाइयों ने गगनदीप कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड के सौदों में फ्रंट रनिंग का इस्तेमाल किया था, जिससे बड़े नुकसान की संभावना थी। सेबी ने अब इन इकाइयों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है और उन्हें अगले कदम तक रोक लगाई गई ।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बिना लॉक-इन और एग्जिट चार्ज के निवेश का मौका

नई दिल्ली। यूटीआई म्यूचुअल फंड ने अपना नया ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम 'यूटीआई निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स फंड - रेगुलर प्लान' लॉन्च किया है।

इंडेक्स शेयरों में हुई खरीदारी से मजबूती के साथ बंद हुआ घरेलू बाजार

आखिरी घंटे में मुनाफा वसूली के कारण ऊपरी स्तर से फिसले सेंसेक्स और निफ्टी

स्मॉल और मिडकैप शेयरों की गिरावट से निवेशकों को 1.16 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली,28 जनवरी (एजेंसियां) ।

सोमवार को बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने जोरदार वापसी की। के कारोबार में बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही, जिसके कारण दिन के कारोबार में सेंसेक्स 1,100 अंक से अधिक और निफ्टी 300 अंक से अधिक उछलने में सफल रहे। हालांकि, आखिरी 1 घंटे के कारोबार में दिन के ऊपरी स्तर पर हुई मुनाफा वसूली के कारण दोनों सूचकांक सर्वोच्च स्तर से नीचे गिर कर बंद हुए। पूरे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.71 प्रतिशत और निफ्टी 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के अलावा रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, पावर, यूटिलिटी, इंडस्ट्रियल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, ऑयल एंड गैस, मेटल, एफएमसीजी, आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 409.15 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 410.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 1.16 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,084 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,311 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,663 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 110 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,579 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 767 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,812 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 292.83 अंक की मजबूती के साथ 75,659 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर 75,622.88 अंक के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शाम 3 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स 1,146.79 अंक की मजबूती के साथ 76,512.96 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, ये सूचकांक इस ऊंचाई पर अधिक देर तक टिक नहीं सका। बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 611.55 अंक का गोता लगा कर 535.24 अंक की बढ़त के साथ 75,901.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 131.30 अंक उछल कर 22,960.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक गिर कर 22,857.65 अंक के स्तर पर आ गया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के करीब एक घंटा पहले निफ्टी 308.80 अंक की तेजी के साथ 23,137.95 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 180.70 अंक टूट कर 128.10 अंक की मजबूती के साथ 22,957.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फाइनेंस 4.26 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 3.77 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.61 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 3.35 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक 2.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, सन फार्मास्यूटिकल 4.55 प्रतिशत, ब्रिटानिया 2.23 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 2.22 प्रतिशत, ग्रासिम 1.90 प्रतिशत और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 1.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

टियर 2 और टियर 3 बाजारों में 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे

नई दिल्ली,28 जनवरी (एजेंसियां) ।

एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारतीय छोटे शहरों के तेज विकास से साल 2033 तक टियर 2 और टियर 3 शहर के बाजारों में लगभग 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है। इसका 75 प्रतिशत हिस्सा पुरुष और 25 प्रतिशत हिस्सा महिलाएं होंगी। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद का अनुमान है कि भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी।

भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी

वर्तमान में पर्यटन और आतिथ्य सेक्टर देश में रोजगार का लगभग 8 प्रतिशत योगदान करता है। रिपोर्ट के मुताबिक क्षेत्रीय खर्च 2034 तक 1.2 गुना बढ़ने की संभावना है और इससे देश में कुशल कार्यबल की मांग और अधिक बढ़ेगी। महामारी के प्रभाव के बाद अधिक कनेक्टिविटी और धार्मिक पर्यटन की लोकप्रियता के कारण टियर 2 और 3 शहर अब पर्यटन के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2028 तक, इस क्षेत्र से 59 बिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है और 2030 तक अस्थायी और स्थायी नौकरियां सृजित होंगी। धार्मिक पर्यटन केंद्र जैसे अयोध्या, वाराणसी, हरिद्वार और मथुरा इस वृद्धि का नेतृत्व कर रहे हैं। आगे बढ़ रहे शहरों में लखनऊ, जयपुर, कोच्चि और ऋषिकेश भी हैं। इन शहरों में नए ट्रेंड्स जैसे डेस्टिनेशन वेडिंग, एडवेंचर स्पोर्ट्स, इकोटूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन भी उभर रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास के लिए टूर गाइड, होटल स्टाफ और स्थानीय कारीगरों को अच्छे से प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत करोड़ों लोगों...

उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वतंत्रता के बाद से इस क्षेत्र में अभूतपूर्व अवसर देखने को मिल रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि सिंगापुर के राष्ट्रपति ने भी हाल ही में ओड़ीशा का दौरा किया और सहयोग के लिए राज्य की क्षमता को लेकर अपना उत्साह जताया।प्रधानमंत्री ने गुजरात में अपने कार्यकाल के दौरान ओड़ीशा के लोगों के कौशल, कड़ी मेहनत और ईमानदारी को देखने के अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यहां उभर रहे नए अवसर राज्य को विकास की अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। उन्होंने दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से प्रगति की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि 5,000 अरब डॉलर (पांच ट्रिलियन डॉलर) की अर्थव्यवस्था का मील का पत्थर भारत की पहुंच के भीतर है।श्री मोदी ने कहा, पिछले एक दशक में विनिर्माण में भारत की ताकत स्पष्ट दिखाई दे रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश का आर्थिक विस्तार दो स्तंभों अभिनव सेवा क्षेत्र और गुणवत्ता वाले सामान का उत्पादन पर निर्भर करता है।प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत केवल कच्चे माल के निर्यात पर निर्भर नहीं रह सकता। उन्होंने देश के भीतर संवर्धन को बनाए रखते हुए पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने के प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने खनिजों और समुद्री खाद्य पदार्थों को विदेशों में मूल्य संवर्धन के लिए निर्यात करने के बजाय भारत के भीतर ही संसाधित करने जैसे रुझानों में बदलाव पर प्रकाश डाला और आश्वासन दिया कि राज्य के प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित उद्योग उसके भीतर ही विकसित किए जा रहे हैं।प्रधानमंत्री ने हरित नौकरियों की बढ़ती संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने हरित प्रौद्योगिकी और सौर, पवन, जलविद्युत और हरित हाइड्रोजन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में भारत की पहलों की ओर इशारा किया, जो देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि ओड़ीशा में इस संबंध में अपार संभावनाएं हैं और इस बदलाव का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर हरित हाइड्रोजन और सौर ऊर्जा मिशन शुरू किए गए हैं।उन्होंने हाइड्रोजन ऊर्जा उत्पादन की पहल के साथ-साथ ओड़ीशा में नवीकरणीय ऊर्जा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों का उल्लेख किया। श्री मोदी ने ओड़ीशा में पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में विकास पर भी प्रकाश डाला, पारादीप और गोपालपुर में औद्योगिक पार्कों और निवेश क्षेत्रों की स्थापना का उल्लेख किया, जो पर्याप्त निवेश के अवसर प्रदान करते हैं।प्रधानमंत्री ने कहा, 21वीं सदी भारत के लिए कनेक्टेड इंफ्रास्ट्रक्चर और मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी का युग है। उन्होंने कहा है कि विशेष इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है, जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बना रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि देश भर में प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं वाले कई औद्योगिक शहर विकसित किए जा रहे हैं। ओड़ीशा में भी इसी तरह की प्रगति हो रही है, राज्य में रेलवे और राजमार्ग नेटवर्क के लिए हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं।

श्री मोदी ने हितधारकों से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों से उत्पन्न चुनौतियों को पहचानने का आग्रह किया। उन्होंने वैश्विक उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए देश के भीतर मजबूत, आत्मनिर्भर आपूर्ति और मूल्य श्रृंखलाओं के निर्माण के महत्व पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने इस विजन को हासिल करने में सरकार और उद्योग दोनों की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने उद्योगों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और स्टार्टअप का समर्थन करने का आह्वान किया, विकास में अनुसंधान और नवाचार की भूमिका पर विशेष जोर दिया है।

भारत को अमेरिका ...

बढ़ने के महत्व पर जोर दिया।उन्होंने कहा,नेताओं ने हमारे देशों के बीच दोस्ती और रणनीतिक संबंधों की ताकत को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी की व्हाइट हाउस यात्रा की योजना पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी और हिंद-प्रशांत क्वाड साझेदारी को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया, इस साल के अंत में भारत पहली बार क्वाड नेताओं की मेजबानी करेगा।

श्री मोदी ने सोमवार रात को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बात करके खुशी हुई। उन्हें उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। हम पारस्परिक रूप से लाभप्रद और विश्वसनीय साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने लोगों के कल्याण और वैश्विक शांति, समृद्धि और सुरक्षा के लिए मिलकर काम करेंगे।भारत की ओर से जारी बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री मोदी ने आज अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प से बात की और उन्हें अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। दोनों नेताओं ने पारस्परिक रूप से लाभप्रद और विश्वसनीय साझेदारी के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने प्रौद्योगिकी, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्रों सहित व्यापक द्विपक्षीय व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं और इसे आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की।बयान में कहा गया, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया और यूक्रेन की स्थिति सहित वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया तथा वैश्विक शांति, समृद्धि और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। नेताओं ने संपर्क में बने रहने और जल्द ही पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीख पर मुलाकात करने पर सहमति व्यक्त की।

महिलाओं को ...

यह बेशक एक रूढ़ीवादी सोच ही है।

इस पर सवाल उठाने वालों का कहना है कि बीते जमाने का यह सबक देकर यूनुस सरकार तालिबानी सोच दर्शा रही है। शिक्षा क्षेत्र में काम कर रहे जानकारों का मानना है कि स्कूली किताबों में महिला और पुरुष में समानता का सबक दिया जाना चाहिए। बांग्लादेशी समाज में महिलाओं को आगे आने के लिए अवसर दिए जाने चाहिए, उनको बराबर का महत्व दिया जाना चाहिए।लेकिन बांग्लादेश का दुर्भाग्य है कि आज वहां आधुनिक सोच की बजाय पाषाणकालीन सोच हावी हो रही है, समाज में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की जहरीली सोच रोपी जा रही है। यूनुस सरकार तालिबान हुकूमत बनने को उतावली है। डर यह है कि आगे यह सरकार महिलाओं के विरुद्ध फतवे जैसे न जारी करने शुरू कर दे जैसा कि अफगानिस्तान में हो रहा है।

न्यायालय ने ताहिर...

उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा कि ताहिर हुसैन को हिरासत में पैरोल की शर्त के तहत सुरक्षा खर्च के रूप में प्रतिदिन 2.47 लाख रुपये जमा कराने होंगे।

अदालत ने कहा कि हुसैन को करावल नगर स्थित अपने घर, जो कथित तौर पर दंगों का स्थल है, नहीं जाना चाहिए, साथ ही उन्हें मामले के गुण-दोष पर कोई भी सार्वजनिक टिप्पणी करने से भी रोक दिया गया।न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस आदेश को मिसाल नहीं माना जाएगा क्योंकि यह मामले के विचित्र तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पारित किया गया था।अदालत ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय में हुसैन की जमानत याचिका पर पीठ के आदेश से प्रभावित हुए बिना उसके गुण-दोष के आधार पर निर्णय लिया जाना चाहिए।ताहिर हुसैन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि चुनाव प्रचार के लिए केवल चार-पांच दिन बचे हैं।अग्रवाल ने कहा कि उनके मुवक्किल मुस्तफाबाद सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और अपने घर नहीं जाएंगे तथा किसी होटल में रुकेंगे जिसका विवरण साझा करेंगे।अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने ताहिर के अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि उनकी भूमिका गंभीर है। उन्होंने कहा कि अगर राहत दी जाती है तो हर कोई जेल से नामांकन दाखिल करेगा।अदालत ने राजू से कहा कि वह इस बारे में निर्देश मांगें कि किस तरह के खर्च और किस तरह की सुरक्षा की जरूरत होगी। पीठ ने अग्रवाल से यह भी कहा कि हुसैन द्वारा प्रस्तावित शपथपत्र के बारे में सूचित करें।यह आदेश हुसैन की उस याचिका पर पारित किया गया जिसमें उन्हें आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए हिरासत में रहते हुए प्रचार करने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया था।उच्चतम न्यायालय की दो न्यायाधीशों की पीठ द्वारा 22 जनवरी को विभाजित फैसला दिए जाने के बाद हुसैन को अंतरिम जमानत नहीं मिली थी।दिल्ली उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी को हुसैन को 'ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन' (एआईएमआईएम) के टिकट पर मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए हिरासती पैरोल प्रदान की थी।उच्च न्यायालय ने हालांकि 14 जनवरी से नौ फरवरी तक अंतरिम जमानत के हुसैन के अनुरोध को खारिज करते हुए कहा था कि उनके खिलाफ गंभीर आरोप हैं।उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 24 फरवरी, 2020 को दंगे हुए थे, जिसमें 53 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे।हुसैन खुफिया ब्यूरो के कर्मचारी अंकित शर्मा की मौत से जुड़े मामले में आरोपी हैं।

क्या देश के...

धार्मिक स्वतंत्रता को कम करेगा और भारत की विविधता के लिए खतरा होगा।स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने समान नागरिक संहिता के संबंध में कई निर्देश दिए हैं। सफिया का मामला इस बहस को और आगे ले जाता है। यह देखना होगा कि सरकार इस पर क्या जवाब देती है और कोर्ट का क्या फैसला आता है।यह फैसला देश के भविष्य के लिए काफी अहम साबित हो सकता है। क्या सभी धर्मों के लोगों के लिए एक ही कानून होगा? क्या व्यक्तिगत मामलों में धार्मिक कानूनों की जगह धर्मनिरपेक्ष कानून लेंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब आने वाले समय में मिलेंगे। यह मामला निश्चित रूप से देश के कानूनी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। इससे समानता और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने की चुनौती भी सामने आएगी।

भारत की ...

मछली पकड़ने वाली नाव पर सवार 13 मछुआरों में से दो को गंभीर चोटें आई हैं और उनका फिलहाल जाफना टीचिंग अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इसमें कहा गया है कि तीन अन्य मछुआरों को मामूली चोटें आईं हैं और उनका उपचार किया गया है। जाफना स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने घायल मछुआरों से अस्पताल में मुलाकात की और उनका हालचाल जाना तथा मछुआरों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है।विदेश मंत्रालय ने कहा, नई दिल्ली स्थित श्रीलंका के कार्यवाहक उच्चायुक्त को आज सुबह विदेश मंत्रालय में बुलाया गया और घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने भी यह मामला श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय के समक्ष उठाया है। विदेश मंत्रालय ने कहा किसी भी परिस्थिति में बल प्रयोग स्वीकार्य नहीं है। इस संबंध में दोनों सरकारों के बीच मौजूदा सहमति का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

स्पेस में आज होगी...

एनवीएस-02 का वजन तकरीबन 2250 किलो है। बता दें कि एनवीएस-02 29 मई 2023 को जीए-सएलवी-एफ12 के जरिए लॉन्च किया गया था। यह दूसरी पीढ़ी का पहला सैटेलाइट था। वहीं एनवीएस-02, एनवीएस सीरीज का दूसरा सैटेलाइट है। इसमें इसकी पहली पीढ़ी की सैटेलाइट एनवीएस-01 की तरह एल1, एल5 और एस बैंड में नेविगेशन पेलोड के साथ सी-बैंड में रेंजिंग पेलोड भी लगाया गया है। बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान (इसरो) जीएसएलवी-एफ15 का सीधा प्रसारण करेगा।

बौद्ध बहुल अरुणाचल...

भारत भी पश्चिमी लोकतंत्रों की तरह ही है, जहां वास्तव में अल्पसंख्यकों की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है। जबकि, हम दुनिया के एकमात्र देश हैं, जहां बहुसंख्यक सिकुड़ रहे हैं और अल्पसंख्यक बढ़ रहे हैं। डॉ. शमिका रवि धर्मान्तरण और जनसांख्यकी परिवर्तन का उदाहरण देते हुए कहती हैं कि देश में जिस प्रकार से जनसांख्यकी परिवर्तन हो रहा है, वो प्रजनन क्षमता के आधार पर कायम नहीं रह सकती है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री के मुताबिक, प्रजनन क्षमता एकमात्र कारक है, लेकिन धर्मान्तरण उससे आगे है। 2001 तक बौद्ध बहुल आबादी वाला राज्य रहा अरुणाचल प्रदेश 2011 में ईसाई बहुल हो गया।

इसी तरह से पश्चिम बंगाल, असम, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में धर्मान्तरण बड़ा मुद्दा है।

पिछले वर्ष मई में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने एक रिसर्च पेपर जारी किया था, जिसके अनुसार 1950 से 2015 के बीच देश में हिन्दुओं की आबादी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई, जबकि इसी अवधि के दौरान मुसलमानों की जनसंख्या में 43.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

कल से माघ माह के गुप्त नवरात्र

जानें घट स्थापना का समय

विश्व प्रसिद्ध महाकुंभ के मेले के मध्य में माघ माह के आखिरी में वर्ष का अन्तिम गुप्त नवरात्र शुरू होने जा रहा है। ज्ञातव्य है कि वर्ष में चार बार नवरात्र मनाए जाते हैं। यह नवरात्र चैत्र, आश्विन, आषाढ़ और माघ माह में पड़ता है।

महाकुंभ हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व है। नवरात्रि में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। पूरे नौ दिनों तक भक्त देवी मां की भक्ति में लीन रहते हैं। माघ माह की नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। आज हम अपने पाठकों को इस बात की जानकारी देने जा रहे हैं कि माघ माह के गुप्त नवरात्र कब से शुरू होने जा रहे हैं और पहले दिन होने वाली घट स्थापना का शुभ मुहूर्त क्या है?

देवी मां की दस महाविद्याएं

गुप्त नवरात्रि के दैरान इन दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है। दस महाविद्याएं देवी इस प्रकार से हैं- काली, तारा, छिन्नमस्ता, षोडशी, भुवनेश्वरी, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी या कमला। मान्यता है कि देवी मां कि इन 10 महाविद्याओं की पूजा करने से मनुष्य को विशेष सिद्धियां प्राप्त होती हैं और जीवन की सभी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

माघ गुप्त नवरात्रि 30 जनवरी से शुरू होगी। गुप्त नवरात्रि का समापन 7 फरवरी को होगा। माघ की यह नवरात्रि शक्ति उपासना के लिए बहुत श्रेष्ठ मानी जाती है। माघ गुप्त नवरात्रि में साधतक देवी मां की 10 महाविद्याओं की गुप्त रूप से साधना करते हैं।

शारदीय नवरात्रि में किए जाने वाले अधिकांश अनुष्ठान और विधि-विधानों का पालन माघ गुप्त नवरात्रि के समय भी किया जाता है। घटस्थापना मुहूर्त माघ गुप्त नवरात्रि में भी किया जाता है।

गुप्त नवरात्रि घटस्थापना मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का आरंभ 29 जनवरी को शाम 6 बजकर 5 मिनट पर होगा।

प्रतिपदा तिथि समाप्त 30 जनवरी को शाम 4 बजकर 10 मिनट पर होगा। घटस्थापना के लिए शुभ मुहूर्त 30 जनवरी को सुबह 9 बजकर 41 मिनट से सुबह 10 बजकर 59 मिनट तक रहेगा। वहीं घटस्थापना के लिए अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 29 से प्रारंभ होगा और समाप्त दोपहर 1 बजकर 14 मिनट होगा। बता दें कि नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना की जाती है, जिसे घटस्थापना के नाम से भी जाना जाता है।

जीवन के अंधकार में प्रकाश प्रदान करती है देवी शैलपुत्री

देवी दुर्गा के नौ रूप हैं, जिनकी नवरात्रि में पूजा-अर्चना की जाती है। प्रथम स्वरूप- देवी शैलपुत्री हैं, जिनकी नवरात्रि के पहले दिन पूजा-अर्चना की जाती है। पर्वतराज हिमालय पुत्री स्वरूप होने के कारण इन्हें माता शैलपुत्री पुकारा जाता है। वृषभ-स्थिता माता शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल-पुष्प सुशोभित है।

देवी को प्रिय चमेली का फूल अर्पित करें, देवी जीवन के अंधकार को दूर कर जीवन में सफलता के लिए प्रकाश प्रदान करेंगी। मन के कारक चन्द्रदेव की प्रसन्नता और मानसिक शांति के लिए नवरात्रि के पहले दिन माता शैलपुत्री की पूजा-अर्चना करें।

वैसे तो नवरात्रि के व्रत-पूजन से जीवन में सुख-समृद्धि-सफलता आती है लेकिन कर्क राशि के जो श्रद्धालु यदि सभी दिन व्रत नहीं कर सकें तो उन्हें नवरात्रि के पहले दिन का व्रत रख कर जीवन में सुख-समृद्धि-सफलता के लिए देवी शैलपुत्री की आराधना करनी चाहिए। नवरात्रि पर पूजा-अर्चना-घटस्थापना अपने क्षेत्र के धर्मगुरु के निर्देशानुसार करें।

प्रथम चन्द्र दर्शन का है धार्मिक महत्व!

अमावस्या के बाद प्रथम चन्द्र दर्शन का विशेष धार्मिक महत्व है। कई श्रद्धालु चन्द्र दर्शन के बाद ही अपना व्रत खोलते हैं। क्योंकि अमावस्या के बाद चन्द्र दर्शन का समय सूर्यास्त के बाद बहुत कम समय के लिए होता है, इसलिए अपने क्षेत्र के सापेक्ष चन्द्र दर्शन का समय ज्ञात कर लें तो चन्द्र दर्शन का लाभ मिल सकता है।

30 जनवरी 2025, बृहस्पतिवार (17:53 से 18:45)
1 मार्च 2025, शनिवार (18:16 से 19:47)
30 मार्च 2025, रविवार (18:35 से 19:42)
28 अप्रैल 2025, सोमवार (18:53 से 19:42)
28 मई 2025, बुधवार (19:12 से 20:53)
26 जून 2025, बृहस्पतिवार (19:22 से 20:32)
26 जुलाई 2025, शनिवार (19:15 से 20:27)
24 अगस्त 2025, रविवार (18:49 से 19:26)
23 सितम्बर 2025, मंगलवार (18:13 से 18:48)
23 अक्टूबर 2025, बृहस्पतिवार (17:38 से 18:22)
22 नवम्बर 2025, शनिवार (17:19 से 18:31)
21 दिसम्बर 2025, रविवार (17:22 से 18:16)

तीन वस्तुओं का करें दान, बदल सकती है आपकी जिंदगी

माघ मास की गुप्त नवरात्रि साल 2025 में 30 जनवरी से 7 फ़रवरी तक मनाई जाएगी, यह समय आध्यात्मिक साधना और देवी उपासना का समय। इसी दौरान दस महाविद्याओं की पूजा का विशेष महत्व है। जिनमें माँ काली ,माता तारा ,त्रिपुर सुंदरी ,भुवनेश्वरी ,माता छिन्नमस्ता , त्रिपुरा भैरवी, माँ धूमावती, माता बगलामुखी मातंगी और माता लक्ष्मी शामिल है।

नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना का विशेष महत्व माना जाता है, जो शुभ मुहूर्त में की जानी चाहिए। इस वर्ष घटस्थापना के लिए दो शुभ मुहूर्त निर्धारित किए गए हैं। चलिए इस आर्टिकल में विस्तार से समझते हैं, साथ ही साथ यह भी जानते हैं, कि गुप्त नवरात्र के दौरान किन किन चीज़ों का दान किया जा सकता है।

घटस्थापना का शुभ मुहुर्त 9 बजकर 26 मिनट से शुरू होकर 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगा, वहीं दोपहर में शुभ मुहुर्त 12 बजकर 14 मिनट शुरू होकर 12 बजकर 57 मिनट तक रहेगा।

अन्न का दान

माघ गुप्त नवरात्रि के दौरान अन्न का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आप गेहूं, चावल या किसी भी अन्न का दान ग़रीब या ज़रूरतमंद लोगों को कर सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि आपको शुभ फल की प्राप्ति तब ही होगी जब आप ज़रूरतमंद या ग़रीब लोगों को दान करेंगे।

वस्त्रों का दान

इसके अलावा अगर आप नवरात्र के दौरान माँ दुर्गा को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो ऐसे में आप लाल , पीले या सफ़ेद रंग के वस्त्रों का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से माँ दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त होता है, सौभाग्य और आर्थिक समृद्धि की प्राप्ति भी होती है।

गोदान

गुप्त नवरात्रि के दौरान गौ सेवा का भी विशेष महत्व है। गोदान से सभी पापों का नाश होता है और जीवन में सौभाग्य और समृद्धि का आगमन होता है। जब हम गौ माता की सेवा करते हैं तो देवी अन्नपूर्णा और माँ लक्ष्मी दोनों की कृपा प्राप्त होती है।

नवरात्रि में करें चार जरुरी कार्य जो गृहस्थ लोगों को करना चाहिए

गुप्त नवरात्रि में तांत्रिक साधनाएं प्रमुख होती हैं। गृहस्थियों का गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा करना वर्जित माना गया है, लेकिन गृहस्थ लोग इन दिनों में कुछ उपाय कर नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकते हैं।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इन 4 कार्यों को अपनाने से जीवन में सकारात्मकता और सुख-समृद्धि बढ़ेगी। हमें बताया कि गृहस्थ लोग नवरात्रि के नौ दिनों के दौरान कौन से ऐसे 4 काम कर सकते हैं, जिससे नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा पा सकें।

दुर्गा सप्तशती का पाठ करें

मां दुर्गा के कवच या दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। इससे बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

दान करें

जरूरतमंदों को अनाज, वस्त्र, आभूषण, तिल-गुड़ और कुमकुम का दान करें। यह घर में धन-संपदा और सुख-शांति लाता है।

दीप प्रज्वलन

घी का दीपक जलाकर मां दुर्गा का ध्यान करें। यह गृह दोष और वास्तु दोष को खत्म कर उन्नति के मार्ग खोलता है।

लाल कपड़ा बांधें

घर की पूर्व दिशा में लाल कपड़ा बांधें। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और पारिवारिक क्लेश खत्म होते हैं।

साल 2025 में कब-कब है शारदीय, चैत्र और गुप्त नवरात्रि, जानिए तिथी और महत्व

मां दुर्गा को सनातन धर्म में शक्ति और भक्ति का प्रतीक कहा गया है। शक्ति की अवतार मां दुर्गा को कई रूपों में पूजा जाता है। नवरात्रि का त्योहार मां दुर्गा को समर्पित है। साल में चार बार नवरात्रि का त्योहार आता है। इसमें शारदीय नवरात्रि, चैत्र नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि मनाई जाती हैं। नौ दिनों तक मां के अलग अलग स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाती है और व्रत किया जाता है। नौ दिनों के अंतिम दिन कन्याओं को भोजन कराकर मां का आशीर्वाद लिया जाता है। चैत्र माह की नवरात्रि को चैत्र नवरात्रि कहा जाता है और आश्विन माह में आने वाली नवरात्रि को शारदीय नवरात्रि कहा जाता है।माघ और आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि आती हैं और इस दौरान दस महाविद्या की पूजा की जाती है। चलिए जानते हैं कि आने वाले साल यानी 2025 में नवरात्रि किस किस डेट को पड़ रही हैं। यहां जानते हैं चैत्र नवरात्रि, शारदीय नवरात्रि और गुप्त नवरात्रि की तिथियां।

चैत्र नवरात्रि

हिंदू कैलेंडर के अनुसार देखा जाए तो हिंदू नववर्ष के पहले दिन चैत्र नवरात्रि आरंभ होती है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन चैत्र नवरात्रि का पहला दिन होता है। राम नवमी के दिन इसका समापन होता है। मान्यता है कि देवी दुर्गा की आराधना के ये नौ दिन आध्यात्मिक इच्छाओं की पूर्ति के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। साधक नौ दिनों तक मां की पूजा करते हैं और सिद्धि और मोक्ष की प्रार्थना करते हैं। 2025 में चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से आरंभ हो रही हैं, इस दिन व्रत करने वाले जातक घट स्थापना करेंगे। इस दिन घट स्थापना का मुहूर्त सुबह 06।13 मिनट से 10।22 तक है। इसके अलावा घटस्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12.10 से आरंभ होकर दोपहर 12।50 तक होगा। चैत्र नवरात्रि का समापन 7 अप्रैल को होगा और इसी रामनवमी का त्योहार मनाया जाएगा।व्रत करने वाले देवी के भक्त इसी दिन कन्या भोज कराकर अपने व्रत का उद्यापन करेंगे। कहा जा रहा है कि 2025 में मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आ रही हैं।

शारदीय नवरात्रि

शारदीय नवरात्रि आश्विन माह में आते हैं। इस दौरान नौ दिनों तक देवी के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है और अंतिम दिन विजयदशमी का त्योहार मनाया जाता है। विजयादशमी को दशहरा भी कहते हैं और इस दिन जगह जगह पर रावण के पुतले भी जलाए जाते हैं। पश्चिम बंगाल में शारदीय नवरात्रि के अंत के पांच दिनों को काफी धूमधाम से मनाया जाता है। यहां दुर्गा पूजा के पंडाल लगते है और मां दुर्गा की आराधना होती है। 2025 में शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से आरंभ हो रहे हैं। शारदीय नवरात्रि का समापन 2 अक्टूबर के दिन होगा। 22 सितंबर को मां दुर्गा के लिए घट स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 06।09 से आरंभ हो रहा है जो 08।06 बजे तक होगा। इसके अलावा इसके अलावा घट स्थापना का अभिजीत मुहूर्त सुबह 11।49 से दोपहर 12।38 मिनट तक है। 2025 में शारदीय नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं।

गुप्त नवरात्रि

साल 2025 में पहली गुप्त नवरात्रि माघ माह में 30 जनवरी से आरंभ होंगी। इसका समापन 7 फरवरी के दिन होगा। वहीं आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि 26 जून से आरंभ होंगी। इसका समापन 4 जुलाई को होगा। कहा जाता है कि गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा की आर-ाधना गुप्त तरीके से की जाती है। इस दौरान मां दुर्गा की दस महाविद्याओं की गुप्त साधना करने का विधान है। गुप्त नवरात्रि पूजा और आराधना आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने के उद्देश्य से की जाती है।

नवरात्र में करें ये उपाय, घर में बनी रहेगी सकारात्मक उर्जा

पंचांग के अनुसार, हर साल 2 बार गुप्त नवरात्र का त्योहार मनाया जाता है। यह पर्व मां दुर्गा को समर्पित है। गुप्त नवरात्र के दौरान लोग दस महाविद्याओं की उपासना करते हैं। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए व्रत भी किया जाता है।

मान्यता है कि व्रत करने से घर में खुशियों का आगमन होता है और वैवाहिक जीवन की समस्या दूर होती है। अगर आप गुप्त नवरात्र में मां दुर्गा की कृपा पाना चाहते हैं, तो कुछ उपाय जरूर करें। माना जाता है कि उपाय करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। जानते हैं गुप्त नवरात्र के दौरान किए जाने वाले उपाय के बारे में।

घर में बनी रहेगी पॉजिटिव एनर्जी

माघ गुप्त नवरात्र में अखंड ज्योति जलानी चाहिए। रोजाना पूजा के दौरान मां दुर्गा को फल चढ़ाएं। इसके बाद कन्या को प्रसाद बाटें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से घर में पॉजिटिव एनर्जी हमेशा बनी रहती है। साथ ही मां दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है।

वैवाहिक जीवन होगा खुशहाल

अगर आप वैवाहिक जीवन खुशहाल चाहते हैं, तो गुप्त नवरात्र में मां दुर्गा को 16 शृंगार का सामान जरूर अर्पित करें और जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। इस उपाय को करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही रिश्ते मजबूत होते हैं।

धन की समस्या होगी दूर

गुप्त नवरात्र में एक गुलाब के फूल में कपूर का एक टुकड़ा रखें। इसे मां दुर्गा को चढ़ाएं। माना जाता है कि इस टोटके को करने से धन की प्राप्ति होती है। साथ ही धन से जुड़ी समस्या से छुटकारा मिलता है।

रुके हुए का होंगे पूरे

गुप्त नवरात्र में दुर्गा चालीसा का पाठ करना चाहिए। इसका पाठ करने से रुके हुए काम पूरे होते हैं। साथ ही धन लाभ के योग बनते हैं।

पंचांग के अनुसार, माघ शुक्ल प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 29 जनवरी को शाम 06 बजकर 5 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 30 जनवरी को शाम 04 बजकर 01 मिनट पर होगा। ऐसे में माघ गुप्त नवरात्र की शुरुआत 30 जनवरी से होगी।

एक फरवरी को मनाई जाएगी गणेश जयंती

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, भगवान गणेश को किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले विशेष रूप से याद किया जाता है, इसलिए वह प्रथम पूज्य देव कहलाते हैं। गणेश जयंती को माघी गणेश जयंती के नाम से भी जाना जाता है। साथ ही इस तिथि पर विनायक चतुर्थी का व्रत भी किया जाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं गणेश जयंती का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि। माघ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी 01 फरवरी 01 को सुबह 11 बजकर 38 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन 02 फरवरी को सुबह 09 बजकर 14 मिनट पर होने जा रहा है। ऐसे में गणेश जयंती का पर्व शनिवार, 01 फरवरी को मनाया जाएगा। इस दौरान गणेश जी की पूजा का शुभ मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहने वाला है। मध्याह्न गणेश पूजा मुहूर्त – सुबह 11 बजकर 38 मिनट से दोपहर 01 बजकर 40 मिनट तक

गणेश जी की पूजा विधि –सबसे पहले सुबह जल्दी उठकर गणेश जी का ध्यान करें। स्नान आदि से निवृत होने के बाद एक चौकी पर हरे रंग का कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। अब गणेश जी को जल, दूध, शहद और दही से स्नान कराएं। इसके बाद धूप-दीप जलाएं और गणेश जी को फूल, रोली, दुर्वा, सुपारी, फल और मिठाई आदि अर्पित करें। अंत में गणेश जी के मंत्रों व आरती का पाठ करें और सभी में प्रसाद बांटें।

वर्जित चन्द्र दर्शन का समय –गणेश जयंती के दिन चंद्रमा को देखने की मनाही होती है। इस दिन तय अवधि में चंद्रमा देखने से चोरी का दोष लगता है। इसलिए इस दिन सुबह 08:52 से 21:01 तक चंद्र दर्शन न करें। अवधि – 12 घंटे 08 मिनट

गणेश जयंती पर बना रहा शुभ योग –वैदिक पंचांग के अनुसार, गणेश जयंती पर परिघ योग के साथ शिव और रवि योग बन रहा है। इस दिन परिघ योग दोपहर 12 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। इसके बाद शिव योग आरंभ हो जाएगा। इसके साथ ही रवि योग सुबह में 7 बजकर 9 मिनट से बन रहा है, जो अगले दिन 2 फरवरी को तड़के 2 बजकर 33 मिनट तक रहेगा।

षटतिला एकादशी पर इन 6 तरीकों से करें तिल के उपाय, श्री हरि होंगे प्रसन्न, धन-संपदा की होगी प्राप्ति

गणेश जयंती पर भद्रा का साया – गणेश जयंती के दिन भद्रा का साया रात में 10 बजकर 26 मिनट पर लगेगी, जो 2 फरवरी को सुबह 7 बजकर 9 मिनट तक है।

गणेश जयंती का महत्व

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मां पार्वती ने उबटन से गणेश जी की रचना की थी। इस दिन गणेश जी का जन्म हुआ था। गणेश जी की विधिवत पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और जीवन के हर एक दुख-दर्द दूर हो जाते हैं। इसके साथ ही जीवन में शुभ फल पड़ता है और विघ्न बाधाएं से मुक्ति मिल जाती है। इस दिन चंद्र दर्शन करने की मनाही होती है। माघ शुक्ल चतुर्थी, तिलकुट चतुर्थी और वरद चतुर्थी के रूप में भी जाना जाता है।

शत्रुघ्न सिन्हा ने किया खुलासा- रीना रॉय को छोड़ पूनम से शादी करने की यह थी वजह!

साल 1976 की ब्लॉकबस्टर फिल्म कालीचरण से पॉपुलैरिटी हासिल करने वाले एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा ने इसके बाद भी विश्वनाथ, जानी दुश्मन, जमाना दीवाना और दोस्ताना जैसे कई सफल फिल्में दीं और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में खुद को स्थापित किया। लेकिन शत्रुघ्न का निजी जीवन इतना सुलझा हुआ नहीं था। 1980 के दशक की एक पॉपुलर एक्ट्रेस के साथ रोमांस और अफेयर की खबरों के बावजूद शादी के लिए उन्होंने किसी और को चुना। अपनी बायोग्राफी 'एनीथिंग बट खामोश' में शत्रुघ्न ने अपनी अधूरी प्रेम कहानी और उलझी हुई शादीशुदा जिंदगी से जुड़े कई किस्से साझा किए हैं।

रीना रॉय के साथ शत्रुघ्न सिन्हा का कथित रिश्ता

कालीचरण, मिलाप, संग्राम और सत श्री अकाल जैसी फ़िल्मों में उनकी को-स्टार रहीं रीना रॉय के साथ शत्रुघ्न का रिश्ता जगजाहिर था। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के साथ ही उनके ऑफ स्क्रीन रोमांस की चर्चाएं भी बॉलीवुड में सुर्खियां बटोरती रहीं।

रीना को छोड़ पूनम से शादी

हालांकि, रीना के साथ अपने मजबूत रिश्ते के बावजूद, शत्रुघ्न ने पूनम चांदीरामनी से शादी करने का फैसला किया, जो उनकी साथी कलाकार थीं,

शादी के बाद हर दिन रोती थीं सोनाक्षी की मम्मी

जिनसे उनकी पहली मुलाक़ात कई साल पहले एक ट्रेन यात्रा के दौरान हुई थी और बाद में उन्होंने उनके साथ फिल्म सबक में काम किया था। इस फैसले ने सभी को चौंका दिया। एक इंटरव्यू में, शत्रुघ्न ने बताया, कभी-कभी जीवन में, आप खुद को ऐसे चौराहे पर पाते हैं जहां कोई फैसला लेना अविश्वसनीय रूप से कठिन होता है। एक बार निर्णय लेने के बाद, यह हमेशा सभी को खुश नहीं कर सकता है।

'शादी में कमियों की वजह मैं'

उन्होंने खुलासा किया कि पूनम को चुनने के बाद भी, वह झिझक रहे थे और अपनी आजादी खोने से डर रहे थे। स्टारडस्ट के साथ एक इंटरव्यू में, शत्रुघ्न ने कहा, मैं बहुत डरा हुआ था। मैं कुंवारा रहकर खुश था, लेकिन मुझे फैसला करना था। आखिरी पल तक, मैं पीछे हटना चाहता था। शादी बॉम्बे में थी, और मैं लंदन में था। मैंने आ-खिरी फ्लाइट पकड़ी और मुश्किल से समय पर पहुंच पाया। पूनम परेशान थी और उसे लगा कि मैं नहीं आऊंगा। वह मेरे साथ बहुत अच्छी रही है। अगर हमारी शादी में खामियां हैं, तो वे मेरी कमियां हैं, उसकी नहीं।उनकी शादी को शुरुआती चुनौतियों का सामना करना पड़ा, खासकर जब शत्रुघ्न रीना के संपर्क में रहे। अपनी किताब में, उन्होंने स्वीकार किया कि यह एक कठिन समय था। पूनम अक्सर रोती थी, लेकिन वह समझती थी कि मैं अपने पिछले रिश्ते से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा था। अपने जीवन को सुलझाने में समय लगा, क्योंकि वह रीना के प्रति प्रतिबद्ध भी महसूस करते थे। उस दौर को याद करते हुए, उन्होंने लिखा, यह आसान नहीं था। रीना ने मुझसे सवाल किया, 'अब जब तुमने किसी और के साथ घर बना लिया है, तो क्या मैं सिर्फ एक खिलौना हूं जिसे त्याग दिया जाना चाहिए?' यह एक असहज और दर्दनाक स्थिति थी।

1983 में रीना रॉय ने कर ली शादी

आखिरकार, रीना ने आगे बढ़कर 1983 में पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी कर ली, हालांकि उनकी शादी 1992 में टूट गई। रीना ने उसके बाद सिंगल रहना चुना। इस बीच, शत्रुघ्न और पूनम ने अपनी गृहस्थी पर ध्यान दिया , 1983 में उनके जुड़वां बेटे लव और खुश और 1987 में बेटी सोनाक्षी का जन्म हुआ।

सोनाक्षी-जहीर ने सिडनी छुट्टियों की कुछ तस्वीरें पोस्ट की

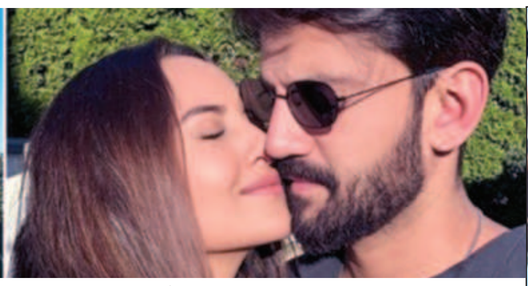

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल जब भी साथ नजर आते हैं तो फैंस उन्हें देखकर काफी खुश होते हैं। बॉलीवुड के इस सुंदर कपल ने नए साल 2025 का जश्न मनाने के लिए सिडनी को चुना था। अब, 'हीरामंडी' अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम एकाउंट से अपनी छुट्टियों की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं।

पहली तस्वीर में जहीर और सोनाक्षी सिन्हा सेल्फी के लिए पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की दो सोलो तस्वीरें हैं। एक तस्वीर में जहीर इकबाल अपनी पत्नी सोनाक्षी सिन्हा के गाल पर किस करते हुए नजर आ रहे हैं। जबकि दूसरी तस्वीर में दोनों अपने हाथों से दिल बना रहे हैं।

'दबंग' अभिनेत्री ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, सिडनी से संडे की सेल्फी। कुछ पोस्टकार्ड जो हम पोस्ट करना भूल गए थे। आखिरी तस्वीर जहीर का आइडिया था।

इससे पहले जहीर इकबाल को सोनाक्षी के साथ मुंबई में डेट नाइट के लिए बाहर निकलते समय देखा गया था। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो के अनुसार, सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने एक साथ पोज दिया। हालांकि, जब फोटोग्राफरों ने दोनों से अकेले पोज देने का अनुरोध किया, तो सोनाक्षी सिन्हा ने अपने सामान्य मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, अब सोलो नहीं करते। सोनाक्षी सिन्हा के आने वाले कुछ प्रोजेक्ट पर बात करे तो वह अगली बार अपने पति जहीर इकबाल के साथ उनकी आगामी ड्रामा, तू है मेरी किरण में अभिनय करती नजर आएंगी। हालांकि, यह प्रोजेक्ट कथित तौर पर एडलैब्स के साथ कानूनी पचड़े में पड़ गया है। अगर रिपोर्टों पर विश्वास किया जाए, तो एडलैब्स का दावा है कि तू है मेरी किरण उन फिल्मों के कॉपीराइट का उल्लंघन कर रही है जिनके अधिकार उनके पास हैं। बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने इससे पहले 2022 की हंसी की सवारी, डबल एक्सएल में स्क्रीन साझा की थी।

सान्या मल्होत्रा मिसेज के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार, 7 फरवरी से होगी स्ट्रीमिंग

सान्या मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म 'मिसेज' में अपनी शानदार भूमिका से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो 7 फरवरी, 2025 को ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। फिल्म 'मिसेज' में अपनी रचनात्मक ऊर्जा और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली, सान्या एक युवा महिला ऋचा का किरदार निभा रही हैं, जो डांसर बनने के अपने सपनों को पारंपरिक घरेलू कर्तव्यों के भार को नियंत्रित करते हुए जीवित रखने का प्रयास करती है। यह फिल्म महिलाओं के रोजमर्रा के संघर्षों, विशेष रूप से सामाजिक अपेक्षाओं के दबाव और लैंगिक असमानता पर प्रकाश डालती है। सान्या द्वारा ऋचा का किरदार निभाना उनकी अभिनय क्षमता का सच्चा प्रमाण है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरे किरदार की यात्रा शांत गहन है, क्योंकि वह बर्तन मांजने से लेकर फिर से बड़े सपने देखने तक जाती है। किसी ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाना एक पुरस्कृत चुनौती है जो रोजमर्रा के दिनचर्या से मुक्त होने और अपनी आवाज खोजने की हिम्मत करता है।

हमेशा की तरह, सान्या ने अपनी भूमिका में गर्मजोशी, आकर्षण और गहरी भावनात्मक ताकत का बेहतरीन मिश्रण डाला है। इसके अलावा उनकी आगामी प्रोजेक्ट देखते हुए, सान्या धर्मा प्रोडक्शंस की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। साथ ही अनुराग कश्यप और बॉबी देओल के साथ उनका आगामी सहयोग भी बहुप्रतीक्षित है।

साक्षी सागर मडोलकर ने मोगली 2025 को बताया अपना ड्रीम प्रोजेक्ट!

साक्षी सागर मडोलकर, जो नामाकूल और अमेजऩ की अपकमिंग सीरीज़ नॉक नॉक के लिए जानी जाती हैं, अब तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में धमाकेदार एंट्री करने जा रही हैं। उनकी पहली तेलुगु फिल्म मोगली 2025 होगी, जिसमें वह रोशन कनकाला के साथ नजर आएंगी। 14 जनवरी 2025 को फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज़ किया गया, जिसने फैंस के बीच खूब हलचल मचाई। साक्षी ने इस प्रोजेक्ट को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है। फैंस उनकी इस नई शुरुआत को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर संदीप राज की फिल्म मोगली 2025 एक शानदार विजुअल और इमोशनल जर्नी का वादा करती है। खूबसूरत जंगल के बैकड्रॉप पर बनी यह फिल्म दमदार कहानी और दिलचस्प ड्रामा का मेल है।ऐसे में फिल्म के रिलीज़ हुए पोस्टर ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है। लोग इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं और इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है। साक्षी सागर मडोलकर ने अपनी तेलुगु डेब्यू फिल्म मोगली 2025 को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कहा है, इतने पैशनेट और टैलेंटेड टीम के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। तेलुगु सिनेमा में अपनी जर्नी की शुरुआत करने को लेकर मैं बेहद खुश हूं। मोगली 2025 मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है, और मैं इंतजार नहीं कर सकती कि ऑडियंस इसे देखें और इसे महसूस करें। फिल्म में साक्षी का किरदार जैस्मिन, जो कहानी की इमोशनल ताकत है, दर्शकों के दिलों को छूने वाला है। साक्षी की एक्साइटमेंट और उनके काम के लिए डेडिकेशन उनकी आंखों में साफ नजर आता है।डायरेक्टर संदीप राज ने भी अपनी लीडिंग लेडी साक्षी की तारीफ करते हुए कहा, साक्षी मोगली 2025 का दिल हैं। दर्शक कुछ सच में खास देखेंगे, और जैस्मिन 2025 के सबसे पसंदीदा फीमेल किरदारों में से एक बन जाएगी। फिल्म की कहानी बेहद आकर्षक है, और शानदार परफॉर्मेंस के साथ-साथ विजुअल्स भी दिल छूने वाले हैं। मोगली 2025 एक ऐसी सिनेमाई अनुभव बन रही है जिसे फैंस मिस नहीं करना चाहेंगे। मोगली 2025 को लीडिंग प्रोड्यूसर टीजी विश्व प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के तले प्रोड्यूस किया है, और इसमें कैची म्यूजिकल स्कोर हैं, जिन्होंने ऑस्कर-विनिंग ट्रैक नातु नातु पर भी काम किया है। इस फिल्म में म्यूजिक और कहानी दोनों का शानदार मेल है, और यह तेलुगु सिनेमा में एक बड़ा धमाका करने के लिए तैयार है। मोगली 2025 एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बनने जा रही है जिसे दर्शक लंबे समय तक नहीं भूल पाएंगे।

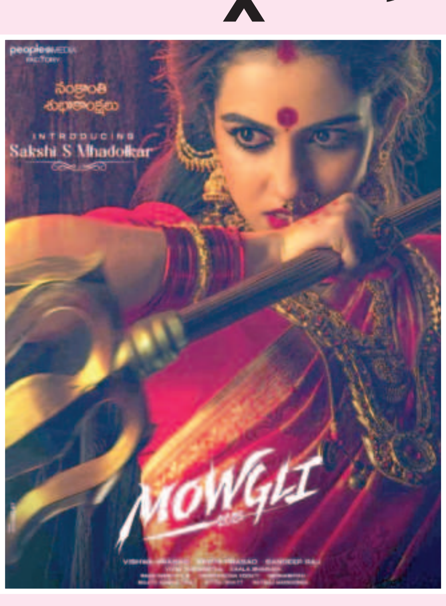

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत पर ग़ौर करने की ज़रूरत है। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है । एक अहम प्रोजेक्ट– जिसपर आप काफ़ी अरसे से काम कर रहे थे– टल हो सकता है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। सेमिनार आदि में भागीदारी आपके व्यावसायिक सम्पर्कों में सुधार लाएगी। शादिशुदा ज़िन्दगी के तमाम मुश्किल दिनों के बाद आप और आपका हमदम फिर प्यार को महसूस कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप अपने सकारात्मक रवैये और आत्मविश्वास की वजह से आस–पास के लोगों को प्रभावित करेंगे। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। कार्यक्षेत्र में आप ख़ुद को ख़ास महसूस करेंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। एक बार आप अपने हमक़दम को हासिल कर लें, तो ज़िन्दगी में किसी और की ज़रूरत नहीं होती। इस बात को आज आप गहराई से महसूस करेंगे। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंग इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत:

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी भावनाओं पर, ख़ास तौर पर गुस्से पर, क़ाबू रखें। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वयं को शांत बनाए रखें , ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 29 जनवरी 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या सायं 06:08 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा प्रातः 08:21 तक
योग : सिद्धि रात्रि 09:21 तक
करण : चतुष्पाद प्रातः 06:57 तक
चन्द्र राशि : मकर
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:05 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:16 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:07 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:58 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30 दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : देव पितृ कार्य माघी मौनी अमावस्या, प्रमुख अमृत स्नान प्रयागराज

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दिल्ली को आप-दा से मुक्ति दिलाएगी भाजपा : भजनलाल

जयपुर,28 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 10 सालों से दिल्ली की जनता के साथ धोखा हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की स्थिति 'दिया तले अंधेरा' जैसी हो गई है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को दिल्ली के मुंडका और रिठाला विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों गजेन्द्र दराल और कुलवंत राणा के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार में लिप्त होकर जनता को भ्रमित किया। उन्होंने कहा कि 'आप' के नेताओं ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से राजनीति शुरू की, लेकिन खुद घोटालों में फंस गए। उन्होंने शराब नीति, क्लासरूम निर्माण और अन्य मुद्दों पर हुए घोटालों का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता अब बदलाव चाहती है।

उन्होंने दिल्ली की समस्याओं जैसे प्रदूषण, टूटी सड़कों, सीवरेज, ट्रैफिक और पेयजल संकट का समाधान भाजपा की डबल इंजन सरकार के जरिए संभव बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड जनता के प्रति ईमानदारी का है।

रिठाला में आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि दिल्लीवासी 'आप' की सच्चाई जान चुके हैं और झूठे वादों से मुक्त होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली को समृद्धि और विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। मुख्यमंत्री ने कई जनकल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की, जिसमें गिग वर्कर्स और टैक्सटाइल वर्कर्स के लिए बीमा और प्रोत्साहन योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने जनता से 5 फरवरी को भाजपा को वोट देने की अपील की। इस अवसर पर सांसद पीपी चौधरी, भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

ज्योतिष को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए : लखावत

जयपुर,28 जनवरी (एजेंसियां)। अपेक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर और पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर- जोधपुर के संयुक्त तत्व-ाधान में आयोजित पाल बालाजी ज्योतिष ज्ञान महोत्सव अंतरराष्ट्रीय एस्ट्रोलॉजी कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन पूर्व सांसद एवं राज्यमंत्री ओंकार सिंह लखावत ने किया। इस अवसर पर संजय शिक्षा समिति के सचिव मनोज जूनीवाल, अपेक्स यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ रवि जूनीवाल, कुलपति प्रोफेसर सोमदेव शतांशु, कॉन्फ्रेंस की संयोजक रंजीता व्यास एवं सह- संयोजक नीतिका शर्मा, आयोजन सचिव भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास, मुख्य वक्ता कैप्टन लेखराज शर्मा, प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य के ए दुबे, डॉ मनोज गुप्ता, अभिषेक जोशी सहित देश विदेश के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य उपस्थित थे। लखावत ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा और ज्योतिष ज्ञान अत्यंत समृद्ध है, इसका उपयोग करके जीवन की सभी समस्याओं का समाधान प्राप्त करना संभव है। विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए ज्योतिष को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए और ज्योतिष संबंधी कोर्सेज विश्वविद्यालयों में चलाए जाने चाहिए।

इससे पूर्व ज्योतिष के अनेक विद्वानों ने ज्योतिष के विभिन्न विषयों पर बोलते हुए कहा कि आज के समय में विवाह विच्छेद एक बड़ी समस्या है, इससे बचने के लिए विवाहों में होने वाले धन प्रदर्शन से बचकर नीति नियम और ज्योतिष के द्वारा दिए गए मुहूर्त का पालन किया जाना चाहिए। हम अत्यधिक धन प्रदर्शन में अपने मूल संस्कार भूलते जा रहे हैं। ज्योतिष के प्रकांड विद्वान डॉक्टर खींवराज शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को सूर्योदय पूर्व उठकर नियम से सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना चाहिए।

राइजिंग राजस्थान- 1100 करोड़ का निवेश धरातल पर

जयपुर,28 जनवरी (एजेंसियां)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 में निष्पादित किए गए एमओयू एक के बाद एक धरातल पर उतर रहे हैं। रीको द्वारा चार और प्रमुख कम्पनियों मेक्सोप इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड, रॉकमेन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, लाइटपाथ वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड और सन पॉलिटेक्स प्राइवेट लिमिटेड को औद्योगिक इकाई लगाने के लिए भूखण्ड आवंटित कर दिए गए हैं। इनमें मेक्सोप इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड को भिवाड़ी जिले के कारोली औद्योगिक क्षेत्र, रॉकमेन इंडस्ट्रीज लिमिटेड को सलारपुर औद्योगिक क्षेत्र (भिवाड़ी), लाइटपाथ वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को भीलवाड़ा जिले के उखलिया औद्योगिक क्षेत्र एवं सन पॉलिटेक्स प्राइवेट लिमिटेड को कलड़वास औद्योगिक क्षेत्र (उदयपुर) में भूमि उपलब्ध करवाई गई है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के दौरान इन कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने राज्य में निवेश करने में रूचि दिखाते हुए राज्य सरकार के साथ एमओयू किए थे। एमओयू के पश्चात रीको द्वारा भूमि आवंटन से लेकर परियोजना की शुरूआत तक, सभी प्रक्रियाओं को कम्पनियों के लिए बहुत ही आसान बनाया जा रहा है। भूखण्ड उपलब्ध होने के पष्चात् कम्पनियों द्वारा जल्द ही औद्योगिक इकाई के परिचालन का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

14 फरवरी को होंगे पंचायतीराज संस्थाओं के उपचुनाव

जयपुर,28 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 14 फरवरी 2025 को जयपुर जिले में पंचायतीराज संस्थाओं में विभिन्न कारणों से रिक्त हुए (जिन पदों का 05 वर्षीय कार्यकाल जनवरी, 2025 एवं मार्च 2025 में पूर्ण हो रहा है उनके अतिरिक्त) पदों पर उपचुनाव होंगे।उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए 29 जनवरी, 2025 को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा लोक सूचना जारी की जाएगी। 3 फरवरी 2025 तक (रविवार, 2 फरवरी 2025 के अतिरिक्त) प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्र स्वीकार किये जाएंगें। 5 फरवरी को सुबह 11 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा होगी तो वहीं, 6 फरवरी को अपराह्न 3 बजे तक नाम वापस लिये जा सकेंगे। शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025 को सुबह 8 बजे से सांय 5 बजे तक मतदान होगा। शनिवार 15 फरवरी, 2025 को प्रातः 9 बजे से जिला मुख्यालय पर जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति मुख्यालय पर पंचायत समिति सदस्य के पद हेतु मतगणना होगी।

जनसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में किया गया कार्य सराहनीय : दिया कुमारी

चूरू,28 जनवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मंगलवार को चूरू जिले के सरदारशहर दौरे पर रही उन्होंने सरदारशहर मुख्यालय पर श्रीबहादुर सिंह भानकंवर आदर्श विद्या मंदिर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया सहित विशिष्ट अतिथि मंचस्थ रहे। अतिथियों ने नवनिर्मित भवन का लोकार्पण कर अवलोकन किया तथा विद्यालय भवन निर्माण करवाने वाले भामाशाह जितेंद्र सिंह शेखावत व लक्ष्मी देवी शेखावत का सम्मान किया।

इस मौके पर संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि जनसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में किया गया कार्य सराहनीय है। भामाशाहों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में किया गया कार्य प्रेरणादायी है। संस्कारों के साथ अच्छे वातावरण में शिक्षा मिलने से भावी पीढ़ी विशाल व्यक्तित्व की धनी होगी और प्रदेश हर क्षेत्र में अग्रणी बनेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं। इसी के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए संकल्पबद्ध है।

हरियाणा से दिल्ली को हो रही 1049 क्यूसेक पानी की सतत आपूर्ति : नायब सिंह

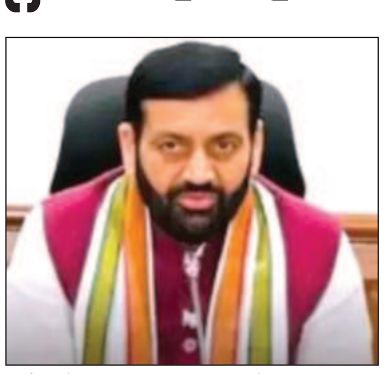

चंडीगढ़,28 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा जहरीले पानी का बयान आम आदमी पार्टी द्वारा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को प्रभावित करने और अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए बनाया गया एक राजनीतिक हथकंडा है। हमने इस मामले की शिकायत चुनाव आयोग से की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करना एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसे हरियाणा बिना किसी कमी के पूरा कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार की विफलता की पोल खोलते हुए कहा कि साल 2021 में, दिल्ली ने एक याचिका दायर की, जिसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने जवाब दिया। इस जवाब में बताया गया कि वजीराबाद तालाब में अमोनिया नाइट्रोजन की समस्या है। साथ ही यह भी बताया गया कि आगरा में एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट है, जो 24 एमजी/एल तक अमोनिया वाले पानी को साफ कर सकता है। लेकिन, दिल्ली सरकार ने अभी तक वजीराबाद के इस प्लांट को अपग्रेड करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। इसी का नतीजा है कि दिल्ली के लोग आज भी गंदा पानी पीने को मजबूर है लेकिन अरविंद केजरीवाल अपनी नाकामी छुपाने के लिए अब हरियाणा पर दोषारोपण कर रहे हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा के लोग यमुना नदी को माँ का स्थान देते हैं। यमुना हरियाणा और दिल्ली दोनों के लिए जीवनदायिनी है, और इसकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का यमुना के पानी में जहर मिलाने का आरोप हरियाणा और उसके लोगों की आस्था का अपमान है। हरियाणा के लोग यमुना को एक पवित्र नदी मानते हैं और इसकी पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के आरोप न केवल आधारहीन है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक परंपराओं और मान्यताओं का भी अपमान है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली को यमुना और रावी-व्यास के हिस्से के पानी से मुनक में 1049 क्यूसेक पीने के पानी की आपूर्ति होती है। हरियाणा इस पानी को दो नहरों कैरियर लाइन चैनल (सीएलसी) और दिल्ली शाखा के माध्यम से दिल्ली को लगातार सप्लाई कर रहा है। वर्ष 2014 में कैरियर लाइन चैनल के चालू होने के बाद से, हरियाणा किसी भी नाले या यमुना नदी के माध्यम से दिल्ली को कोई पानी नहीं देता है और केवल सीएलसी और दिल्ली शाखा की नहर प्रणाली के माध्यम से दिल्ली को साफ पानी सप्लाई किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार दिल्ली को सप्लाई किए जा रहे जल की शुद्धता और इसकी सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 7 से 13 जनवरी 2021 के बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने यमुनानगर (हरियाणा) से लेकर वजीराबाद (दिल्ली) तक पानी की जांच की और प्रदूषण के मुख्य कारणों को जांचा। जांच में पाया गया कि पल्ला और वजीराबाद के बीच गंदा पानी अवैध रूप से छोड़ा जा रहा है। वजीराबाद तालाब में तलछट जमा होने से अमोनिया नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने 2021 से अब तक सीपीसीबी की इस रिपोर्ट पर कोई कदम नहीं उठाया। दिल्ली सरकार द्वारा ना तो पल्ला और वजीराबाद के बीच गंदे पानी के अवैध निर्वहन को रोका गया है और ना ही वजीराबाद तालाब की सफाई के लिए कोई प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अनुरोध करते हुए कहा कि वे जल संरक्षण को प्राथमिकता दें और जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें। जल की बचत न केवल वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

सैनी की अध्यक्षता में 4 फरवरी को होगी कैबिनेट बैठक

चंडीगढ़,28 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने 4 फरवरी को सुबह 10 बजे हरियाणा सचिवालय की चौथी मंजिल स्थित मुख्य सभागार में कैबिनेट की बैठक बुलाई है। इस बैठक में प्रदेश के बजट सत्र की तारीख तय होने की संभावना है। साथ ही विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों और योजनाओं पर चर्चा होगी, जो प्रदेश के विकास और प्रशासनिक दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

हरियाणा के विकास कार्यों और प्रशासनिक रणनीतियों के लिए यह बैठक बेहद खास मानी जा रही है। इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में प्रमुख विभागों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में प्रदेश के समग्र विकास के लिए कुछ बड़े फैसले लिए जा सकते हैं।

जेल में बंद डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को 12वीं बार पैरोल मिली

जेल से आया बाहर, पहली बार जाएगा डेरा

चंडीगढ़,28 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के आरोप में 20 साल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को मंगलवार को एक बार फिर पैरोल दी गई। इस बार 30 दिनों की पैरोल मिली है। पिछले चार सालों में यह राम रहीम सिंह की 12वीं पैरोल है। अगस्त 2017 में दो शिष्याओं से बलात्कार के लिए 20 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद पहली बार वह सिरसा में अपने डेरे में 10 दिनों तक रुकेंगे।

राम रहीम को पिछली बार 20 दिन की पैरोल दी गई थी। यह पैरोल पिछले साल 5 अक्टूबर को हरियाणा में मतदान से चार दिन पहले दी गई थी। अपने अनुयायियों के वोटों को प्रभावित करने की क्षमता के कारण राम रहीम को लगभग दो दशकों तक पंजाब और हरियाणा के राजनीतिक नेताओं और दलों का संरक्षण प्राप्त था।

पिछली बार उन्होंने अपने पिता मगहर सिंह की पुण्यतिथि 5 अक्टूबर का हवाला देते हुए पैरोल मांगी थी, जिसे परमार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है। पिछले साल अक्टूबर से पहले हरियाणा सरकार ने उन्हें अगस्त में 21 दिन की छुट्टी दी थी, जो 2 सितंबर को समाप्त हो गई थी। राम रहीम फिलहाल राज्य की राजधानी चंडीगढ़ से 250 किलोमीटर दूर रोहतक की उच्च सुरक्षा वाली सुनारिया जेल में बंद है। इससे पहले, उच्च न्यायालय ने राम रहीम की अपनी दत्तक बेटियों की शादी समारोह में शामिल होने के लिए पैरोल की याचिका खारिज कर दी थी। राम रहीम को दो महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले में अगस्त 2017 में 20 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। पंचकूला की एक विशेष सीबीआई अदालत ने 2019 में उन्हें और तीन अन्य को 16 साल पहले एक पत्रकार की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

केजरीवाल को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए : बड़ौली

चंडीगढ़,28 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पंडित मोहन लाल बडौली ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के हरियाणा को लेकर दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें झूठ की चलती फिरती दुकान बताया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल झूठ के पर्यायवाची बन गए है और वो झूठ की राजनीति का जीता जागता उदाहरण है। बडौली ने कहा कि झूठ बोलना केजरीवाल की फितरत बन गई है, केजरीवाल जब से राजनीति में आए है सिवाय झूठ बोलने के कोई काम नहीं किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने केजरीवाल के 11 बड़े झूठ गिनाते हुए कहा कि अवसरवादी केजरीवाल ने सबसे पहले ईमानदार और देशभक्त अन्ना हजारे के आन्दोलन का लाभ उठाया और सबको ईमानदारी का पाठ पढ़ाते-पढ़ाते वो भारतीय इतिहास के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री साबित हुए। बडौली ने कहा कि केजरीवाल ने सीएम बनने से पहले कहा कि वो लाल बत्ती की गाडी नहीं लेंगे, लेकिन सीएम बनते ही बड़ी-बड़ी गाड़ियों में घूमने लगे और खुद को आम आदमी बताने वाले केजरीवाल शीशमहल में ऐशो आराम करने लगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केजरीवाल महिला सम्मान की बात करते हैं, लेकिन अपनी ही पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल को अपने शीशमहल में बुलाकर अपने सहयोगियों से उन्हें प्रताड़ित करवाते हैं। मोहल्ला क्लिनिक का झूठा ढोल पीटते हैं, लेकिन दिल्ली के लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ नहीं देते है।

50 करोड़ के गबन में एसीबी की बड़ी कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

पंचकूलाचंडीगढ़,28 जनवरी (एजेंसियां)। एसीबी फरीदाबाद द्वारा 24 जनवरी 2025 को कार्यालय निदेशक, विकास एंव पंचायत विभाग हरियाणा चण्डीगढ से प्राप्त शिकायत के आधार पर राकेश, लिपिक कार्यालय खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, हसनपुर जिला फरीदाबाद व विवादित फर्म मैसर्ज दीपक, मेनपावर सर्विस व अन्य नामालूम अधिकारी/कर्मचारी कार्यालय बी.डी.पी.ओ. हसनपुर, कार्यालय डी.डी.पी.ओ., पलवल तथा कार्यालय निदेशक, विकास एंव पंचायत विभाग हरियाणा व अन्य प्राईवेट व्यक्तियों के विरूद्ध मुकदमा न. 5 दिनांक 24.जनवरी 2025, धारा 43, 66 सी सुचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000, धारा 316 (2) 316 (5), 318 (2), 318 (4), 336 (3), 338, 61 भारतीय न्याय संहिता 2023 व धारा 7 व 13(2)13(1)(ए) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत दर्ज किया गया है।

पंचायत विभाग से प्राप्त शिकायत में आरोप है कि कार्यालय निदेशक, विकास एंव पंचायत विभाग, हरियाणा द्वारा प्रधान महालेखाकार हरियाणा से प्राप्त ऑडिट रिपोर्ट में पाया गया कि कार्यालय निदेशक, विकास एंव पंचायत विभाग हरियाणा के मुख्य लेखा अधिकारी की लॉग इन आई.डी. से बिना उचित प्राधिकरण व मंजूरी के वर्ष 2023-24 व 2024-25 में कार्यालय डी.डी.पी.ओ. पलवल को पर्याप्त धनराशी/बजट आवंटित किया गया है।

मां ने दो बच्चों के साथ नहर में कूदकर आत्महत्या की कोशिश की

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। मांड्या जिले के पांडवपुरा तालुक के बनघट्टा के पास एक मां और उसके दो बच्चों ने नदी में कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना में दो बच्चे पानी में गिर गए, जबकि मां को स्थानीय लोगों ने तुरंत बचा लिया। पुलिस ने बताया कि पांडवपुरा शहर के हारोहल्ली गांव की मूल निवासी धनंजय की पत्नी विद्या अपने बच्चों लिटिशा (8) और किशन (2) के साथ विश्वेश्वरैया नहर में कूद गई। हालांकि रात 8.30 बजे तक तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन बच्चों के शव नहीं मिले। हालांकि, बाल-बाल बची विद्या ने बताया कि सेल्फी लेते समय उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नहर में गिर गई। पुलिस ने संदेह जताया है कि वह सेल्फी लेने के लिए हारोहल्ली से बनघट्टा क्यों गई। इस बीच, पुलिस ने विद्या द्वारा इस्तेमाल की गई मोपेड और मोबाइल फोन दोनों को जब्त कर लिया है। नहर में पानी का स्तर अधिक होने के कारण पुलिस ने सी.एन.एन.एल. अधिकारियों से पानी का बहाव कम करने का अनुरोध किया है। बच्चों के शवों की तलाश जारी है।

मुडा घोटाला मामला

कोर्ट ने सीएम की पत्नी और मंत्री बिरथी सुरेश को जारी ईडी के समन पर लगाई रोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती और शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश को मुडा भूमि घोटाले के मामले में जारी समन पर रोक लगा दी। पीठ ने ईडी की कार्रवाई की जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए पूछा आखिर इतनी जल्दी क्या है? सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती, जिन्हें मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है, को मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था। सीएम की करीबी विश्वासपात्र मंत्री बिरथी सुरेश को सोमवार को ईडी अधिकारियों के समक्ष पेश होना था। पार्वती और सुरेश दोनों ने राहत की मांग करते हुए और ईडी के समन पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए अलग-अलग अदालत का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई तक, जो 10 फरवरी को है, ईडी के समन पर रोक लगा दी। सीएम सिद्धरामैया की पत्नी के वकील संदीप चौटा ने तर्क दिया कि पार्वती के खिलाफ 14 साइटों के अवैध आवंटन के आरोपों में मौद्रिक लाभ शामिल नहीं था। उन्होंने ईडी द्वारा उनके खिलाफ जांच पर रोक लगाने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अरविंद कामत से पूछा कि जब मामला पहले से ही अदालत में चल रहा है तो एजेंसी अपनी जांच क्यों जारी रख रही है। एएसजी कामत ने प्रस्तुत किया कि सीएम सिद्धरामैया की पत्नी मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में दूसरी आरोपी हैं और उन पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप हैं। पीठ ने कहा कि विचाराधीन अवैध संपत्ति अब आरोपी के कब्जे में नहीं है। इसने इस बात पर जोर दिया कि ईडी की जांच अदालत की कार्यवाही में हस्तक्षेप नहीं करनी चाहिए, जिसने मुडा मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा है। अदालत ने ईडी की तत्परता पर सवाल उठाते हुए कहा इस समय मामले की जांच करने की क्या आपात स्थिति है? मामले को निर्णय के लिए सुरक्षित रखा गया है। ईडी द्वारा जांच अब क्यों आगे बढ़ाई जानी चाहिए? एएसजी कामत ने स्पष्ट किया कि ईडी ने केवल आरोपी से उपस्थित होने और दस्तावेज प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था, और यह अदालत की कार्यवाही में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

पीठ ने जवाब दिया कि मुडा मामला लोकायुक्त द्वारा दर्ज की गई एफआईआर पर आधारित है और वर्तमान में निर्णय के लिए सुरक्षित है। अदालत ने कहा मैं इसकी अनुमति नहीं दे सकता क्योंकि यह मेरे समक्ष कार्यवाही को विफल कर देगा, खासकर जब से मैंने पहले ही संबंधित मामले की सुनवाई कर ली है और आदेश सुरक्षित रख लिया है। इससे पहले, उच्च न्यायालय ने पूर्व मुडा आयुक्त डी.बी. नटेश को ईडी द्वारा जारी समन को भी रद्द कर दिया था।

उपमुख्यमंत्री ने तेजस्वी यादव पर लगाया 26 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप

पटना (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा द्वारा उठाए गए आरोपों ने राज्य में सड़कों के निर्माण और पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर ये आरोप सही साबित होते हैं तो आने वाले समय में राजनीतिक तकरार भी बढ़ सकती है। यह मामला अभी आगे कैसे बढ़ता है, यह देखने वाली बात होगी। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान विजय सिन्हा ने आरोप लगाया कि पथ निर्माण विभाग की ओर से बनाई गई सड़कों के निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है और 26 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि गलत तरीके से भुगतान की गई है। यह गड़बड़ी तब हुआ जब तेजस्वी यादव इस विभाग के मंत्री थे। उन्होंने कहा कि राजा कंस्ट्रक्शन कंपनी और इन परियोजनाओं से जुड़ी अन्य कंपनियों की जांच होगी, ताकि सच्चाई सामने आ सके और जो भी जिम्मेदार हैं, उन्हें जवाबदेह ठहराया जा सके। अगर सड़कों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं, तो यह जनता की सुरक्षा और पैसों के गलत उपयोग को लेकर भी चिंताजनक है। विजय सिन्हा ने कहा कि गया, जमुआ और भिंडस की सड़कों के निर्माण में गड़बड़ी की गई है। इन परियोजनाओं को पूरा करने का काम राजा कंस्ट्रक्शन कंपनी को सौंपा गया था। डिप्टी सीएम ने कहा कि राजा कंस्ट्रक्शन के कामों की पूरी समीक्षा की जाएगी। लोगों ने शिकायत की है कि सड़क निर्माण में घटिया पत्थरों का इस्तेमाल हुआ है। उन्होंने तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोगों ने वित्तीय गड़बड़ियों की और दोषी अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की। इससे विभाग को भारी नुकसान हुआ।

शराब के नशे में सांसद प्रतिनिधि ने डॉक्टर से की मारपीट, केस दर्ज

जान से मारने की धमकी देने का आरोप

मुंगेर (एजेंसियां)। सांसद राजेश वर्मा के प्रतिनिधि मनीष कुमार उर्फ नाटा सिंह के खिलाफ खगड़िया के चित्रगुप्त नगर थाना में संगीन आरोपों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। सदर अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमोद कुमार ने सांसद प्रतिनिधि पर शराब के नशे में मारपीट, गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। डॉक्टर ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उनसे पांच हजार रुपये छीन लिए। डॉ. अमोद कुमार ने बताया कि घटना 18 जनवरी की रात की है, जब वे सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में एक गंभीर रूप से घायल मरीज का इलाज कर रहे थे। इसी दौरान सांसद प्रतिनिधि मनीष कुमार का फोन आया, जिसमें उन्होंने एक बच्चे को देखने की बात कही। डॉक्टर ने कहा कि बच्चे को इमरजेंसी वार्ड में ले आने को कहने पर सांसद प्रतिनिधि भड़क गए। कुछ ही देर बाद, मनीष कुमार चार लोगों के साथ अस्पताल पहुंचे और शराब के नशे में उनसे बहस करने लगे। डॉक्टर ने आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान सांसद प्रतिनिधि ने मारपीट शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। डॉ. अमोद कुमार ने बताया कि मनीष कुमार अक्सर अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार करते थे। हालांकि इस बार की घटना गंभीर थी, जिसके बाद डॉक्टर ने प्राथमिकी दर्ज करवाई। वहीं, चित्रगुप्त नगर थाना अध्यक्ष सिंटू कुमार ने बताया कि डॉक्टर अमोद कुमार के आवेदन पर मनीष कुमार उर्फ नाटा सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना ने अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। डॉक्टर अमोद ने कहा कि इस तरह की घटनाएं स्वास्थ्य सेवाओं को बाधित करती हैं और डॉक्टरों को मानसिक तनाव में डालती हैं। इस मामले में डॉक्टरों ने उच्च अधिकारियों से सुरक्षा सुनिश्चित करने और आरोपी पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सांसद प्रतिनिधि मनीष कुमार के खिलाफ लगे आरोपों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। डॉक्टरों और कर्मचारियों का कहना है कि अस्पताल में ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं।

पूर्णिया में सीएम नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा

फोरलेन, बस टर्मिनल समेत 580 करोड़ के योजनाओं की दी सौगात

पूर्णिया (एजेंसियां)। सीएम नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा मंगलवार को पूर्णिया पहुंची। सीएम ने जिलेवासियों को 580 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हवाई मार्ग होकर पटना से केनगर प्रखंड अन्तर्गत मजरा पंचायत के कामाख्या स्थान पहुंचे थे। यहां पूजा अर्चना के बाद केनगर भुतहा मोड़ पहुंचे।

यहां 40 योजनाओं का उद्घाटन एवं 22 योजनाओं का शिलान्यास किया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने 9.176 किलोमीटर बायपास निर्माण, पूर्णिया में अन्तर्राज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण, काझा कोठी में मिथिला हाट की तर्ज पर विकसित कर पर्यटकीय सुविधा बहाल करने, धमदाहा से पूर्णिया 65 स्टेट हाइवे के फोरलेन और एयरपोर्ट से सीधा संपर्क की घोषणा की।

इधर, मां कामाख्या मंदिर में पूजा अर्चना के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने क्रमवार रूप से कामाख्या स्थान के विकास व सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटकीय सुविधा के लिएयात्री शेड, हाईमास्ट लाइट, दुकान, हवनकुंड, डॉरमेट्री के अलावा मजरा पंचायत के कामाख्या उच्च विद्यालय में खेल परिसर के निर्माण कार्य, प्रखंड परिसर मनरेगा पार्क, कामाख्या स्थान पोखर के सौन्दर्यीकरण एवं इन्लेट-आउटलेट तथा डगरुआ के कोहिला पंचायत में ग्राम संगठन भवन, जीविका के निर्माण, बायसी के प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई के निर्माण समेत कुल 62 योजनाओं का उद्घाटन किया। वह सड़क मार्ग के रास्ते रंगभूमि मैदान के लिए रवाना हो गए। 12.40 बजे रंगभूमि मैदान पहुंचे। उन्होंने स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स (मल्टीपर्पस हॉल) के स्थल का अवलोकन किया। स्थानीय खिलाड़ियों के साथ बातचीत की और उनकी हौसलाफजाई की। साथ ही 41 करोड़ की लागत से बनने वाले सिंथेटिक ट्रैक और स्विमिंग पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि पूर्णिया जिले में सब तरह के काम करा दिये हैं कुछ नये काम और कराये जायेंगे। इन सब कामों को करा दिया जायेगा और इसके अतिरिक्त पूर्णिया जिले में और कोई भी जरूरत होगी, उसको भी कराया जायेगा। बिहार के हर क्षेत्र में काम हो रहा है, आगे और तेजी से काम होगा। इसके लिए आप सबको बधाई एवं धन्यवाद देता हूं। जानिए इनके बारे में...

राष्ट्रीय उच्च पथ-107 के भुतहा मोड़ से लेकर राज्य उच्च पथ-60 तक बाईपास का निर्माण कराया जायेगा।

पूर्णिया जिले के कृत्यानन्दनगर प्रखंड में स्थित मां कामाख्या देवी मंदिर में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले मेले को राजकीय मेले का दर्जा दिया जायेगा। पूर्णिया शहर के रंगभूमि मैदान में स्पोर्टस काम्प्लेक्स का निर्माण किया जायेगा। इसके खेल को बढ़ावा मिलेगा। माता पूरन देवी मंदिर के परिसर का विकास एवं सौंदर्यीकरण एवं मंदिर तक पहुँचने हेतु नये सम्पर्क पथ का निर्माण किया जायेगा। पूर्णिया शहर में नये अंतर्राज्यीय बस अड्डे का निर्माण किया जायेगा। कस्बा प्रखंड में कारी-कोशी नदी पर बांध का निर्माण किया जायेगा। इससे लोगों को बाढ़ के खतरे से निजात मिलेगी। काझा-कोठी को पर्यटक स्थल के रूप में मिथिला हाट की तर्ज पर विकसित किया जायेगा। धमदाहा से पूर्णियाँ सड़क राज्य उच्च पथ-65 की फोरलेनिंग की जायेगी एवं पूर्णिया एयरपोर्ट से सीधे जोड़ा जायेगा। पूर्णिया जिले के 10 प्रखंडों क्रमशः अमौर, कसबा, कृत्यानन्दनगर, धमदाहा, पूर्णिया, बनमनखी, रुपौली, बायसी, बैसा एवं बड़हराकोठी में नये प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन का निर्माण कराया जायेगा।

इधर, इस कार्यक्रम के दौरान केनगर प्रखंड के भुतहा मोड़ के पास हाथ में तख्ती लेकर सैकड़ों की संख्या में आदिवासी समाज के लोगों ने विरोध किया है। हालांकि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था होने के कारण दूर में ही जिला प्रशासन और पुलिस के टीम ने रोक लिया।

झुन्नी इस्तमबरार पंचायत के समुद्री रहिका टोला वार्ड नंबर 06 और 07 के आदिवासी समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विरोध किया। उन्होंने बताया कि आजादी के 70 वर्षों बाद भी उनके क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी है।

आदिवासी समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि उन्हें सभी के द्वारा ठगने का काम किया गया है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सरकार उनके क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता दे। उन्होंने विशेष रूप से झव्वाड़ी घाट पर पुल और सड़क का निर्माण करने की मांग की। इस विरोध प्रदर्शन में आदिवासी समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए।

कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ बिहार में परिवाद दर्ज

महाकुंभ में स्नान को लेकर दिया था बयान

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ मुजफ्फरपुर कोर्ट में एक परिवाद दर्ज किया गया है। यह मामला वरिष्ठ कांग्रेस नेता खरगे द्वारा कुंभ स्नान को लेकर मध्य प्रदेश में दिए गए एक कथित विवादित बयान से जुड़ा है। यह परिवाद स्थानीय अधिवक्ता सुधीर ओझा द्वारा दर्ज कराया गया है। अधिवक्ता ओझा ने खरगे पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया है। वादी सुधीर ओझा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने राजनीतिक लाभ के लिए सनातनी हिन्दुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। परिवाद में कहा गया है कि मल्लिकार्जुन खरगे के बयान से हिंदू धर्मावलंबियों की आस्था को ठेस पहुंची है। इस मामले की सुनवाई मुजफ्फरपुर कोर्ट में चल रही है। अदालत ने अगली सुनवाई की तिथि 3 फरवरी 2025 निर्धारित की है। अधिवक्ता सुधीर ओझा का दावा है कि खरगे के बयान ने न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत किया है, बल्कि समाज में धार्मिक असंतुलन पैदा करने का प्रयास भी किया है। अदालत में दर्ज परिवाद में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं का उल्लेख किया गया है, जिनमें धार्मिक भावनाएं आहत करने और सार्वजनिक शांति भंग करने के आरोप शामिल हैं। अब तक मल्लिकार्जुन खरगे या कांग्रेस पार्टी की ओर से इस परिवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मामले पर सभी की नजरें अदालत की आगामी सुनवाई पर टिकी हैं। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या गंगा में स्नान करने से गरीबी खत्म हो जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता कैमरों के लिए डुबकी लगाने की होड़ में जुटे हैं। महू में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि भाजपा नेता तब तक डुबकी लगाते हैं जब तक यह कैमरों में अच्छा दिखे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी की आस्था पर सवाल नहीं उठा रहे हैं और अगर उनके बयान से किसी को ठेस पहुंची हो, तो वह माफी मांगते हैं। खरगे ने कहा कि मोदी के झूठे वादों के झांसे में न आएं। क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी खत्म होती है? क्या इससे आपका पेट भरता है? मैं किसी की आस्था पर सवाल नहीं उठाना चाहता। अगर किसी को बुरा लगा हो, तो मैं माफी मांगता हूं। उन्होंने आगे कहा कि जब बच्चे भूख से मर रहे हैं, स्कूल नहीं जा रहे हैं, मजदूरों को उनकी मजदूरी नहीं मिल रही है, तब ये लोग हजारों रुपये खर्च कर गंगा में डुबकी लगाने की प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

गौरतलब है कि खरगे के इस बयान से पहले, अमित शाह ने प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अलग समय पर गंगा में स्नान किया। शाह ने शीर्ष संतों के साथ संगम क्षेत्र में एक विशेष बैठक भी की। खरगे ने कहा कि उनकी भी आस्था भगवान में है, लेकिन गरीबों के नाम पर धर्म का इस्तेमाल करना गलत है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम धर्म के नाम पर गरीबों का शोषण बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वल्लभभाई पटेल ने आरएसएस को बंद करने का आदेश दिया था, फिर भी उन्होंने जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया।

अपनों से मिलने सात समंदर पार से बिहार आया शख्स

अंग्रेज परदादा को ले गए थे वेस्टइंडीज

पटना (एजेंसियां)। कहते हैं अपना खून खींचकर अपनों के पास ले ही आता है। ऐसा ही मामला बिहार के सारण जिले में सामने आया है। 135 साल बाद जब सात समंदर पार वेस्टइंडीज से भारतीय मूल के एक दंपती यहां आए तो सब लोग दंग रह गए।

वह अपने परिवार से मिलने आये थे। इनके पूर्वज को अंग्रेज मजदूरी कराने के वेस्टइंडीज लेकर चले गए थे। पूर्वज तो नहीं लौटे लेकिन यह लोग लौट कर अपने परिजनों से मिलने आ गए। आइए जानते हैं पूरी कहानी...

सारण जिले के छपरा निवासी चटंकी मियां वर्ष 1890 में जब भारत से वेस्टइंडीज गए थे तो उनके अप्रवासी (इमिग्रेशन) पास पर इनके सहोदर भाई हरभंगी मियां का जिक्र था। जो वेस्टइंडीज के परिवारवायली विशेषज्ञ इमिग्रेशन पास को वेस्टइंडीज के नेशनल आर्काइव से निकाला। जिस पास में बिहार राज्य के सारण जिले के बनियापुर और लशकरीपुर गांव का जिक्र था। उसके बाद अयोध्या के रहने वाले परिवारवायली विशेषज्ञ कृष्णा पाठक को इनके परिवार को खोजने की ज़िम्मेदारी दी गई। हालांकि उसके बाद कृष्णा पाठक ने सारण के अभिलेखागार से चटंकी मियां के भाई हरभंगी मियां के कागजात को निकाला। उसके बाद प्रमाणित हुआ कि चटंकी मियां और हरभंगी मियां दोनों सहोदर भाई थे। इसमें दोनों भाइयों के कागजात में इनके पिता का नाम लंगट मियां दर्ज पाया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com